E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 258 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 14 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

गुवाहाटी, डिमापुर और सिलीगुड़ी के रोजगार मेले में 2890 लोगों को मिले ... पेज 3
यही आशीर्वाद मेरी अपार शक्ति के स्रोत हैं : नरेंद्र मोदी पेज 4
निवेशकों के सामने आ रही बाधाओं का हो तत्काल निस्तारण : आरके सिंह पेज 5
पंजाब के मोस्ट वांटेड अमृतपाल के करीब पहुंची राजस्थान पुलिस, जल्द होगा... पेज 8

सूचना

सभी एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से रंगाली बिहू और असमिया नववर्ष की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 14 और 15 अप्रैल को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 17 अप्रैल के अंक के साथ आपकी सेवा में पुनः प्रस्तुत होंगे।

– **संपादक**

सुप्रभात

जिंदगी खुद को ढूंढने में नहीं, बल्कि जिंदगी तो खुद को बनाने में है।

– **जॉर्ज बार्नार्ड शॉ**

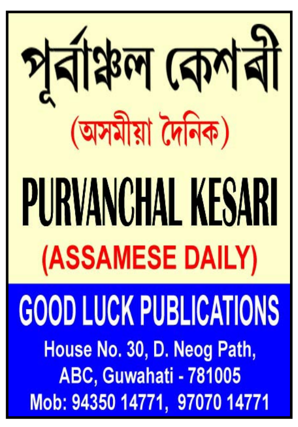

बिहू गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में

गुवाहाटी (हि.स.)। असमिया संस्कृति की जीवन रेखा बोहाग बिहू के उरुका के दिन बिहू ने विश्व रिकॉर्ड बनाकर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। गुरुवार को गुवाहाटी के सोरूसजाई स्टेडियम में रंगाली बिहू की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में बिहू डांस ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसमें 11,298 बिहूवा-बिहूवतियों (युवक-युवती) ने एक साथ बिहू नृत्य करने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया। इस रिकॉर्ड बनने से असमिया समाज अपने को गौरवांवित महसूस कर रहा है। सोरूसजाई स्टेडियम में पहली बार 10 हजार से ज्यादा बिहूवा-बिहूवतियों ने एक साथ बिहू नृत्य की प्रस्तुति दी। असम के बिहू ने एक ही दिन में दो विश्व रिकॉर्ड बनाए। नचनी-ढुलिया (नृत्य और ढोल वादन) की प्रस्तुति के साथ-साथ ढुलिया के ढोल वादन ने भी रिकॉर्ड कायम किया है। एक ही स्थान पर 11 हजार से अधिक नर्तकियों और ढोल वादकों ने रिकॉर्ड बनाया गया है और उसी स्थान पर 3 हजार ढोल वादकों का रिकॉर्ड भी बनाया गया है। बिहू के अद्भुत प्रदर्शन के साथ सोरूसजाई स्टेडियम आज इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। सोरूसजाई के बिहू कार्यक्रम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों की एक टीम मौजूद थी। गुरुवार को गोरू बिहू के दिन प्रधानमंत्री की मौजूदगी में बिहू नृत्य कर बनाए गए वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा के साथ ही असम सरकार के मंत्रिमंडल के सहयोगी और बड़ी संख्या में दर्शक भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए सभी बिहूआ-बिहूतियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी।

पीएम आज कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन एवं शिलान्यास

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को अपनी गुवाहाटी यात्रा के दौरान कई ऐतिहासिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। प्रधानमंत्री के असम दौरे से राज्य एक गौरवशाली ऐतिहासिक अध्याय की शुरुआत करेगा। सोरुसजाई स्टेडियम में आज बिहू नृत्य का विश्व रिकार्ड बनाया गया है, जिसका प्रमाण पत्र शुक्रवार को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी अपने असम दौरे के दौरान गुवाहाटी के चांगसारी में 1123 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान (एम्स) राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही 1.1 करोड़ आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई कार्डों के वितरण का समारोहपूर्वक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राज्य में रंगाली बिहू का उत्साह, आज गोरू बिहू

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की संस्कृति की आत्मा सरीखा उत्सव रंगाली बिहू के रंग में रंगने और पूरे उत्साह के साथ मनाने के लिए राज्यवासी पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि, जगह-जगह पर मौसम ने खलल जरूर डाला है। इसके बावजूद रंगाली बिहू के आयोजन का उत्साह गांव-शहर चहुंओर दिखाई दे रही है। वर्तमान समय में चारों ओर ढोल, पेपा और गगना की स्वर लहरी गूंज रही है। बिहूवा डेका (युवा) और बिहूवती (युवतियां) सभी बिहू की आयोजन की तैयारी को लेकर व्यस्त दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, गांव के साथ-साथ शहरों में भी अपने प्यार का उपहार देने के लिए बिहूआन (असमिया गामोछा) से अटा पड़ा है। असमिया समाज 14 अप्रैल को पूरे आदर और सम्मान के साथ बोहाग बिहू यानी रंगाली बिहू के स्वागत के लिए बिहूतली (बिहू का आयोजन स्थल) तैयार है। ऋतुराज वसंत ऋतु में प्रकृति के सुंदर रूप के बीच आज गुरुवार को उरुका है, कल शुक्रवार को प्रदेश के लोग गोरु बिहू मनाएंगे। बोहाग बिहू का पहला दिन गोरु बिहू के रूप में मनाया जाता है। गोरु बिहू के दिन सुबह सबेरे नदी, तालाब, झील में गाय-भैंस सहित पालतू जानवरों को नहलाते हैं उसके बाद लौकी-बैंगन की माला पहनाकर ईश्वर से आशीर्वाद की कामना की जाती है। इस दौरान पशुओं को बांधने वाली नई रस्सी बांधने के रिवाज का भी पालन किया जाता है। उल्लेखनीय है कि कृषि से जुड़ा असमिया समाज कृषि कार्य आरंभ करने से पहले बोहाग बिहू को मनाते हैं। अच्छी खेती के लिए युवकों-युवतियों द्वारा नाच-गाकर रंगाली बिहू मनाने की सदियों पुरानी परंपरा है। बिहू गीत, बिहू नृत्य असमिया संस्कृति की आत्मा है। कुछ गांवों में आज भी घर-घर हुसरी गाने (बिहू गीत) की परंपरा चल रही है। बोहाग बिहू के पहले दिन को गोरु बिहू के रूप में मनाने के बाद अगले दिन मानव बिहू के रूप में मनाया जाता है। छोटे-बड़े को प्रणाम कर आशीर्वाद मांगते हैं और प्रियजन को बिहूवान या गामोछा देने की परंपरा है। खेतों में शुरू हुआ बोहाग बिहू आज मंच पर पहुंच गया है। इसके बावजूद असमिया समाज रंगाली बिहू को मनाने में कोई संकोच नहीं करता है। फिलहाल असम के लोग सब कुछ भूलकर हर साल आने वाली सबसे प्रिय बिहू को गले लगाने में जुटे हैं। सभी गांवों और कस्बों में रंगाली बिहू की तैयारी देखते ही बन रही है। इस दौरान परंपरागत रूप से गाये जाने वाले गीत- हम इस बोहाग में बिहू गीत गाए बिना कैसे रह सकते हैं, की आवाज चारों ओर सुनाई देती हैं।

अतीक का बेटा असद और साथी गुलाम मुठभेड़ में ढेर

झांसी (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने प्रयागराज जनपद में उमेश पाल और दो सुरक्षा कर्मियों की हत्या में फरार मुख्य आरोपी माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को ढेर कर दिया। झांसी जिले में गुरुवार को हुई मुठभेड़ के दौरान असद के साथ अतीक गिरोह का सदस्य गुलाम भी मारा गया है। दोनों पर पांच-पांच लाख का इनाम घोषित था। एसटीएफ को यह सफलता उस वक्त हाथ लगी जब दोनों दिल्ली से भागकर मध्यप्रदेश के रास्ते उप्र की सीमा में दाखिल हुए थे। इस मुठभेड़ में 40 राउंड फायरिंग होने की बात एसटीएफ द्वारा बताई जा रही है। एसटीएफ से मिली जानकारी के मुताबिक माफिया अतीक अहमद का बेटा और पांच लाख का इनामी असद अहमद साथी गुलाम के साथ गुरुवार को झांसी पहुंचा। यहां पर उसकी एसटीएफ की टीम से मुठभेड़ हो गई। बदमाशों ने टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों को मार गिराया गया। उनके पास से पिस्टल, रिवॉल्वर और विदेशी हथियार बरामद हुए हैं। यह मुठभेड़ उस वक्त हुई जब दोनों झांसी के पारीछा बांध स्थित बड़ागांव इलाके में एसटीएफ की 12 सदस्यीय दल से घिर गए थे। मुठभेड़ करने वाली टीम में उपाधीक्षक नवेंदु कुमार और उपाधीक्षक विमल शामिल थे। मुठभेड़ में असद और गुलाम को ढेर किए जाने की पुष्टि एसटीएफ के अपर पुलिस महानिदेशक अमिताभ यश ने की है। मुठभेड़ की और अधिक जानकारी देते हुए एसटीएफ के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अनंत देव तिवारी ने बताया कि असद और गुलाम को हमारी टीम ने दिल्ली से पीछा किया। दोनों एमपी के रास्ते से उत्तर प्रदेश के झांसी जनपद में दाखिल हुए थे। यहां पर दोनों को जब हमारी टीम ने घेरा तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। टीम ने जवाबी कार्रवाई में दोनों को मार गिराया है।

संयुक्त अभियान में अल्फा के दो कैडर गिरफ्तार

गुवहाटी। असम राइफल्स की खोंसा बटालियन और अरुणाचल प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान में, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) समूह के दो सक्रिय सदस्यों को होरू चिंगन नामक एक गांव से पकड़ा गया। ऑपरेशन 13 अप्रैल, 2023 की सुबह हुआ। पकड़े गए दो अल्फा (आई) कैडरों की पहचान सेल्फ स्टाइल्ड सेकेंड लेफ्टिनेंट रंजू असम के रूप में की गई है, जिसे हिमांशु भुइयां के नाम से भी जाना जाता है, और सेल्फ स्टाइल्ड प्राइवेट अरिंदोम असम, जिसे महंत बरुवा के नाम से भी जाना जाता है। दोनों असम के रहने वाले हैं। पूर्वोत्तर राज्य में चीन द्वारा स्थानों का नाम बदलने के विरोध में अरुणाचल प्रदेश में तिब्बतियों ने कहा अल्फा (आई) कथित तौर पर ऊपरी असम क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जिससे इन कैडरों की गिरफ्तारी सुरक्षा बलों के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता बन गई है।

गुवाहाटी एम्स से स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को असम का दौरा करेंगे और वहां कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वे गुवाहाटी में एम्स का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके कहा कि गुवाहाटी में एम्स असम के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगा और पूरे पूर्वोत्तर की मदद करेगा। यह गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को और भी अधिक सुलभ बना देगा। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ट्वीट करके कहा कि बोहाग बिहू के विशेष अवसर को चिह्नित करने के लिए असम के अपने भाइयों

एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित करने की पीएम ने की सराहना

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के ग्वालपाड़ा में एचपीसीएल के एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र को राष्ट्र के लिए समर्पित करने की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इस कदम से असम, त्रिपुरा और मेघालय के उपभोक्ताओं को अत्यधिक सहायता मिलेगी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री की ट्वीट श्रृंखला पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते प्रधानमंत्री ने लिखा कि इससे असम, त्रिपुरा और मेघालय के उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति में सहायता मिलेगी।

होशियारपुर में ट्रक ने श्रद्धालुओं को रौंदा, आठ मरे

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के होशियारपुर में गढ़शंकर के पास देर रात को एक बड़ा हादसा हो गया। गुरु रविदास की तपोस्थली श्री खुरालगढ़ साहिब में वैशाखी के मौके पर माथा टेकने पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को एक ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 13 लोग घायल हैं। जानकारी के मुताबिक वैशाखी के अवसर पर संगत बुधवार देर रात को पैदल ही श्री खुरालगढ़ साहिब जा रही थी। इस दौरान गढ़शंकर के पास खुरालगढ़ की तरफ ही जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित हो गया और उसने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल डाला। हादसे में मरने वाले सात लोगों की पहचान राहुल (25), सुदेश पाल (48), रामो (15), गीता देवी (40), उन्नति (16), शामो देवी व संतोष देवी आदि के रूप में हुई है। सभी मृतक उत्तर प्रदेश के

प्रमाणिक के काफिले पर हमले की नहीं होगी सीबीआई जांच : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक के काफिले पर हमले को लेकर अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने काफिले पर हमले आरोपों की सीबीआई जांच के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की एक नई याचिका पर सुनवाई और विचार करने के लिए मामले को हाईकोर्ट वापस भेज दिया है। गौरतलब है कि निशीथ प्रमाणिक ने कूचबिहार के दिनहाटा में उनकी कार पर हमले का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री ने बताया था कि दिनहाटा में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने जाने के दौरान टीएमसी के लोगों ने उन पर हमला कर दिया। कथित तौर पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री की कार पर हमला किया था। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया था कि टीएमसी ने उनकी हत्या की साजिश रची है। निशीथ प्रमाणिक के काफिले पर हुए हमले का मामला कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंच गया था। हाईकोर्ट ने मामले की सीबीआई से जांच के आदेश दिए थे। इस मामले में शुभेंदु ने जनहित याचिका भी दायर की थी। शुभेंदु ने जनहित याचिका दायर कर कहा था कि दिनहाटा में केंद्रीय मंत्री पर हमला किया गया और पथराव भी हुआ।

No. SSUHS/257/2023/

NOTICE INVITING QUOTATION

Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences has invited quotations affixing court fees stamp of Rs 8.25 (Rupees Eight and Twenty Five paisa) for procurement of CAP M.S.

Interested parties may visit University Website www.ssuhs.in to download the Request for Proposal (RFP) for selection of Vendors for CAP M.S. for Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences, Guwahati, Assam.

Sd/-
Registrar
Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences.

-- Janasanyog/ /C/892/23

नई नीति और रणनीति खोल रही युवाओं के लिए नई संभावनाएं और अवसर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रोजगार मेला के अंतर्गत 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपें। इस अवसर पर देश भर में आयोजन हुए। इन आयोजनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश नई नीति और रणनीति के साथ चल रहा है, जिसने देश में नई संभावना और अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस वर्ष 10 लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री ने सरकारी नौकरी के लिए चयनित किए गए लोगों को बधाई देते हुए कहा कि पूरी दुनिया वर्तमान में कोविड-19 महामारी के चलते मंदी से जूझ रही है। इन सबके बीच भारत तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है और दुनिया भारत को ब्राइट स्पॉट के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में 2014 के बाद सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों से विभिन्न क्षेत्रों में हुए कार्यो और बदलावों से रोजगार और स्वरोजगार के पैदा हुए नए अवसरों की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने खिलौना, मोबाइल, रक्षा और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में आए बदलाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देशवासी इस बात को देख रहे हैं कि कैसे बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश के चलते रेलवे, पोर्ट, एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रों में न केवल विकास हो रहा है बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों का जीवन आसान बनाने वाली आयुष्मान भारत, पीएम आवास और मुद्रा लोन जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

बहुत कम दिया और देर से दिया : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रोजगार मेले को लेकर सरकार पर कटाक्ष करते हुए गुरुवार को कहा कि बहुत कम रोजगार दिया गया है और बहुत देर से दिया गया है। खरगे ने ट्वीट किया कि मोदी जी फिर से रोज़गार के नाम पर *भर्ती पत्र* बांट रहे हैं। कार्यक्रम में 50,000 पत्र रेल मंत्रालय के ही हैं। रेलवे में 3,01,750 पद ख़ाली हैं। सरकारी मंत्रालयों में 30 लाख पद ख़ाली हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी सरकार के 10वें वर्ष में किए गए इस स्टंट पर बहुत कम दिया, बहुत देर से दिया सटीक बैठता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि *नया भारत* नई नीतियों और रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रहा है और उनकी सरकार अतीत के प्रतिक्रियाशील दृष्टिकोण को छोड़कर प्रौद्योगिकी व बुनियादी ढांचे के मामलों में सक्रियता से काम कर रही है। मोदी ने रोजगार मेले को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए मुद्रा ऋण परियोजना से आठ करोड़ से अधिक नए उद्यमी पैदा हुए हैं और सरकार की नीतियों एवं रणनीतियों ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

पृष्ठ एक का शेष

पीएम आज कई ...

शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही नलबाड़ी (615.47 रुपए), नगांव (599.80 रुपए) एवं कोकराझार (535.87 करोड़ रुपए) में नवनिर्मित तीन मेडिकल कालेज एंड अस्पतालों का उद्घाटन करेंगे। आईआईटी गुवाहाटी परिसर में 546 करोड़ रुपए की लागत से बनाने वाले असम एडवांस्ड हेल्थकेयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट की आधारशिला प्रधानमंत्री रखेंगे। यह परियोजना असम सरकार एवं आईआईटी गुवाहाटी की संयुक्त पहल है। ऊपरी असम के नामरूप में 1,603 करोड़ रुपए की लागत से तैयार प्रतिदिन 500 टन मेथनॉल उत्पादन क्षमता वाले प्लांट का शुभारंभ करेंगे। यहां से भूटान, नेपाल और बांग्लादेश को मेथनॉल निर्यात की संभावना जतायी गई है। वहीं ब्रह्मपुत्र नद पर 3,200 करोड़ रुपए की लागत से चार लेन युक्त बनने वाले 12.21 किमी लंबे पलाशबाड़ी-शुआलकुची सेतु प्रोजेक्ट की आधारशिला रखेंगे। ऊपरी असम के शिवसागर जिला स्थित ऐतिहासिक रंग घर परिसर के सौंदर्यीकरण की 124 करोड़ रुपए लागत वाली परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इसी तरह 7,280 करोड़ रुपए की लागत से तैयार पांच परियोजनाओं, जिसमें नव निर्मित डबल रेल लाइन, नई लाइन और इलेक्ट्रिफाइड रेलवे ट्रैक राष्ट्र को समर्पित करेंगे। गुवाहाटी के सोरुसजाई स्टेडियम में शुक्रवार को भी बिहू नृत्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रधानमंत्री हिस्सा लेंगे। इस बीच आज (गुरुवार) सोरुसजाई स्टेडियम में बिहू नृत्य और ढोल वादन का विश्व रिकार्ड बनाया गया है, जिसका प्रमाण-पत्र प्रधानमंत्री की उपस्थिति में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से दिया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

अतीक-अशरफ का पाक कनेक्शन!

ड्रोन के जरिए सरहद पार से आते थे हथियार

प्रयागराज। 17 साल की उम्र से खून की नदियां बहाकर बलवान बने माफिया डॉन अतीक अहमद की रिमांड की कॉपी में गुरुवार को बड़ा खुलासा हुआ। अतीक और अशरफ दोनों का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आ चुका है। रिमांड की कॉपी में बताया जा रहा है कि सरहद पार आने वाले हथियार ड्रोन के जरिए पंजाब में गिराए जाते थे। अतीक उन हथियारों खरीदता था। इसका खुलासा होते ही अतीक को पुलिस पंजाब पूछताछ के लिए ले जा सकती है। आपको बता दें कि उमेश अपहरण केस में साबरमती जेल में उम्रकैद काट रहे अतीक अहमद को गुरुवार को प्रयागराज की कोर्ट में पेश किया गया। उसपर बीती 24 फरवरी को हुई उमेश की हत्या को अंजाम देने का आरोप है। पेशी के दौरान कोर्ट ने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ दोनों की 14 दिन की न्यायिक हिरासत मंजूरी दे दी है। अब दोनों से पूछताछ की जाएगी। राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या को अतीक अहमद ने अपने बेटे असद से एग्जिक्यूट कराया। 24 फरवरी को गोलियों की तड़तड़ाहट और बमबाजी में उमेश पाल और उसके एक गनर की हत्या कर दी। मृतक उमेश की पत्नी जया पाल ने अतीक के परिवार पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस एक तरफ आरोपियों की तलाश में जुट गई, दूसरी तरफ अतीक का परिवार फरार हो गया। लगभग 50 दिन फरारी काटने के बाद अतीक के बेटे असद का यूपी एसटीएफ ने एनकाउंटर कर दिया, जिसके बाद अतीक के 5 कंधों में से एक ढेर होते ही वो भी टूट गया। आपको बता दें कि उमेश हत्याकांड के एक फरार आरोपी और अतीक के गुर्गे गुड्डु मुस्लिम को पनाह देने के आरोप में अतीक के जीजा अखलाक को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, अतीक की बहन आयशा नूरी और उसकी दो भांजियां वॉन्टेड घोषित हैं। वहीं, उमेश हत्याकांड में नामजद आरोपी अतीक की पत्नी शाइस्ता फरार चल रही है। अतीक के 5 बेटों में से दो बालिग जेल में हैं, एक एनकाउंटर में मारा गया और दो बाल सुधार गृह में हैं।

जम्मू-कश्मीर पर उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान एनएसए अजित डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह सचिव अजय भल्ला, डीजीपी जम्मू-कश्मीर दिलबाग सिंह, केंद्रीय सुरक्षा बलों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के हालात को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान शाह को जम्मू-कश्मीर की कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई और एक प्रेजेंटेशन भी दी गई। इस दौरान लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के हालात, सीमा से घुसपैठ की साजिशों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इससे पहले छह अप्रैल को डीजीपी सिंह ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह समाप्त रहा है। यहां अब कानूनी विरोधी घटनाएं निम्नतम स्तर पर पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा था कि जिन युवाओं को बरगलाकर आतंक के रास्ते पर चलने के लिए मजबूर कर दिया था, वे भी सच्चाई के रास्ते पर वापस आने लगे हैं।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव

गुवाहाटी (हिंस)। कामाख्या रेलवे स्टेशन और अगियाठुरी स्टेशन के बीच रेलवे लाइन पर एक युवक का शव मिला है। शव क्षत-विक्षत हालत में है। मृतक की पहचान नहीं हो पायी है। कामाख्या जीआरपी ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) भेज दिया है। जीआरपी को संदेह है कि उसकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। शव के साथ कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज बरामद नहीं हुए हैं। इससे उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस युवक की पहचान की कोशिश कर रही है।

शिक्षक नियुक्ति मामला : कलकत्ता हाईकोर्ट ने दी अभिषेक बनर्जी से पूछताछ की अनुमति

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक नियुक्ति मामले में गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से पूछताछ की अनुमति सीबीआई और ईडी को दी है। यह पहली बार है जब बनर्जी का नाम इस मामले में सीधे तौर पर आया है। न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने आदेश दिया है कि भ्रष्टाचार के सिलसिले में गिरफ्तार तृणमूल युवा के नेता कुंतल घोष की ओर से केंद्रीय जांच एजेंसी के खिलाफ लिखे पत्र को लेकर ईडी और सीबीआई की टीम अभिषेक और कुंतल से पूछताछ कर सकती हैं। दरअसल, गत छह अप्रैल को अलीपुर कोर्ट में पेशी के समय कुंतल घोष ने दावा किया था कि केंद्रीय एजेंसियां उस पर नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम लेने के लिए दबाव बना रही हैं। उसके पहले कुंतल ने प्रेसीडेंसी जेल अधीक्षक के जरिए एक पत्र हेस्टिंग्स थाने को और उसी की प्रति अलीपुर कोर्ट के जज को भी भेजा था। उसी आधार पर हेस्टिंग्स थाने में केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई थी। इसी प्राथमिकी के खिलाफ हाईकोर्ट में लगी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अभिजीत गांगुली ने कहा कि राज्य के किसी भी थाने में किसी भी केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी के खिलाफ कोई भी प्राथमिकी बिना न्यायालय की अनुमति दर्ज नहीं की जाएगी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

गृह सम्पति मन्दिर महल, देश राज सब साज
सब प्रभु का जन जानते, आप भजन रत काज॥ 33॥

शब्दार्थ : (सम्पति) धन, (रत) अनुरक्त।

भाष्य : विवेकी संत गृह, संपति, महल और दैश का सुशोभित समस्त राज्य एवं धन सब महाप्रभु का जानकर अपने भजन में संलग्न रहते हैं।

सुत दारा परिवार सभ, कुल कुटुम्ब जगबन्ध।
सो माया प्रभु जानिये, आप भजन निर्बन्ध॥ 34॥

शब्दार्थ : (कुल) वंश (जग बन्ध) जग-बंधन (निर्बन्ध) बंधरहित।

भाष्य : सुत-दारा और समस्त परिवार, कुल-कुटुंब, संसार का मोह-बंधन, सभी माया प्रभु की है इसलिए मोह-बंधन से रहित हो कर अपने महाप्रभु का भजन करना चाहिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

गुवाहाटी, डिमापुर और सिलीगुड़ी के रोजगार मेले में 2890 लोगों को मिले पूसीरे में नियुक्ति के पत्र

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सिलीगुड़ी, गुवाहाटी और डिमापुर में चौथे *रोजगार मेला* की मेजबानी पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने की। गुरुवार को आयोजित राष्ट्रीय रोजगार मेले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। इस मौके पर विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों के लिए नियुक्त किए गए 71 हजार लोगों नियुक्ति-पत्र वितरित किए। इस मौके पर 2890 लोगों को पूसीरे में नियुक्ति संबंधी पत्र सौंपे गए। गुवाहाटी के मालीगांव में आयोजित *रोजगार मेला* में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, स्थानीय सांसद क्वीन ओझा और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नवचयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसके अलावा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने डिमापुर में नियुक्ति पत्र सौंपे। गृह, खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री निशिथ प्रामाणिक ने सिलीगुड़ी कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर विभिन्न विभागों में 71 हजार से अधिक नियुक्तिपत्र में से 50 हजार से अधिक रेलवे के हैं, जिनमें पूसीरे में 2890 नियुक्ति हुई है। गुवाहाटी में आयोजित रोजगार मेला में केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने नए भर्ती युवाओं को बधाई देते हुए उनलोगों से भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। मंत्री ने रोजगार मेले की मेजबानी के लिए पूसीरे का भी आभार प्रकट किया। रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। यह उम्मीद की जाती है कि रोजगार मेला आगे और रोजगार सृजित करने की दिशा में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।

कामपुर पुलिस की हिरासत में कैदी की रहस्यमय ढंग से मौत

गुवाहाटी। अधिकारियों ने बताया कि असम के कामपुर पुलिस स्टेशन में बुधवार को एक हिरासत में लिए गए व्यक्ति की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, कल रात असम के नागांव जिले के कामपुर पुलिस स्टेशन में पुलिस हिरासत में रहने के दौरान बंदी बेहोश हो गया। मृतक की पहचान मति प्रसाद बोरा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने के आरोप में घरेलू हिंसा के एक मामले में हिरासत में लिया गया है। बीती रात कामपुर थाने में हिरासत में रहने के दौरान बंदी मती प्रसाद बोरा अचानक बेहोश हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने मती प्रसाद बोरा को पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया। पुलिस हिरासत में हिरासत में लिए गए युवक की मौत पर अब भी रहस्य छाया हुआ है। जबकि मृतक की पत्नी असंगत थी, एक रिश्तेदार ने कहा कि हमने उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया था। हमने पुलिस से केवल उसे डराने के लिए कहा क्योंकि वह नियमित रूप से अपनी पत्नी को पीटता था। हालांकि, पुलिस ने हिरासत में उसकी पिटाई कर दी। यह जानने के बाद भी कि उसके पास कई चिकित्सीय स्थितियां हैं, उसे बुरी तरह से पीटा। आधे घंटे के भीतर उन्होंने उसे मार डाला, महिला ने आरोप लगाया। इस बीच, घायल पत्नी का इलाज करने वाले डॉक्टर ने कहा कि महिला के हाथ पर कट लगाकर लाया गया था जिसका हमने इलाज किया। कुछ देर बाद पति अस्पताल पहुंचा। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे हिरासत में ले लिया। यह कल रात करीब 11 बजे हुआ। वहां से, पुलिस उसे यह कहते हुए ले गई कि उन्हें उसकी पत्नी को मारने के लिए उससे पूछताछ करनी है। करीब 15 से 20 मिनट बाद पुलिस फिर आई और मुझे मेडिकल जांच के लिए जगाया। हमें इस तथ्य के अलावा कुछ भी संदिग्ध नहीं लगा कि वह शराब के नशे में था, जिसे उसने खुद स्वीकार किया है। उन्होंने आगे कहा कि फिर लगभग एक या दो घंटे बाद, लगभग 1 बजे, पुलिस उसे ले आई और मुझे उसकी जांच करने के लिए बुलाया। उन्होंने कहा कि वह अचानक बेहोश हो गए थे। मैंने प्रारंभिक जांच की और यहां तक कि सीपीआर भी किया, जिसके बाद मुझे उसे मृत घोषित करना पड़ा और आवश्यक कागजी कार्रवाई कांस्टेबलों को सौंपनी पड़ी। पहले लाए जाने पर वह पूरी तरह फिट थे लेकिन बीच में जो हुआ वह मेरे लिए एक रहस्य है। मुझे संदेह है कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है।

न्यायमूर्ति मृदुलकुमार कलिता गौहाटी उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। न्यायमूर्ति मृदुलकुमार कलिता को गौहाटी उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। कानून मंत्रालय के न्यायपालिका विभाग द्वारा जारी सर्कुलर में मृदुलकुमार कलिता को इस पद पर नियुक्त किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने जनवरी में मृदुल कलिता के नाम की सिफारिश की थी। अधिसूचना को कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा कि भारत के राष्ट्रपति ने भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से न्यायिक अधिकारी मृदुलकुमार कलिता को गौहाटी उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। मैं कलिता को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

असम ओलंपिक संघ ने बॉक्सिंग सनसनी लवलीना को किया सम्मानित

गुवाहाटी। असम ओलंपिक संघ (एओए), राज्य में खेलों की शीर्ष संस्था, ने हाल ही में आईबीए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप जीतने वाली मुक्केबाजी सनसनी लवलीना बोरगोहेन को सम्मानित किया। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली नयनमोनी सैकिया; और हेमंत कलिता, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव गुरुवार को एक भव्य समारोह में। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री और आयुष के साथ-साथ एओए के अध्यक्ष सर्बानंद सोनोवाल ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जहां राज्य के स्टार एथलीटों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य की प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी में स्टार कलाकारों को सर्बानंद सोनोवाल द्वारा एक गमुसा, एक जापी, एक स्मृति चिन्ह और प्रत्येक को 50, 000 रुपए का चेक देकर सम्मानित किया गया। एओए ने मुक्केबाज कल्पना चौधरी, भाग्यवती कछारी, पिलाओ बसुमतारी और अंकुशिता बोरो को भी सम्मानित किया; ट्रिपल लॉन बाउल्स चैंपियन मृदुल बोर्गोहेन और पुतुल सोनोवाल; साथ ही बॉक्सिंग कोच त्रिदीप बोराह को उनके खेल के संबंधित क्षेत्रों में उनके शानदार योगदान के लिए। राज्य के कई खेल निकायों द्वारा एथलीटों का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यसभा (असम) के सांसद भुवनेश्वर कलिता, प्रख्यात मीडिया हस्तियां जयंत बरुवा, संजीव नारायण, प्रणय बोरदोलोई और राजदीप बैलुंग बरुवा के अलावा लख्य कोंवर, महासचिव, एओए, तपन दास, कोषाध्यक्ष, एओए संघ और असम के अन्य खेल निकायों के अन्य शीर्ष अधिकारियों में शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री और अध्यक्ष, एओए, सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि उन सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई, जिन्हें आज यहां सम्मानित किया जा रहा है। आपने न केवल रिकॉर्ड जीत प्रदर्शन करके अपने बेदाग प्रदर्शन से हमें गौरवान्वित किया है, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असम की खेल बिरादरी को एक बेहतर और उज्जवल भविष्य की आशा दी है।

आप प्रवक्ता सुशांत नाथ को जमानत मिली

गुवाहाटी। असम से आम आदमी पार्टी (आप) के प्रवक्ता सुशांत कुमार नाथ को सोशल मीडिया पर राज्य सरकार के बारे में कथित रूप से *अपमानजनक टिप्पणी* करने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद बुधवार को अदालत ने जमानत दे दी। खबरों के मुताबिक, नाथ ने अपने पोस्ट में दावा किया था कि सरकार 14 अप्रैल को होने वाले गुवाहाटी के सुरसजाई स्टेडियम में आगामी मेगा बिहू कार्यक्रम के लिए टिकट बेच रही थी। उनकी टिप्पणियों को अधिकारियों द्वारा गलत और भ्रामक माना गया, जिन्होंने उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। नाथ की गिरफ्तारी से आप समर्थकों में आक्रोश फैल गया, जिन्होंने राज्य सरकार पर असंतोष को दबाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। हालांकि, बुधवार को उन्हें जमानत मिल गई थी और उनके गुरुवार को जेल से बाहर आने की उम्मीद है। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, असम के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका ने चेतावनी दी कि इस घटना के बारे में गलत सूचना फैलाने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और अधिकारी ऐसा करने के दोषी पाए जाने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

तुपामारी ग्राम पंचायत समवाय समिति की नई समिति गठित

नगरबेड़ा। कामरूप जिले के बोको क्षेत्र के अंतर्गत तुपामारी ग्राम पंचायत समवाय समिति की नई समिति का गठन किया गया। आज गठित नई समिति कांग्रेस के समर्थन से किया गया। उल्लेखनीय है कि समवाय समिति के वर्ष 2022-2023 के वार्षिक आमसभा और संचालक मंडल का चुनाव बीते 20 मार्च को हुआ था। समवाय समिति के संचालक मंडल के इस चुनाव में कुल 14 पदों के के लिए बीस उम्मीदवार मैदान में थे। महिलाओं के लिए आरक्षित दो सीटों में दो महिलाएं जाहानारा अहमद और तहमीना बेगम निर्विरोध चुनी गईं और बारह पदों के लिए चुनाव हुए। 22 मार्च को समवाय समिति कार्यालय परिसर में 12 सदस्यीय अधिकारी-कर्मचारी की उपस्थिति में तुपामारी ग्राम पंचायत समवाय समिति के संचालक मंडल के चुनाव के लिए मतों की गणना की गई। वोटों की गिनती के परिणाम क्रमशः घोषित किए जाते हैं। अब्दुल हमीद, आबू बक्कार सिद्दीक, जाहान उद्दीन, हातेम आली, जाकिर हुसैन, हामीद अली, मुस्लिम उद्दीन, हानीफ उद्दीन अहमद, मयान आली अहमद, अब्दुल मलिक, अब्दुल मजिद मंडल, मतीउर रहमान को समवाय समिति के निदेशक मंडल का सदस्य चुना गया है। इसके बाद से ही कांग्रेस पार्टी समर्थित प्रत्याशियों और निदेशक मंडल के कांग्रेस विरोधी प्रत्याशियों ने अपने-अपने सहयोग से सहकारिता की नई कमेटी बनाने का प्रयास जारी रखा, लेकिन आज तुपामारी ग्राम पंचायत समवाय समिति के कार्यालय परिसर में आयोजित समवाय समिति के संचालक मंडल की पहली बैठक में कांग्रेस पार्टी के समर्थित प्रत्याशी जाहान उद्दीन को अध्यक्ष और आब्दुल मजिद मंडल को उपाध्यक्ष बनाया गया। समवाय की समिति नवनिर्वाचित अध्यक्ष सहित कुल नौ निदेशकों के सहयोग से बनाई गई थी। बैठक में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ निरीक्षक मृणाल सैकिया और संभागीय वरिष्ठ निरीक्षक शफीकुर रहमान पर्यवेक्षक थे और सहकारिता के सचिव आब्दुल हाई भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पिछले 21 दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कांग्रेस के समर्थन से समवाय समिति की नई समिति के गठन ने स्वाभाविक रूप से क्षेत्र के कार्यकर्ता समर्थकों को उत्साहित किया है। स्थानीय विधायक नंदिता दास ने नवनिर्वाचित समिति को हार्दिक बधाई दी।

सड़क हादसे में चाय बगान के सहायक प्रबंधक की मौत

शोणितपुर (हिस)। शोणितपुर जिला के रंगापाड़ा थाना अंतर्गत बालीपाड़ा और रंगापाड़ा बीच नाकराहोला नामक स्थान पर आज तड़के नाहारानी-हातीबाड़ी चाय बागान के सहायक प्रबंधक प्रत्या पंडित (38) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। प्रत्या पंडित अपनी बुलेट बाइक (एएस-32-9248) से जा रहे थे। आज तड़के लगभग दो बजे के आसपास नाहारानी से हातीबाड़ी चाय बागान की ओर जाते समय नाकरा होला नामक स्थान पर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची रंगापाड़ा पुलिस तुरंत अस्पताल में पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रिश्वत लेते लोकसेवक रंगे हाथों गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात पीएचई डिवीजन कार्यालय के कार्यकारी अभियंता लेखाकार पुलिन सैकिया को 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुख्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन के संबंध में एक व्यक्ति के बिल को जारी करने के नाम पर उससे रिश्वत के रूप में 50 रुपए की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता की शिकायत पर बुधवार की देर शाम को सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम द्वारा नगांव जिला के सामागुरी में उक्त लोक सेवक के आवास के पास एक जाल बिछाया गया। शिकायतकर्ता को रुपयों के साथ कार्यकारी अभियंता लेखाकार पुलिन सैकिया के पास भेजा गया। इसके बाद पुलिन सैकिया को रुपए लेने के तुरंत बाद रात 9.45 बजे रंगे हाथों पकड़ लिया। शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में 35 हजार रुपए उसके कब्जे से बरामद कर लिया गया। इसके बाद आरोपित के घर की तलाशी के दौरान अतिरिक्त 6 लाख 05 हजार 700 रुपए बरामद किए गए। पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है।

आग में घर जलकर राख

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव के भोमराबिल में गुरुवार तड़के अचानक लगी आग में एक घर राख हो गया। हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई और जरूरी दस्तावेज नष्ट हो गए। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि भोमराबिल गांव निवासी कपिल अली शेख के आवास पर आज तड़के आग लग गई। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों और अग्निशमन विभाग के संयुक्त प्रयासों से आग पर काबू पाया जा सका है। सूचना मिलते ही मौके पर बोडोलैंड डेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के श्रीरामपुर परिषदीय निर्वाचन क्षेत्र के परिषद सदस्य सजल सिंह स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार को नया घर बनाने का वादा किया और वित्तीय सहायता प्रदान की।

सीआरपीएफ के डीआईजी सुखजीत सिंह राणा ने किया 152 बटा. का दौरा

ग्वालपाड़ा। जिला गोलपाड़ा स्थित 152 बटालियन सीआरपीएफ वर्तमान में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु स्थापित है एवं लगातार अपने कर्तव्य का निर्वहन भली भांति कर रही है। सुखजीत सिंह राणा, डीआईजी रेंज चंडीगढ़ ने दिनांक 10 से 13 अप्रैल तक 4 दिवसीय वार्षिक निरीक्षण- 2022-23 के दौरान ए/ई/152 का निरीक्षण करने के पश्चात वाहिनी मुख्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री देव शंकर मिश्र कमांडेंट-152 की उपस्थिति में श्री राणा को क्वार्टर गार्ड पर सलामी दी गई एवं वृक्षारोपण के पश्चात मुख्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान जवानों के मेस, आवास, बटालियन भंडार एवं कैंटीन आदि की व्यवस्थाओं को देखा एवं कार्यालय दस्तावेजों का निरीक्षण किया गया। सुबह के समय श्री राणा ने जवानों की शारीरिक दक्षता परीक्षा ली, जिसमें जवानों ने अपनी दक्षता का परिचय दिया जोकि उत्कृष्ट रहा। निरीक्षण के दौरान श्री राणा सैनिक सम्मेलन के माध्यम से जवानों से रुबरु हुए और जवानों के कल्याण संबंधी मुद्दों के साथ-साथ बल के लिए हितकारी मुद्दों पर भी चर्चा की एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। संध्याकाल में वालीबॉल एवं रस्सा कस्सी मैच का आयोजन किया गया। जिसमें जवानों ने उत्सुकता से भाग लिया। इसके बाद सैनिक भोजनालय में सांस्कृतिक संध्या एवं बड़े खाने का आयोजन किया गया। जिसमें जवानों ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुति दी एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द लिया। इस दौरान श्री राणा के अतिरिक्त देव शंकर मिश्र कमांडेंट -152, डॉ. चुन चुन कुमार सीएमओ (एसजी), वी नारायणन उपकमां, बाबू साहेब उपकमां, अधिनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

सतिया में मादक पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

शोणितपुर/विश्वनाथ चाराली (हिंस/विभास)। शोणितपुर जिला के सतिया में आज तड़के ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान जहीरुल अली के रूप में हुई है। सतिया थाना प्रभारी श्यामल ज्योति सैकिया के नेतृत्व में छापेमारी में तस्कर को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मादक पदार्थों से भरे प्लास्टिक के 10 कंटेनर जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार जहीरुल लंबे समय से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

होजाई बालिका महाविद्यालय के अध्यापक व पूर्व पत्रकार डॉ. पीयूष नंदी की मातृ शोक

होजाई (होसं)। होजाई बालिका महाविद्यालय के अध्यापक व पूर्व पत्रकार डॉ. पीयूष नंदी की माता ज्योत्सना नंदी 73 के निधन के समाचार से उनके शुभचिंतकों एवं परिवार के सदस्यों में शोक की लहर छा गई। धर्म परायण, मृदुभाषी, हंसमुख स्वभाव के धनी, स्पष्ट वादी ता के लिए हमेशा याद की जाती रहेगी। उनका अंतिम संस्कार शांतिवन श्मशान घाट पर उनके पुत्र डॉक्टर पीयूष नंदी ने अश्रुपूर्ण नेत्रों से उन्हें अंतिम विदाई दी। वे अपने पीछे 1 पुत्र सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर होजाई बालिका महाविद्यालय के शिक्षक गण, बंग साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रमोद रंजन दास, होजाई नागरिक मंच के विजय चक्रवर्ती, होजाई साहित्य सभा के अनूप कुमार बरठाकुर, राष्ट्रभाषा हाईस्कूल के अध्यापक शिवदयाल सिंह, रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय के अध्यापक डॉ. मनोज कुमार स्वामी, वरिष्ठ पत्रकार अंजन पाल, रमेश मुंदड़ा, किसलय देव गोस्वामी, बासित आलम चौधरी सहित कई विशिष्ट जनो ने दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के सदस्यों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

नगांव (असम) (हिंस)। नगांव जिला के जुरिया पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात जुरिया के कदमनी पथार इलाके में छापा मारा और तीन साबुनदानी से भरे मादक पदार्थ के साथ एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर के पास से 36 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है। गिरफ्तार किए गए ड्रग्स तस्कर की पहचान नेकीबुज्जमान के रूप में की गई है। लंबे समय से तस्कर जुरिया के विभिन्न हिस्सों में ड्रग्स का रैकेट चला रहा था।

अभामामस ने महिला सशक्तिकरण के लिए चार योजनाओं का किया शुभारंभ

होजाई (होसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा ने समाज हित में चार प्रकल्पों को हाथ पर लेकर मिसाल पेश की है। गौरतलब है बुधवार संध्या जेके केडिया स्मृति भवन में आयोजित एक सभा में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा के सदस्यों द्वारा बाल विकास, महिला सशक्तिकरण, नेत्रदान महादान और सुकन्या योजना के बारे में जन जागरूकता जैसे चार महत्वकांक्षी प्रकल्पो पर काम शुरू किया है। संस्था के अध्यक्ष ज्योति सुरेका व सचिव प्रियंका सरावगी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शाखा द्वारा दो बेटी ज्योति शाह एवं सरस्वती चौहान को गोद लिया गया है। उनकी पढ़ाई का सारा खर्च समिति द्वारा उठाया जाएगा। विज्ञप्ति में आगे उल्लेख किया गया के शिक्षिका श्रीमती मधु अग्रवाल (गड़ोदिया) ने समिति का सहयोग करते हुए दोनों बच्चियों को गाइडेंस देने का आश्वासन दिया है। वहीं नेत्रदान फॉर्म भी सभा में भरवाया गया, जिसमें सदस्य मंजू भीमसरिया, रेखा मोर, ममता खाकोलिया, ज्योति सुरेका, प्रियंका सरावगी और योगिता सरावगी ने मरणोपरांत अपनी नेत्रदान करने का संकल्प लिया है। वही आजीवन सदस्यता फॉर्म भी भरवाया गया जिसमें प्रियंका सरावगी, विनीता सरावगी, सरिता सरावगी, ज्योति सुरेका एवं नेहा क्याल ने फॉर्म भरा। वही सुकन्या योजना की जागरूकता फैलाते हुए तीन सदस्यों ने सुकन्या योजना अकाउंट भी खुलवा जिसमें ज्योति सुरेका, प्रियंका सरावगी और बबीता चनानी ने अपने हेल्पर की बेटियों का अकाउंट खुलवाया।।

यही आशीर्वाद मेरी अपार शक्ति के स्रोत हैं: नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने ट्वीट के जरिये बेहद मर्मस्पर्शी पत्र साझा किया है। यह पत्र एक घर में रसोइये का काम करने वाली महिला ने लिखा था। इसमें उन्होंने पीएम आवास योजना के तहत घर मिलने पर अपनी खुशियों को साझा करते हुए पीएम मोदी को ढेरों आशीर्वाद दिए थे। पीएम मोदी ने पत्र साझा करते हुए लिखा कि यही आशीर्वाद उनकी अपार शक्ति के स्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि वे प्रसार भारती के पूर्व बोर्ड सदस्य सी.आर केसवन से मिलने उनके नई दिल्ली स्थित आवास गए थे। केसवन ने प्रधानमंत्री मोदी से एन. सुब्बुलक्ष्मी का लिखा पत्र साझा किया। केसवन ने बताया कि सुब्बुलक्ष्मी उनके घर में रसोइए के तौर पर काम करती हैं और मदुरै की रहने वाली हैं। पत्र तमिल भाषा में है, जिस्का भाव केसवन ने उन्हें पढ़कर सुनाया। प्रधानमंत्री ने लिखा मदुरै की रहने वाली एन. सुब्बुलक्ष्मी जी को वित्तीय समस्याओं सहित

कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने पीएम आवास योजना के तहत घर के लिए आवेदन किया था। उन्हें घर मिल गया तो उन्होंने केसवन जी से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे यह उनका पहला अपना घर है और इस घर से उनके जीवन को सम्मान के साथ-साथ गरिमा भी मिली है। उन्होंने अपने घर की तस्वीरें साझा कीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने पीएम आवास योजना का आभार जताया और मुझे आशीर्वाद भी दिया है। पीएम मोदी लिखते हैं, ह्ययह ऐसा आशीर्वाद है, जो अपार शक्ति का स्रोत है।" प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि एन. सुब्बुलक्ष्मी जी की तरह, अनगिनत लोग हैं, जिनका जीवन पीएम आवास योजना के कारण बदल गया है। केवल एक घर से उनके जीवन में गुणात्मक अंतर आया है। यह योजना महिला सशक्तिकरण की शुरूआत करने में भी सबसे आगे रही है। उल्लेखनीय है कि पीएम आवास योजना मार्च 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना का लक्ष्य हर गरीब को कम कीमत पर पक्का घर उपलब्ध कराना है। पहले शहरी क्षेत्र में शुरू की गई इस योजना का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में भी किया गया है। मार्च 2024 तक इस योजना के तहत 2 करोड़ 95 लाख पक्के मकान देने का लक्ष्य निर्धारित है।

विपक्षी एकता पर भाजपा ने बोला हमला, केजरीवाल को बताया नटवरलाल

अजय कुमार

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के नेताओं की मुलाकातों पर हमला बोलते हुए भाजपा ने आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नटवरलाल बताया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने गुरुवार को कहा कि भारतीय राजनीति का नटवरलाल या भारतीय राजनीति में सियासी धर्मांतरण का जीता-जागता उदाहरण अरविंद केजरीवाल है। अन्ना हजारे को अपना गुरु मानने वाले आज लालू, राहुल और तेजस्वी के अनुयायी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि पॉलिटिकल नटवरलाल आज उन्हीं लोगों के साथ खड़े हैं जिन्हें वो कभी भ्रष्टाचारी बताते थे। गठबंधन बनाने की बात कर रहे हैं, लोकतंत्र बचाना इनका बहाना है, इन्हें अपने अपने भ्रष्टाचार तंत्र को बचाना है।

कल तक जिसको गाली दे रहे थे, आज वो सुहाना-सुहाना है। उन्होंने पूछा कि नीतीश की राजनीतिक मजबूरी हैं, लेकिन अरविंद केजरीवाल देश को बताएं कि उनकी ऐसी कौन सी राजनीतिक विवशता है जिसके चलते वो लालू यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ गठबंधन कर रहे हैं? शहजाद पूनावाला ने कहा कि ऐसा व्यक्ति जोकि रिवर्स रॉबिनहुड है, जो गरीबों से चुरा कर अपनी जेबें भरते रहे हैं उसके साथ राजनीतिक पिनाकियो खड़े हो रहे हैं और ये अपने आप को 'कट्टर ईमानदार' की डिग्री देते हैं। सियासी धर्मांतरण का ऐसा उदाहरण भारतीय राजनीति में कभी नहीं देखा गया।

मुंबई एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास की अदला-बदली करने वाले दो विदेशी गिरफ्तार

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई एयरपोर्ट पर अलग-अलग देशों की यात्रा करने के लिए बोर्डिंग पास की अदला-बदली करने वाले दो विदेशी नागरिकों को सहार पुलिस स्टेशन की टीम ने गिरफ्तार किया है। इनमें एक श्रीलंका का और दूसरा जर्मन का मूल निवासी है। इस मामले की छानबीन कर रहे एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पुलिस ने लंदन और काठमांडू जाने के लिए बोर्डिंग पास की अदला-बदली करने के आरोप में श्रीलंका के एक मूल निवासी और एक जर्मन नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को मुंबई एयरपोर्ट पर जांच करते समय जर्मन नागरिक के पासपोर्ट पर प्रस्थान मुहर जाली पाई गई थी। साथ ही पासपोर्ट पर प्रस्थान टिकट संख्या अलग दर्ज था।

उनके बोर्डिंग पास पर नंबर भी अलग थे। इसके बाद जर्मन नागरिक से पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि उसने श्रीलंकाई नागरिक से बोर्डिंग पास एयरपोर्ट के शौचालय में ही बदला था। इस बीच श्रीलंकाई नागरिक बदले हुए बोर्डिंग पास से यूके पहुंच गया, इसलिए पुलिस ने यूके एयरपोर्ट के अधिकारियों से संपर्क कर श्रीलंकाई नागरिक को तत्काल मुंबई भेजने के लिए कहा। इसके बाद यूके एयरपोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक को मुंबई भेज दिया। इसके बाद सहार पुलिस स्टेशन ने दोनों आरोपितों पर मामला दर्ज करके गहन छानबीन शुरू की है। दोनों विदेशियों से पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई कि दोनों नौ अप्रैल को मुंबई में हवाई अड्डे के पास एक आलीशान होटल में ठहरे थे और बोर्डिंग पास की अदला-बदली की योजना बनाई थी।

माफिया अतीक का बेटा असद और साथी गुलाम को एसटीएफ ने मुठभेड़ में किया ढेर

- प्रयागराज में उमेश पाल और दो सुरक्षा कर्मियों की हत्या के बाद से दोनों चल रहे थे फरार

- मारे गए आरोपितों पर पांच-पांच लाख का इनाम था घोषित

झांसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने प्रयागराज जनपद में उमेश पाल और दो सुरक्षा कर्मियों की हत्या में फरार मुख्य आरोपी माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को ढेर कर दिया। झांसी जिले में गुरुवार को हुई मुठभेड़ के दौरान असद के साथ अतीक गिरोह का सदस्य गुलाम भी मारा गया है। दोनों पर पांच-पांच लाख का इनाम घोषित था। एसटीएफ को यह सफलता उस वक्त हाथ लगी जब दोनों दिल्ली से भागकर मध्यप्रदेश के रास्ते उप्र की सीमा में दाखिल हुए थे। इस मुठभेड़ में 40 राउंड फायरिंग होने की बात एसटीएफ द्वारा बताई जा रही है। एसटीएफ से मिली जानकारी के मुताबिक माफिया अतीक अहमद का बेटा और पांच लाख का इनामी असद अहमद साथी गुलाम के साथ गुरुवार को झांसी पहुंचा। यहां पर उसकी एसटीएफ की टीम से मुठभेड़ हो गई। बदमाशों ने टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों को मार गिराया गया। उनके पास से पिस्टल, रिवॉल्वर और विदेशी हथियार बरामद हुए हैं। यह मुठभेड़ उस वक्त हुई जब दोनों झांसी के पारीछा बांध स्थित बड़ागांव इलाके में एसटीएफ की 12 सदस्यीय दल से घिर गए थे। मुठभेड़ करने वाली टीम में उपाधीक्षक नवेंदु कुमार और उपाधीक्षक विमल शामिल थे। मुठभेड़ में असद और गुलाम को ढेर किए जाने की पुष्टि एसटीएफ के अपर पुलिस महानिदेशक अमिताभ यश ने की है। मुठभेड़ की और अधिक जानकारी देते हुए एसटीएफ के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अनंत देव तिवारी ने बताया कि असद और गुलाम को हमारी टीम ने दिल्ली से पीछा किया। दोनों एमपी के रास्ते से उत्तर प्रदेश के झांसी जनपद में दाखिल हुए थे। यहां पर दोनों को जब हमारी टीम ने घेरा तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। टीम ने जवाबी कार्रवाई में दोनों को मार गिराया है। उल्लेखनीय है कि माफिया अतीक अहमद का बेटा और पांच लाख का इनामी असद उसका साथी गुलाम गुरुवार को झांसी में एसटीएफ की मुठभेड़ में ढेर हो गए। मुठभेड़ में मारे गए दोनों इनामी ने बीती 24 फरवरी को उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की प्रयागराज में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी और तब से दोनों फरार चल रहे थे।

वारदात के बाद असद सहित पांच अभियुक्तों पर पांच-पांच लाख का इनाम घोषित किया गया था। बताया जा रहा है कि दोनों 15 दिन तक दिल्ली में पनाह लेने के बाद भाग निकले थे, मगर दिल्ली में पकड़े गए असलहा तस्कर और चालक से मिले सुराग के आधार पर उपाधीक्षक नवेंदु कुमार और उपाधीक्षक विमल की टीम ने पूछताछ के बाद दोनों का पीछा किया और मुठभेड़ में मार गिराया। प्रयागराज में 24 फरवरी को हुए उमेश पाल हत्याकांड में यूपी पुलिस अब तक चार फरार आरोपितों को मुठभेड़ में ढेर कर चुकी है। पहला एनकाउंटर प्रयागराज में ही 27 फरवरी को अरबाज का हुआ था। अरबाज उस क्रेटा कार को चला रहा था, जिससे हमलावर उमेश पाल के घर तक पहुंचे थे। इसमें असद भी था। वहीं, दूसरा एनकाउंटर छह मार्च को हुआ था।

राहुल गांधी के विरुद्ध पुणे सेशन कोर्ट में मानहानि का मामला दाखिल, 15 अप्रैल को सुनवाई

मुंबई, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध वीर सावरकर के बारे में अपमानजनक बयान देने पर मानहानि का मामला वीर सावरकर के पौत्र सात्यिकी सावरकर ने पुणे सेशन कोर्ट में दाखिल किया है। इस मामले की सुनवाई 15 अप्रैल को तय की गई है। सात्यकी सावरकर ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि राहुल गांधी ने लंदन यात्रा के दौरान वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया था। राहुल गांधी ने कहा था कि एक मुस्लिम व्यक्ति को सावरकर और उनके पांच-छह दोस्त मिलकर मार रहे थे, उस समय सावरकर खुश थे। राहुल गांधी ने कहा था कि उन्होंने यह अपनी किताब में यह लिखा है। सात्यिकी सावरकर ने कहा कि राहुल गांधी इस काल्पनिक कहानी के जरिये स्वतंत्रता सेनानी सावरकर को बदनाम कर रहे हैं। सात्यकी ने कहा कि राहुल गांधी

केवल वोट बैंक के लिए बिना तथ्यों के ऐसे बयान दे रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने राहुल गांधी के विरुद्ध पुणे सेशन कोर्ट में मानहानि का दावा दाखिल किया है। इस मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट ने सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख दी है। सात्यकी ने कहा कि नवंबर, 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने वाशिम जिले की एक रैली में सावरकर को लेकर भाजपा और आरएसएस के बारे में अपमानजनक बयान दिया था। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि एक तरफ बिरसा मुंडा जैसी महान शख्सियत हैं, जो अंग्रेजों के सामने नहीं झुके और दूसरी तरफ अंग्रेजों से माफी मांगने वाले सावरकर हैं। राहुल गांधी ने इससे पहले भी वीर सावरकर के बारे में इस तरह की बयानबाजी की थी। मोदी उपनाम की मानहानि के मामले में उन्हें सूरत कोर्ट से दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी संसद की सदस्यता रद्द की जा चुकी है।

शिंदे सरकार पालघर में साधुओं की हत्या मामले की जांच सीबीआई से कराने को तैयार

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं और उनके ड्राइवर की हत्या के मामले पर सुनवाई दो हफ्ते टाल दी है। महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कहा कि शिंदे सरकार इस मामले की जांच सीबीआई को देने को तैयार है। निर्देश की प्रतीक्षा की जा रही है। 2020 की इस घटना की जांच सीबीआई को देने का उद्धव ठाकरे सरकार ने विरोध किया था। 29 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सीबीआई जांच की इजाजत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को इस मामले में हलफनामा दाखिल करने को कहा। महाराष्ट्र सरकार ने कोर्ट को बताया था कि मामले में दो चार्जशीट दाखिल हो चुकी हैं। महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट सीबीआई जांच का आदेश देगा तो इसमें कानूनी पेचीदगियां नहीं होंगी। महाराष्ट्र सरकार ने 11 अक्टूबर,

2022 को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि वो इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने को तैयार है। 2020 में हुई इस घटना की जांच सीबीआई को देने का उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली तत्कालीन राज्य सरकार ने विरोध किया था। अब नई शिंदे सरकार ने कहा है कि उसे आपत्ति नहीं। याचिका शशांक शेखर झा ने दायर की है। 11 जून 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार, केंद्र सरकार और सीबीआई को नोटिस जारी किया था। मृत साधुओं के रिश्तेदारों और जूना अखाड़ा के साधुओं ने याचिका दाखिल की है। याचिकाओं में कहा गया है कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस की जांच पर भरोसा नहीं है क्योंकि इस मामले में शक के दायरे में पुलिस ही है। याचिका में घटना में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच राज्य सीआईडी से वापस लेने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चल रही जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

डीसीडब्ल्यू ने गोकुलपुरी में शौचालयों का किया निरीक्षण, दो सफाई कर्मचारी निलंबित

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के गोकुलपुरी में एक शौचालय परिसर में दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के दौरे के दौरान गंदगी पाए जाने के बाद दिल्ली नगर निगम ने दो सफाई कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है और अन्य अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने गुरुवार को कहा, ह्लमैं जीवन भर एक्टिविस्ट रही हूं और कई सालों तक झुग्गी-झोपड़ियों में रही हूं। लेकिन मैंने इतना गंदा सार्वजनिक शौचालय कभी नहीं देखा। राजधानी के लिए यह बेहद शर्म की बात है। मालीवाल ने कहा कि शौचालय परिसर झुग्गियों में रहने वाली सैकड़ों महिलाओं और लड़कियों की जरूरतों को पूरा करता है, जिनके पास अपने घरों में शौचालय जैसी सुविधा नहीं है। हर किसी को सम्मान के साथ और स्वच्छ वातावरण में शौच करने का अधिकार है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एमसीडी को कार्रवाई करने के लिए आयोग के दौरे की जरूरत है। आयोग निरीक्षण कर

रहा है और इस मुद्दे पर एमसीडी की जवाबदेही तय करेंगे। उल्लेखनीय है कि स्वाति मालीवाल ने डीसीडब्ल्यू की सदस्य फिरदौस खान और सदस्य वंदना सिंह के साथ पांच अप्रैल को स्थानीय निवासियों के साथ कुछ शौचालयों का निरीक्षण किया और लगभग नौ बजे डीसीडब्ल्यू संजय कॉलोनी झुग्गी स्थित निगम के शौचालय में पहुंचा।

निरीक्षण के दौरान निवासियों ने बताया कि उनमें से कोई भी शौचालय की सफाई करने नहीं आता है। डीसीडब्ल्यू ने फिर कुछ दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों की मदद से मौके पर ही शौचालय की सफाई सुनिश्चित करवाई। इससे पहले शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी 12 अप्रैल को डीसीडब्ल्यू के समक्ष उपस्थित हुए और एक विस्तृत जवाब प्रस्तुत किया गया। उन्होंने डीसीडब्ल्यू को सूचित किया कि शौचालय में स्वच्छता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार दो नियमित सफाई कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है और अन्य के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है। साथ ही उक्त शौचालय में सफाई व रखरखाव कार्य की देखरेख करने वाले सहायक स्वच्छता निरीक्षक, सफाई निरीक्षक, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, अवर अभियंता, सहायक अभियंता व अधिशाषी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सीतारमण ने ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नरों के साथ की बैठक

वाशिंगटन/नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023 के लिए ब्रिक्स वित्त एजेंडा के तहत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक में ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों ने (एफएमसीबीजी) की बैठक में भाग लिया। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गर्वनर शक्तिकांत दास वाशिंगटन में दक्षिण अफ्रीका चेयर के तहत 2023 के लिए ब्रिक्स वित्त एजेंडा के तहत एक बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्रालय के मुताबिक बैठक के

दौरान वित्त मंत्री ने वैश्विक स्थूल आर्थिक विकास, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और बुनियादी ढांचे के वित्त पोषण और सीमा शुल्क और कर सहयोग के मुद्दों पर भारत के विचार प्रस्तुत किए। सीतारमण ने कहा कि अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए भारत का रोडमैप व्यापक स्तर पर विकास और कमजोर समूहों के लिए सर्वसमावेशी कल्याण पर आधारित है, जिसमें नवीन वित्तपोषण विधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स दुनिया की पांच प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक संगठन का नाम है। इस संगठन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। निर्मला सीतारमण छह दिवसीय अमेरिका दौरे पर हैं।

गायक मीका ने प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद, डॉलर की तरह इस्तेमाल होता है रुपया

नई दिल्ली, (हि.स.)। गायक मीका सिंह ने भारतीय रुपए को विदेशी धरती पर डॉलर की तरह इस्तेमाल कर सकने में सक्षम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया है। मीका ने अपने ट्विटर हैंडल से प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह कतर में हैं और वहां भारतीय करेंसी का उपयोग कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां आप किसी भी रेस्टोरेंट या शॉपिंग आउटलेट में जाते हैं तो आप भारतीय रुपयों का डॉलर की तरह इस्तेमाल कर सकते

हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा, "साब हमें डॉलर की तरह हमारे पैसे का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए..सलाम।

एम्स में सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए मास्क लगाना हुआ अनिवार्य

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों को लेकर अस्पताल प्रशासन भी सतर्कता बरत रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अपने सभी स्टाफ के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक एम्स के सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। एम्स के कई स्टॉफ के कोरोना संक्रमित होने के बाद नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नए दिशा-निर्देश

के अनुसार अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, कार्यस्थल को साफ रखना, हैंड हाइजीन के साथ कैंटीन में ज्यादा भीड़ न करने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। भीड़ से बचने की भी सलाह दी गई है।

केंद्र सरकार ने 4 राज्यों में 2673 करोड़ की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर, पंजाब, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में 2673 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के बारामूला जिले में मौजूदा श्रीनगर-बारामूला-उरी (एनएच-01) मार्ग का 2-लेन के साथ चौड़ीकरण और मजबूतीकरण करने के लिए 702.10 करोड़ रुपये की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। पंजाब में राष्ट्रीय राजमार्ग 254 पर पट्टी-जवाहर सिंह वाला-कांगर-सलाबतपुरा खंड के कांगर बाईपास से रामपुरा बाईपास तक के मार्ग के पुनर्वास एवं पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन में उन्नयन कार्य को 174.50 करोड़ रुपये की लागत के साथ

स्वीकृति दी गई है। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर, आजमगढ़ और अंबेडकर नगर जिलों में राष्ट्रीय राजमार्ग 135अ पैकेज-क्कक पर जौनपुर-अकबरपुर खंड और अकबरपुर बाईपास को हाइब्रीड एन्यूइटी मोड के तहत 4-लेन तक चौड़ा करने के लिए 1653.15 करोड़ रुपये की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के सूरजपुर और सरगुजा जिलों में राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर अंबिकापुर रामानुजगंज गढ़वा रोड के अंबिकापुर बाईपास (संजयनगर से राजपुरी खुर्द गांव खंड तक) के पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन मार्ग निर्माण को ईपीसी मोड के तहत 143.94 करोड़ रुपये की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है।

कैलाश विजयवर्गीय पर मुकदमा दर्ज करने की याचिका पर 21 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट महिलाओं के पहनावे को लेकर विवादित बयान मामले में भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय पर मुकदमा दर्ज करने की याचिका पर 21 अप्रैल को सुनवाई करेगा। आज इस मामले को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन किया, जिसके बाद कोर्ट ने 21 अप्रैल को सुनवाई का आदेश दिया। याचिककर्ता अंजलि पटेल ने विजयवर्गीय के बयान का समर्थन करने के चलते मंत्री उषा ठाकुर के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। अंजलि पटेल ने महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की धारा (भारतीय दंड संहिता की धारा 354) में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। दरअसल, कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में युवतियों के कपड़े पर सवाल उठाते हुए कहा था कि लड़कियों को अच्छे कपड़े पहनने चाहिए, नहीं तो वे शूर्पनखा की तरह दिखती हैं। विजयवर्गीय ने ये बयान हनुमान जयंती पर जैन समाज के एक कार्यक्रम में दिया था।

मुंबई में 13 से 19 अप्रैल तक आयोजित होगा एससीओ फूड फेस्टिवल

नई दिल्ली, (हि.स.)। पर्यटन मंत्रालय 13 से 19 अप्रैल 2023 तक मुंबई में ताजमहल पैलेस में एससीओ मिलेट्स फूड फेस्टिवल का आयोजन करेगा। इस फूड फेस्टिवल में कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, उजबेकिस्तान और रूस सहित एससीओ सदस्य देशों के शेफ भाग लेंगे। ताज महल पैलेस बाजरा के अंतरराष्ट्रीय वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में एससीओ मिलेट फूड फेस्टिवल की मेजबानी करेगा। इस उत्सव में एससीओ सदस्य देशों के शेफ द्वारा चुने गए बाजरा से बने जैविक भोजन का चयन होगा। इस फेस्टिवल में 14 से 19 अप्रैल तक लोग दोपहर और रात के खाने के लिए जा सकेंगे। शंघाई सहयोग संगठन एक अंतर सरकारी संगठन है। जिसमें 8 सदस्य देश चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान, चार पर्यवेक्षक राज्य और चौदह "संवाद भागीदार" शामिल हैं।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद 3 दिवसीय दौरे पर 14 को आएंगे उत्तराखंड

देहरादून, (हि.स.)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 14 अप्रैल से तीन दिन के उत्तराखंड भ्रमण पर आएंगे। वे इस दौरान लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। इस दौरान दौरान वे राजभवन में प्रवास करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। उनके साथ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) भी मौजूद रहेंगे। राजभवन में उनके सम्मान में राजकीय भोज का भी आयोजन किया गया है। अपने भ्रमण के दौरान राष्ट्रपति कोविंद 14 अप्रैल को गढ़ी कैंट में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे। इस मूर्ति के साथ उनका विशेष लगाव रहा है। उल्लेखनीय है कि

दिसम्बर 2021 में राष्ट्रपति रहते हुए उत्तराखंड भ्रमण पर आए रामनाथ कोविंद ने दिल्ली वापसी के दौरान गढ़ी कैंट में लगी भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की इस मूर्ति के छोटा होने की बात अपने परिसहाय से की थी। इस बात को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल मूर्ति के जीर्णोद्धार के लिए सीईओ कैंट बोर्ड से अनुरोध किया। अध्यक्ष कैंट बोर्ड और सीईओ कैंट बोर्ड ने मूर्ति के आकार को बढ़ा करने के साथ ही जीर्णोद्धार कर इसे बेहतर स्वरूप दिया है। इसके बाद राज्यपाल की ओर से अपने दिल्ली भ्रमण के दौरान उक्त मूर्ति के नये स्वरूप को पूर्व राष्ट्रपति को दिखाया गया, जिस पर वे भावुक हो गए और इस कार्य के लिए सभी का धन्यवाद भी किया।

निवेशकों के सामने आ रही बाधाओं का हो तत्काल निस्तारण : आरके सिंह

– निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के उद्देश्य से जीडीए में हुई बैठक

गाजियाबाद, (हि.स.)। जिले में निवेशकों के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के उद्देश्य से गुरुवार को जीडीए उपाध्यक्ष व जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने जीडीए सभागार में निवेशकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने उद्यमियों को निवेश में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिये। उन्होंने जीडीए के मुख्य वास्तुविद को निर्देश दिए कि गाजियाबाद के मास्टर प्लान 2031 के अंतर्गत चिन्हित ऐसी भूमि जो औद्योगिक प्रयोजन के लिए है, की सूची तैयार कर उपायुक्त उद्योग को एवं औद्योगिक संगठनों को उपलब्ध करा दें। उन्होंने निवेशकों को सुझाव दिया कि भूमि में अपनी अपनी परियोजना लगाए जाने के लिए विचार कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि विगत माह लखनऊ में आयोजित होने वाले यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश भर में जनपद गाजियाबाद से सबसे अधिक निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। इसलिए उद्योग से जुड़े हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए निवेशकों के सम्मुख जो परेशानियां आ रही हैं, उनका तत्काल निस्तारण कराते हुए, निवेशकों के उद्यम की स्थापना कराई जाए ताकि जनपद गाजियाबाद के औद्योगिक विकास को और गति प्रदान की जा सके। जिलाधिकारी ने निवेशकों एवं उद्यमियों की समस्याओं को बहुत ही गहनता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्यम की स्थापना में निवेशकों के सम्मुख आने वाली जो समस्याएं आज बैठक में रखी गई हैं, संबंधित अधिकारीगण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण करने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि निवेशकों को उद्यम की स्थापना करने में अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े, इसके लिए निवेशकों को प्रदेश सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का सीधा लाभ अधिकारियों द्वारा पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत प्राप्त निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश स्तर एवं जनपद स्तर पर विभिन्न विभागों के अंतर्गत प्राप्त निवेश एवं रोजगार के अवसर का विस्तृत रूप से विवरण प्रस्तुत किया गया एवं उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की ऑनलाइन वेबसाइट यूपीजीआईएस2023 के अंतर्गत संचालित निवेश सारथी पोर्टल पर निवेशकों को फैसिलिटेशन फॉर्म भरने के संबंध में पीपीटी प्रस्तुत की गई। उपायुक्त उद्योग ने अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शीघ्र ही ग्राउंड बेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें इन्वेस्टर समिट के अंतर्गत प्राप्त कुल निवेश के 40 प्रतिशत को धरातल पर लाया जाना है जिसके लिए शासन द्वारा जनपद स्तर, मंडल स्तर एवं प्रदेश स्तर पर एमओयू क्रियान्वयन समिति का गठन किया गया है। एमओयू की फैसिलिटेशन के लिए जनपद स्तर पर उद्यमी मित्र भी तैनात किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने विभाग बार हस्ताक्षरित एमओयू की समीक्षा की एवं किस किस विभाग में कितने एमओयू क्रियान्वित होने की स्थिति में है, की जानकारी ली गई । बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान ने किया। बैठक में पुलिस उपायुक्त नगर निपुण अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक,जीडीए सचिव बृजेश सिंह, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव एवं अन्य विभागों के अधिकारियों तथा जनपद के उद्यमियों एवं निवेशकों शामिल रहे।

असद अहमद के एनकाउंटर की उच्चस्तरीय जांच हो : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को झांसी में मुठभेड़ में मारे गए अतीक अहमद के बेटे असद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की जाए। मायावती ने अपने अधिकारिक टविटर हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि अतीक अहमद के बेटे और एक अन्य युवक की आज पुलिस मुठभेड़ में हुई हत्या पर अनेक प्रकार की चर्चाएं गर्म हैं। लोगों को लगता है कि विकास दुबे कांड के दोहराए जाने की उनकी आशंका सच साबित हुई है। अतः घटना के पूरे तथ्य व सच्चाई जनता के सामने आ सके, इसके लिए उच्चस्तरीय जांच जरूरी। इसके अलावा उन्होंने लखनऊ के विश्व विख्यात दारुल उलूम नदवातुल उलेमा के प्रमुख, आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष व मौलाना अली मियां के करीबी सैयद मोहम्मद राबे हसनी नदवी के आज इंतकाल की खबर अति-दुःखद। उनके परिवार तथा दुनिया भर में रहने वाले उनके तमाम चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

धर्मांतरण पर रोक के साथ हिंदुओं के बीच जातीय समीकरण समाप्त हो : मिलिंद परांडे

–विहिप ने आयोजित किया धर्म रक्षा सम्मेलन

गाजियाबाद, (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद् के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने गुरुवार को यहां धर्मांतरण को रोकने तथा हिन्दू के बीच जातीय समीकरण को समाप्त करने पर जोर दिया। श्री परांडे एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज सभागार में विश्व हिन्दू परिषद गाजियाबाद महानगर के तत्वावधान में आयोजित धर्म रक्षा सम्मेलन में बतौर वक्ता बोल रहे थे। अपने उत्साहवर्धक और ओजस्वी उद्बोधन में श्री परांडे ने कहा कि हिंदुओं के द्वारा कभी धर्म परिवर्तन नहीं कराया गया। जबकि अन्य धर्मों ने हिंदुओं को कमजोर करने के उद्देश्य से धर्म का परिवर्तन धमका कर, आर्थिक सहायता करके तथा भ्रान्ति फैलाकर किया है। उन्होंने कहा कि देश में ईसाई मिशनरी लगातार हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश में लगी है। अब हिंदुओं को इसके प्रति जागरूक होना होगा और अपनी संस्कृति की पहचान कर अपने मूल्यों पर कायम रहना होगा। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को अपने धर्म और संस्कृति का अपमान नहीं करना चाहिएं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को हिंदू धर्म से जोड़ने के लिए कोशिश की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के 6 लाख गांव में से 1लाख 35हजार गांव में हम लोग पहुंच चुके हैं जहां पर राम उत्सव जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही प्रभु श्रीराम के आदर्शों के प्रति लोगों को जागृत कराने का काम किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत डीआईजी डॉ वीके शेखर ने की। उन्होंने डॉ भीमराव अंबेडकर के द्वारा अपने समाज को दिए सूत्रों को सरल भाषा में समझाया। विभाग के पालक अधिकारी शयशपाल एवं विश्व हिन्दू परिषद गाजियाबाद महानगर के अध्यक्ष आलोक गर्ग मंच पर उपस्थित रहे तथा अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री अनिल रावत ने किया। कॉलेज के चेयरमैन नीरज गोयल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। अंत में सभी अधिकारीगण, विभाग, महानगर से आए सभी कार्यकर्ता बंधुओं का धन्यवाद महानगर कोषाध्यक्ष डॉ राजीव गोयल (सर्जन) ने किया। कार्यक्रम में केंद्र, प्रांत, विभाग एवं महानगर के सभी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अवैध वसूली मामले में हेड कांस्टेबल निलंबित, अमिताभ ठाकुर ने किया था शिकायत

वाराणसी, (हि.स.)। वाराणसी कमिश्नरेट काशी जोन के अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) ऑफिस से संबंधित कथित वसूली मामले में सम्बन्धित पुलिसकर्मी को निलम्बित कर दिया गया है। प्रकरण में विस्तृत जांच राजपत्रित अधिकारी को संदर्भित की गई है। गुरुवार को ये जानकारी शिकायतकर्ता अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने दी। अमिताभ ठाकुर ने बयान जारी कर कहा कि जब प्रथमदृष्टया इस मामले में उनकी शिकायत सही पाई गई है तो इस मामले में मात्र एक अधीनस्थ कर्मी का निलंबन पर्याप्त नहीं है। बल्कि इस बात की जांच होना नितांत आवश्यक है कि वह कर्मी किसी के कहने पर और किसके लिए वसूली का काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि एसीपी स्तर के अधिकारी एडिशनल डीसीपी ऑफिस से जुड़ी शिकायत की जांच नहीं कर सकती है। इस मामले की जांच वरिष्ठ स्तर पर होनी चाहिए। अमिताभ ठाकुर द्वारा विश्वस्त विभागीय सूत्रों से प्रेषित वसूली लिस्ट में इस जोन के सभी थानों और उनकी चौकियों की कथित वसूली की धनराशि अंकित है।

पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे ने ली जिला बार एसोसिएशन की सदस्यता

रामगढ़, (हि.स.) । हजारीबाग के पूर्व सांसद और भाजपा के कद्दावर नेता यदुनाथ पांडे ने गुरुवार को रामगढ़ जिला बार एसोसिएशन की सदस्यता ली है। इस दौरान यदुनाथ पांडेय ने कहा कि उनकी इच्छा काफी लंबे समय से अधिवक्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाने की थी। इसी वजह से उन्होंने एलएलबी की पढ़ाई भी की थी। वर्ष 1980 में ही उन्हें एलएलबी की डिग्री मिल गई थी। एक प्रोफेसर के पद पर रहते हुए वकालत करना उनके लिए संभव नहीं था। वर्ष 2020 में सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने एक बार फिर वकीलों के परिवार में शामिल होने का फैसला लिया। दिसंबर 2022 में स्टेट बार काउंसिल में उनकी सदस्यता हो चुकी थी। हजारीबाग संसदीय क्षेत्र उनका गृह क्षेत्र है। इस वजह से उन्होंने रामगढ़ में भी जिला बार एसोसिएशन की सदस्यता ली है। निकट भविष्य में हजारीबाग जिला बार एसोसिएशन के भी सदस्य के रूप में वे शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी मंशा वकील के परिवार में रहने की है। पार्टी के कार्यकताओं और लोगों के लिए वे पुराने यदुनाथ ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिला बार एसोसिएशन में वे सबसे जूनियर के तौर पर ही मिलेंगे। क्योंकि जितने भी अधिवक्ता रामगढ़ में अभी वर्तमान समय में है वह सभी उनसे कार्यक्षेत्र में सीनियर ही हैं।

नवादा के जालेंद्र ने राष्ट्रपति भवन में बजाया अपनी प्रतिभा का डंका

–स्वनिर्मित लोहा काटने और मोड़ने की मशीन बनाकर जीता इकलौता बिहार राज्य पुरस्कार

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के नक्सल प्रभावित कौआकोल प्रखंड के सुदूरवर्ती सोखोदेवरा गांव से आने वाले जालेंद्र कुमार नामक एक बिहारी प्रतिभा ने अपने हुनर का डंका नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बजाया है। उनके इस प्रतिभा पर क्षेत्रवासियों में काफी खुशी है। उल्लेखनीय है कि 10 अप्रैल से 13 अप्रैल तक राष्ट्रपति भवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वाधान में नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन,भारत के बैनर तले 11वें राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन एवं विशिष्ट पारम्परिक ज्ञान पुरस्कार समारोह 2023 का आयोजन किया गया। जिसका उदघाटन देश के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। इस प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से प्रतिभागी अपने अपने अविष्कारों के साथ भाग लेने पहुंचे थे। प्रत्येक दो वर्षों पर आयोजित होने वाले नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता का उत्सव कार्यक्रम में बिहार राज्य से नवादा जिला के कौआकोल प्रखण्ड के सोखोदेवरा गांव निवासी स्वर्गीय अर्जुन विश्वकर्मा के पुत्र जालेंद्र कुमार उर्फ जालो विश्वकर्मा भी अपने स्वनिर्मित लोहा काटने एवं मोड़ने वाली मशीन के साथ आयोजित प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। जिसका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ० जितेंद्र सिंह समेत आयोजन टीम के सीनियर इनोवेशन ऑफिसर सह वैज्ञानिक ई० डॉ० विवेक कुमार एवं अन्य मौजूद लोगों ने अवलोकन के पश्चात काफी सराहना करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। जालेंद्र के अनुसार इस मशीन की खासियत है कि इस एक मशीन से लोहा कटिंग,बेन्डिंग,डिजाइनिंग आदि कार्य आसानी से हो जाते हैं और इसमें ध्वनि प्रदूषण की संभावना नगण्य है। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ० जितेंद्र सिंह के द्वारा जालेंद्र को प्रशस्ति पत्र,मेडल एवं पचास हजार रुपये की पुरस्कार भी दिया गया। वहीं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन ने जालेंद्र को तकनीकी एवं आर्थिक रूप से हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराने की भी बात कही। जालेंद्र कुमार ने अपने इस कार्य कुशलता व हुनर के बल पर साबित कर दिया है कि बगैर उच्च शिक्षा के भी अपने कला के बदौलत मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मौलाना राबे हसनी नदवी का लखनऊ में इंतकाल

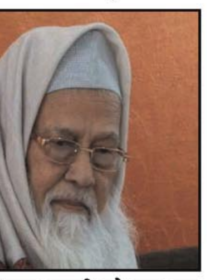

लखनऊ, (हि.स.)। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी का लखनऊ के डालीगंज स्थित नदवा मदरसा में निधन हो गया। मौलाना नदवी के निधन की सूचना फैलते ही उनके अपने समर्थकों में दुख का माहौल कायम हो गया। कुछ दिनों से बीमार चल रहे मौलाना राबे हसनी नदवी को रायबरेली से लखनऊ लाया गया था। लखनऊ के नदवा मदरसा में रहते हुए उनके इलाज की व्यवस्था हुई थी। मौलाना नदवी के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि यह दुख का समय है। मौलाना नदवी के निधन की सूचना से उनके समर्थकों में दुख का माहौल है। गम के माहौल में सभी मौलाना नदवी को याद कर रहे हैं। मौलाना नदवी के निधन की सूचना पर लखनऊ और आसपास के बड़े नामचीन चेहरों, मुस्लिम नेताओं और धर्मगुरुओं ने मौके पर पहुंच रहे हैं। वहीं उन्होंने अपने शब्दों में मौलाना के निधन पर दुख व्यक्त किया है और आला हजरत से जन्नत में आला मकाम की दुआ मांगी है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया नामांकन स्थल और मतगणना स्थल का निरीक्षण

मेरठ, (हि.स.)। नगर निकाय चुनावों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने गुरुवार को कलक्ट्रेट स्थित नगर निगम के नामांकन स्थल और मतगणना केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सारी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। नगर निकाय चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन तैयारी में जुटा है। गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने एसएसपी रोहित सिंह सजवाण के साथ कलक्ट्रेट, तहसील सदर और तहसील सरधना का निरीक्षण कर वहां नामांकन के लिए की गई व्यवस्था को परखा। इसमें प्रत्याशियों के आवागमन की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई आदि विभिन्न पहलुओं पर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मतगणना स्थल परतापुर स्थित कताई मिल का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

कलक्ट्रेट स्थित नामांकन स्थल पर मेरठ नगर निगम के महापौर और पार्षद पदों के लिए नामांकन होंगे, जबकि मतगणना परतापुर कताई मिल में होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शशांक चौधरी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पंकज वर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट जागृति अवस्थी, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

देवघर में निर्माणाधीन एम्स में लगी भीषण आग, स्वास्थ्य मंत्री ने जांच के दिए आदेश

देवघर, (हि.स.)। जिले में निमार्णाधीन एम्स में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल में मौजूद सभी लोग जान बचाकर बाहर निकल आए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रथम द्दष्टया आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि देवघर एम्स की मुख्य बिल्डिंग के पोर्टिको के बाद वाले भाग में आग लगने की सूचना मिली। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई भी जानमाल की क्षति नहीं हुई। शुरूआती जांच में पाया गया कि आग वेल्डिंग के दौरान वेस्ट मैटेरियल में लगी थी, जिसे पूर्ण रूप से फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया गया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने देवघर एम्स में आग लगने की खबर पर संज्ञान लिया है। उन्होंने एम्स डायरेक्टर से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली। डायरेक्टर ने स्थिति नियंत्रण में बतायी है। मंत्री ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

कांग्रेस का सत्याग्रह गोडसे विचारधारा वालों के खिलाफ : अविनाश पाण्डेय

–राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द किए जाने के विरोध में कांग्रेस का सत्याग्रह जारी

गिरिड़ीह, (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द किए जाने के विरोध में कांग्रेस देशभर में भाजपा सरकार के खिलाफ हमलावर है। इसी क्रम में गुरुवार को भारत सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत जिला मुख्यालय में जिला सम्मेलन आयोजित किया गया। मिशन 2024 के मद्देनजर झारखंड में प्रदेश आलाकमान के आह्वान पर कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी प्रकरण को लेकर प्रखंड स्तर तक चरणवध आंदोलन कर लोगो को महंगायी ,बेरोजगारी ,एंव सरकारी जांच एंजैसियो के दूरपयोग समेंत अन्य मुद्दो को लेकर जागरूक कर रहे है। वही मिशन 2024 को घ्यान में रखकर सतारूढ़ जेएमएम सरकार में शामिल कांग्रेस अपने विखरे जनाधार को एकत्र करने में जूटी है इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व झारखंड प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने राहुल गांधी प्रकरण को लेकर मोदी सरकार पर तीखे हमले किए।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द की गई है, उसके विरोध में देशभर के युवा उद्देलित हैं। कांग्रेस का सत्याग्रह आंदोलन गोडसे विचारधारा वालों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पिछले आठ सालों में देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है, जिसके फलस्वरूप ही देशवासी कमरतोड़ महंगाई झेलने को विवश है। आमजन का घरेलू बजट अंसतुलित हो गया है। इससे पहले झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि इस वक्त देश संकट के दौर से गुजर रहा है। महंगाई चरम पर है, बेरोजगारों के हाथों में काम नही है। आएदिन केन्द्र की भाजपा सरकार के कारनामों से बाबा साहब अंबेडकर का संविधान खतरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों से घ्यान हटाने के लिए मजहब के नाम पर लोगों को आपस में लड़वा रही है। भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए नफरत की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में देश की जनता भाजपा को बेनकाव कर सत्ता से हटाने का काम करेगी।

जीतन राम मांझी ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री से की मुलाकात, गरमाई बिहार की राजनीति

एनडीए के साथ जाने का सवाल ही नहीं पैदा होताः मांझी

पटना, (हि.स.)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक जीतन राम मांझी ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मांझी बिहार में चल रहे सात पार्टियों के महागठबंधन की सरकार में शामिल हैं। ऐसे में अमित शाह से उनकी मुलाकात को लेकर बिहार की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है और कई कयास लगाये जा रहे हैं। हालांकि मांझी की अमित शाह से यह मुलाकात औपचारिक ही बतायी जा रही है। मुलाकात के दौरान उन्होंने गृह मंत्री शाह से बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह, पर्वत पुरुष दशरथ मांझी और भूतपूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर जैसे बिहार के महान विभूतियों को भारत रत्न देने की मांग की है। अमित शाह से मुलाकात के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने मीडिया से बातचीत में भाजपा के साथ जाने की बात को टालते हुए कहा कि एनडीए में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता है। मैंने नीतीश कुमार के साथ रहने का संकल्प लिया है। नीतीश कुमार प्रधानमंत्री के लिए उपयुक्त हैं और उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिए विपक्षी एकता के साथ काम करेंगे। वे ईमानदारी से विपक्ष को एकजुट करने में जुटे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पूर्व मुख्यमंत्री मांझी का अमित शाह से मिलने का कारण चाहे जो भी हो लेकिन बिहार की राजनीति में कुछ भी हो सकता है। मांझी को बिहार में कई बार सियासी पलटी मार चुके हैं, इसलिए उन्हें यू-टर्न राजनीति का मास्टर भी कहा जाता है। जीतनराम मांझी के सुर हमेशा नीतीश के सुर से अलग रहे हैं। मांझी नीतीश कुमार की शराबंदी को फेल बताते रहे हैं। मांझी का आरोप है शराबबंदी के नाम पर गरीबों का शोषण हो रहा है।

नई शिक्षक भर्ती नियमावली पर भाजयुमो का सरकार पर हमला

अररिया (हि.स.)। शिक्षा, शिक्षक,युवा विरोधी है बिहार की महागठबंधन सरकार राज्य सरकार द्वारा सीटीईटी, एसटीईटी पास छात्रों और नियोजित शिक्षकों को बीपीएससी द्वारा परीक्षा आयोजित कर बहाली करने और राज्य कर्मी का दर्जा देने का निर्णय शिक्षक पात्रता पास छात्र युवाओं और शिक्षकों के साथ ना सिर्फ छलावा है, बल्कि उनके मनोबल पर बड़ा वज्रपात है। उक्त बातें भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने राज्य सरकार द्वारा जारी शिक्षक भर्ती नियमावली 2023 पर रोष व्यक्त करते हुए कही। भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष ने सवालिया लहजे में कहा कि इतना इंतजार करवाने के बाद ये कैसी बहाली ?आखिर कबतक परीक्षा पर परीक्षा देता रहेगा बिहार का युवा? कहा कि 1 लाख से अधिक प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों और 4 लाख नियोजित शिक्षकों को भी अब नये संवर्ग वाला शिक्षक बनने के लिए बीपीएससी परीक्षा देनी पड़ेगी। यह नई नियमावली पात्रता सिद्ध कर चुके युवाओं के भविष्य पर ना सिर्फ कुठाराघात है, बल्कि पहली कैबिनट में 10 लाख नोकरिया देने के घोषणा करने वाले बिहार सरकार के मुख्य और उप चुप मंत्री की विश्वासघाती कदम है।

गठबंधन सरकार द्वारा बजट में राशि प्रवाधान किये बगैर बीपीएससी के माध्यम से एक नये संवर्ग में शिक्षकों की बहाली की घोषणा लाखों शिक्षित युवाओं को धोखा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार सबसे पहले एसटीईटी सीटीईटी के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दे, जो पिछले चार साल से नौकरी पाने का इंतजार कर रहें है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि नई नियमावली लागू होने से एक विद्यालय में एक ही पाठ्यक्रम के लिए दो तरह के शिक्षक होंगे।एक बीपीएससी पास सरकारी टीचर दूसरा नियोजित शिक्षक। उन्होंने राज्य सरकार पर स्कूली शिक्षा को विसंगतियों का पिटारा बनाने आरोप लगाते हुए सरकार के निर्णय को असंवेदनशील और बिहार से प्रतिभा पलायन तेज करने वाला करार दिया है।साथ ही उन्होंने अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने हेतु संपूर्ण बिहार मे सरकार के विरुद्ध भाजयुमो द्वारा आंदोलन चलाने की बात कही है।

संपादकीय

पायलट की बगावत

पार्टी में चल रही उठापटक को कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व संभाल नहीं पा रहा है। कथित 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद भी कांग्रेस की स्थिति में कोई सुधार नहीं हो सका है। राजस्थान का प्रकरण देखकर यही लगता है कि कांग्रेस के नेतृत्व को अब भारत जोड़ो नहीं अपितु कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ झंडा बुलंद करते हुए इस बार गंभीर संकेत दिए हैं। उन्होंने अपनी घोषणा के अनुसार पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कदम नहीं उठाने पर गहलोत सरकार के खिलाफ एक दिन का अनशन किया। यह अनशन न केवल गहलोत सरकार के खिलाफ खुली बगावत है अपितु नेहरू–गांधी परिवार को भी चुनौती देता हुआ प्रतीत हुआ। अनशन स्थल पर लगाए गए होर्डिंग/पोस्टर में न तो कांग्रेस के प्रतीक चिन्ह थे और न ही सोनिया, राहुल और प्रियंका के चित्र थे। बैनर पर केवल महात्मा गांधीजी का चित्र था। इस घटनाक्रम को देखें तो संकेत मिलता है कि पायलट ने कांग्रेस से अलग होकर स्वतंत्र राह पकड़ने का संदेश दिया है। इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ सचिन पायलट के अनशन को खुले तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधि के रूप में रेखांकित किया है। अब प्रश्न यह भी है कि भ्रष्टाचार के नाम पर हो–हल्ला करनेवाला कांग्रेस के नेतृत्व ने सचिन की पीठ पर हाथ क्यों नहीं रखा? क्यों कांग्रेस का नेतृत्व बार–बार गहलोत के साथ ही खड़ा नजर आ रहा है जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के दौरान अशोक गहलोत ने पार्टी लाइन का पालन नहीं किया था। उस समय उन्होंने एक तरह से सोनिया गांधी और राहुल गांधी की इच्छा के अनुरूप व्यवहार नहीं किया था। मगर राजस्थान में कांग्रेस विधायकों के बीच गहलोत की मजबूत पैठ के पुख्ता सबूत मिलते रहे हैं। संभवतः यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व उन्हें छेड़ने के मूड में नहीं लग रहा है। जयराम रमेश और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रंधावा के अशोक गहलोत के समर्थन में आए बयान भी यही संकेत दे रहे हैं। दूसरी तरफ, पायलट का रुख भी बताता है कि वह अब इंतजार करते-करते थक गए हैं। देखने वाली बात यह होगी कि अपनी मांग पर जोर देने के क्रम में पायलट कितने कदम आगे बढ़ाते हैं। क्या वह पार्टी की सीमा भी पार कर लेंगे या पार्टी के अंदर से ही नेतृत्व पर दबाव बनाते रहेंगे। यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन इतना तय है कि समय रहते किसी तरह सुलझाई न जा सकी तो दोनों नेताओं की यह आपसी लड़ाई अगले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को काफी कमजोर करेगी। फिलहाल तो पायलट का एक दिन का अनशन बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गया। पायलट की स्थिति भी कांग्रेस में कमजोर होती जा रही है। वह कई बार अपनी आवाज बुलंद तो करते हैं लेकिन उनकी बात पार्टी नेतृत्व सुनता नहीं है। उन्हें लगातार अनसुना किया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के साथ ही आम लोगों को भी यह समझना मुश्किल हो रहा है कि सचिन पायलट अपनी स्थिति को लगातार हास्यास्पद क्यों बनाते जा रहे हैं? हालांकि इस बार पायलट ने कांग्रेस नेतृत्व का सिरदर्द बढ़ा दिया है। कहां तो पार्टी अपना पूरा ध्यान कर्नाटक विधानसभा चुनावों पर केंद्रित करना चाहती थी और कहां राजस्थान में असमय ही यह बखेड़ा खड़ा हो गया।

> राजस्थान का प्रकरण देखकर यही लगता है कि कांग्रेस के नेतृत्व को अब भारत जोड़ो नहीं अपितु कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए।कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ झंडा बुलंद करते हुए इस बार गंभीर संकेत दिए हैं। उन्होंने अपनी घोषणा के अनुसार पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कदम नहीं उठाने पर गहलोत सरकार के खिलाफ एक दिन का अनशन किया। यह अनशन न केवल गहलोत सरकार के खिलाफ खुली बगावत है अपितु नेहरू–गांधी परिवार को भी चुनौती देता हुआ प्रतीत हुआ।अनशन स्थल पर लगाए गए होर्डिंग/पोस्टर में न तो कांग्रेस के प्रतीक चिन्ह थे और न ही सोनिया, राहुल और प्रियंका के चित्र थे। बैनर पर केवल महात्मा गांधीजी का चित्र था। इस घटनाक्रम को देखें तो संकेत मिलता है कि पायलट ने कांग्रेस से अलग होकर स्वतंत्र राह पकड़ने का संदेश दिया है।

केन्द्र सरकार पर किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा

केन्द्र की अच्छी पहल है भ्रष्टाचार मुक्त भारत

सुरेश हिन्दुस्थानी

> केन्द्र सरकार के स्तर से भ्रष्टाचार मिटाने की ठोस पहल की जा रही है। इतना ही नहीं आज केन्द्र सरकार ने देश में घर कर चुकी इस आम धारणा को बदला है कि भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगाई जा सकती। लेकिन क्या भ्रष्टाचार मुक्त भारत केवल केन्द्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से ही संभव हो सकेगा। ऐसा नहीं हो सकता। इसके लिए देश की राज्य सरकारों को भी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए केन्द्र सरकार का भरपूर सहयोग करना चाहिए। इसके लिए सरकार को जांच एजेंसियों का सहयोग लेना चाहिए।यह बात सही है कि देश में केन्द्रीय जांच ब्यूरो एक ऐसी संस्था है, जिस पर हर कोई विश्वास करता है।

देश को अच्छा वातावरण देने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रणाली की चाह हर किसी की होती है। क्योंकि भारत में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरे तक समाती चली जा रही हैं। लेकिन यह भी एक बड़ा सच है कि जो भ्रष्टाचार का शिकार होता है, वह अनीति के मार्ग पर कदम बढ़ाने का दुस्साहसिक कार्य ही करता है। सैद्धांतिक तथ्य यह है कि जितना भ्रष्टाचार करने वाला दोषी है, उतना ही भ्रष्टाचार का शिकार होने वाला भी दोषी है, इसलिए दोनों का ही जीवन कुसंस्कार की बलि चढ़ जाता है। कहा जाता है कि जो परिश्रम करके खाता है, उसके जीवन में संतोष होता है, लेकिन जो भ्रष्टाचार करके खाता है, उसको कई लोगों के हृदय से उफनती हुई गालियों को झेलना होता है यानी उसको बद्दुआ ही मिलती है। कांग्रेस के शासन काल के दौरान जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के काले कारनामे उजागर होते जा रहे थे, उससे तो ऐसा ही लगता था कि अब देश से भ्रष्टाचार रूपी बुराई का अंत नहीं हो सकता, यह सामान्य अवधारणा के रूप में स्थापित हो चुका था कि यह देश का स्वभाव बन चुका है, लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तब से केन्द्र सरकार पर किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है।

इसका कारण स्पष्ट है कि केन्द्र सरकार की इस मामले में स्पष्ट नीति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रथम कार्यकाल में ही यह कहकर भ्रष्टाचार मिटाने की संकल्प लिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। कहा जाता है कि जब शासनकर्ताओं की नीयत साफ होती है तो नीचे भी संदेश अच्छा ही जाता है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के एक कार्यक्रम में एक बार फिर से इस आशय को स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश में कोई भी भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए। यानी केन्द्र सरकार आज भी भ्रष्टाचार मिटाने के लिए संकल्पित है।

वर्तमान में केन्द्र सरकार के स्तर से भ्रष्टाचार मिटाने की ठोस पहल की जा रही है। इतना ही नहीं आज केन्द्र सरकार ने देश में घर कर चुकी इस आम धारणा को बदला है कि भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगाई जा सकती। लेकिन क्या भ्रष्टाचार मुक्त भारत केवल केन्द्र सरकार द्वारा उठाए गए

कदमों से ही संभव हो सकेगा। ऐसा नहीं हो सकता। इसके लिए देश की राज्य सरकारों को भी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए केन्द्र सरकार का भरपूर सहयोग करना चाहिए। इसके लिए सरकार को जांच एजेंसियों का सहयोग लेना चाहिए।यह बात सही है कि देश में केन्द्रीय जांच ब्यूरो एक ऐसी संस्था है, जिस पर हर कोई विश्वास करता है।

देश में किसी भी घटना में न्याय की उम्मीद नहीं दिखने पर लोग सीबीआई जांच की मांग भी इसलिए ही करते हैं, क्योंकि सीबीआई जांच के मामले में एक विश्वसनीय संस्था है। पिछले कुछ सालों में केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने ऐसे लोगों पर हाथ डालने का साहस दिखाया है, जिस पर हाथ डालने की किसी ने हिम्मत नहीं की। ऐसे लोगों द्वारा देश के धन पर एक प्रकार से डाका ही डाला था। सरकारी खजाने की लूट करने वाले इन भ्रष्टाचारियों पर अगर सीबीआई ने कार्रवाई की है, तो इसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने वाला ठोस कदम ही माना जाना चाहिए, लेकिन देश में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार से केन्द्रीय जांच ब्यूरो की जांच को आधार बनाकर केन्द्र सरकार पर निशाना साधा गया, वह उनकी मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है।

सवाल यह आता है कि अगर इन लोगों ने भ्रष्टाचार के रूप में कमाई नहीं की है तो इनको डर क्यों लग रहा है? डरता वही है, जो गलत होता है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर दोष सिद्ध होने के बाद भी उनकी ओर से सीबीआई पर आरोप लगाना किसी भी प्रकार से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि वे स्वयं भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके हैं, इसलिए वे भ्रष्टाचार के बारे में किसी भी प्रकार बातें करते हैं तो वे सार्थक नहीं कही जा सकती। ऐसा नहीं है कि ऐसी भाषा केवल लालू प्रसाद यादव ही बोलते हैं, इसके इतर भी विपक्ष के अन्य राजनेता भी उलटा चोर कोतवाल को डाटे वाली उक्ति को चरितार्थ करते दिखाई देते हैं। जहां तक भ्रष्टाचार की बात है तो यह कहा जाना समीचीन होगा कि भ्रष्टाचार के कारण अपेक्षित विकास की राह में अवरोधक पैदा होते हैं। सरकार की योजनाएं धरातल पर उस तरीके से नहीं पहुंच पाती, जैसा सरकार चाहती है।

पहले योजनाओं के लिए जो पैसा आता था, वह अधिकतर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, लेकिन अब इसमें बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिस हितग्राही को एक हजार रुपए मिलना है, उसे पूरा एक हजार मिलता है। भ्रष्टाचार करने वालों का यही एक ऐसा दर्द है, जिसे केन्द्र सरकार ने करेले जैसे स्वभाव पर नीम चढ़ा दिया है। केन्द्र सरकार के इस अभियान को जिस प्रकार से जनता का समर्थन मिल रहा है, उस प्रकार से विपक्ष द्वारा भी समर्थन मिल जाए तो भ्रष्टाचार को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने पिछले आठ वर्षों के दौरान जिस प्रकार से छापे मारी की है, उसमें कई बड़े लोगों के पास करोड़ों की अवैध संपत्ति मिली है। खास बात यह है कि यह ऐसे लोग हैं, जिनको स्वयं भी इस बात का अहसास नहीं था कि सीबीआई इन पर भी छापामार कार्रवाई कर सकती है।

इसके पीछे राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण ही एक मात्र कारण था। अब इस प्रकार के संरक्षण में बहुत भारी कमी आई है। इसी के चलते सीबीआई बिना किसी संरक्षण के उन मठाधीशों पर कार्रवाई करने के लिए कदम बढ़ाती है, जिनके यहां काली कमाई के रूप में संपत्ति के संकेत मिलते हैं। भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए ऐसा करना आवश्यक भी है। इसलिए राज्यों को भी केन्द्र का सहयोग करने के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि इस प्रकार के कार्य आम जनता को राहत प्रदान करने वाले ही होंगे।

अमृत कलश

गायन, सम्पर्क और अहं

सम्पर्क तीन प्रकार से होता है- दिमाग से दिमाग का सम्पर्क वार्तालाप द्वारा होता है, हृदय से हृदय का सम्पर्क गा कर होता है और आत्मा से आत्मा का सम्पर्क मौन में होता है। प्रायः जब तुम लोगों के साथ होते हो, तुम बातें करते रहते हो और अपना सम्पर्क केवल दिमाग के स्तर पर ही रखते हो। परन्तु जब तुम प्रकृति के साथ होते हो, तुम गुनगुनाने लगते हो और सम्पर्क तुम्हारे हृदय के द्वारा होता है। और जब तुम गुरु के साथ होते हो, तुम खाली हो जाते हो, और सभी प्रश्न भूल जाते हो। तब सम्पर्क आत्मा के द्वारा होता है - मौन में। जब तुम लोगों से मिलते हो, तब तुम दिमाग के स्तर पर बने रहते हो। बहुत से लोग, जब तक कि कोई आयोजित कार्यक्रम न हो दूसरों के साथ गाने में सहज अनुभव नहीं करते ।तुम्हारा अहं तुम्हें ऐसा करने से रोकता है। जब तुम लोगों के साथ गाते हो, तब तुम हृदय के स्तर पर, भावना के स्तर पर उतर आते हो। कुछ व्यक्ति केवल संगीत सुनने में सहजता अनुभव करते हैं, कुछ केवल एकांत में गाना पसंद करते हैं। कुछ व्यक्ति दूसरों का ध्यान आकर्षित करने या लुभाने के लिए गाते हैं। ये सभी गायन

स अहं से हैं। 'भजन' का अर्थ है बाँटना, सत्ता के अन्तरतम स्तर पर सहभागी होना ।भजन ही वास्तविक भागीदारी है। यदि तुम लोगों के साथ गा सको, तो तुम्हारा अहं खत्म हो जाता है।

बच्चे लोगों के साथ गा सकते हैं क्योंकि उनमें अहं नहीं होता। एक अपरिचित व्यक्ति के साथ गाने के लिए तुम्हें अहं से मुक्त होना है।

अहं के लिए दिमाग का स्तर सुरक्षित है; हृदय का स्तर अहं को तोड़ देता है, आत्मा का स्तर अहं को विलीन कर देता है। सम्पर्क में सभी दूरियाँ अहं के कारण होती हैं। जब तुम लोगों के साथ होते हो, बातें करने की जगह गाना शुरू कर दो और ऊर्जा में बदलाव अनुभव करो।

बोध कथा

मैं की छाया

एक दिन सुबह-सुबह एक लोमड़ी शिकार के लिये पश्चिम दिशा की ओर निकली । सूरज पीछे से निकल रहा था, तो उसने अपनी बड़ी लंबी छाया देखी। लोमड़ी ने जब अपनी छाया देखी तो सोचा, "आज तो एक ऊंट शिकार को मिल जाये, तभी काम चलेगा ।'' स्वभावतः, इतनी बड़ी छाया बनी है, तो लोमड़ी छोटी नहीं हो सकती। लोमड़ी के तर्क में कहीं कोई गलती नहीं है। दिनभर खोजते खोजते दोपहर हो गई , शिकार नहीं मिला । सूरज सिर पर आ गया । लोमड़ी भूखी है। नीचे की तरफ देखा, तो उसकी छाया बहुत छोटी है, न के बराबर। उसने कहा, "क्या हो गया जो मैं इतनी छोटी हो गई? क्या भूख में मैं इतनी सिकुड़ गई? अब तो एक चींटी भी मिल जाय, तो शायद काम चल जाय।" लोमड़ी का तर्क ठीक है। हम अपनी छाया से ही सोचते हैं कि हम कितने बड़े हैं। छाया को नाप लेते हैं, सोच लेते हैं कि इतने बड़े हैं। अगर मेरी छाया बड़ी है –मेरा मकान बड़ा है, तो मैं बड़ा; और अगर मेरा मकान छोटा है, तो मैं छोटा। मेरे धन का ढेर बड़ा है, तो मैं बड़ा; और मेरे धन का ढेर छोटा है, तो मैं छोटा। मुझे नमस्कार करने वाले लोग ज्यादा हैं, तो मैं बड़ा; और मुझे नमस्कार करने वाले लोग थोड़े हैं, तो मैं छोटा! ये सब छाया से ही तो है। जिंदगी के शुरू में सभी को वही भूल होती है, जो उस लोमड़ी को हुई थी। जब जिंदगी शुरू होती है, तो हर आदमी सोचता है कि मैं! मेरे जैसा कोई भी नहीं। सारी जमीन भी छोटी पड़ेगी। और जब जिंदगी अंत होने के करीब आती है, तो पता चलता है कि अब तो कुछ भी नहीं रहा, छाया सिकुड़ गई है। हम छाया को देखकर जीते हैं, इसलिए हम छाया को बढ़ाते रहते हैं, बड़ा करने की कोशिश में लगे रहते हैं। मेरे का अर्थ है, मैं की छाया, शैडो आफ दि ईगो। मैं तो झूठा है। मैं (अहंकार) सत्य नहीं है।

जीवन और विचारधारा

> बाबा साहब ने भारतीय समाज में जाति प्रथा के प्रचलन को दुर्भाग्यपूर्ण माना। उन्होंने जातिप्रथा की पद्धति को दो दृष्टिकोणों से स्पष्ट किया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जाति प्रथा नियतिवाद के रुढिग्रस्त सिद्धांतों पर आधारित है जो आर्थिक कार्यक्षमता के रूप में फलित नहीं होती। उसने न तो समाज को अभ्युन्त किया है और न वह कर सकती है। वह हिंदुओं के लिए नैतिक पतन और अव्यवस्था का कारण ही बनी है। हिंदू समाज के नैतिक जीवन पर उसका अनिष्टकारी प्रभाव ही पड़ा है। उसने जनशक्ति अथवा आत्मचेतना का हनन ही किया है, और लोक कल्याण के मार्ग में रोड़े ही अटकाए हैं। उसके कारण हिंदुओं की निष्ठा एवं वफादारी में कमी ही आई है। वह केवल जाति विरोध तक ही संकीर्ण बन गई है।उसके कारण सामाजिक गुण गरिमा रुग्ण हो गई है और नैतिकता पर जाति ग्रस्त प्रतिबंध का पहरा लग गया है। उसके कारण न तो उसको सुयोग्य जनों के प्रति सहानुभूति रही है और न गुणवानों की कद्र की जाती है।जातिप्रथा के चार वर्ण भेद सबसे अधिक अधोगतिकारक हैं जिन्हें हास्यास्पद और विसंगत ही समझना चाहिए। बाबा साहब ने जाति प्रथा की समस्या का निदान ढूंढने का प्रयास भी किया।

आधुनिक भारत की सामाजिक और राजनीतिक विचारधारा के क्षेत्र में डॉक्टर अंबेडकर का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे समाज सुधारक होने के साथ-साथ एक महान राजनेता एवं भारतीय संविधान के निर्माता थे। उनकी गणना विश्व के महान विद्वानों में की जाती है। वे उत्कृष्ट कोटिक विद्वान थे। उनकी विद्वतापूर्ण योग्यताओं की सराहना सभी के द्वारा की गई है। बाबा साहब ने भारतीय समाज में जाति प्रथा के प्रचलन को दुर्भाग्यपूर्ण माना। उन्होंने जातिप्रथा की पद्धति को दो दृष्टिकोणों से स्पष्ट किया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जाति प्रथा नियतिवाद के रुढिग्रस्त सिद्धांतों पर आधारित है जो आर्थिक कार्यक्षमता के रूप में फलित नहीं होती। उसने न तो समाज को अभ्युन्त किया है और न वह कर सकती है। वह हिंदुओं के लिए नैतिक पतन और अव्यवस्था का कारण ही बनी है। हिंदू समाज के नैतिक जीवन पर उसका अनिष्टकारी प्रभाव ही पड़ा है। उसने जनशक्ति अथवा आत्मचेतना का हनन ही किया है, और लोक कल्याण के मार्ग में रोड़े ही अटकाए हैं। उसके कारण हिंदुओं की निष्ठा एवं वफादारी में कमी ही आई है। वह केवल जाति विरोध तक ही संकीर्ण बन गई है। उसके कारण सामाजिक गुण गरिमा रुग्ण हो गई है और नैतिकता पर जाति ग्रस्त प्रतिबंध का पहरा लग गया है। उसके कारण न तो उसको सुयोग्य जनों के प्रति सहानुभूति रही है और न गुणवानों की कद्र की जाती है। जातिप्रथा के चार वर्ण भेद सबसे अधिक अधोगतिकारक हैं जिन्हें हास्यास्पद और विसंगत ही समझना चाहिए। बाबा साहब ने जाति प्रथा की समस्या का निदान ढूंढने का प्रयास भी किया। उनके मतानुसार जाति प्रथा के विध्वंस का यह मतलब नहीं कि उसके भौतिक कटघरे को ही नष्ट कर दिया जाए, बल्कि उसका मतलब यह है कि उसमें सार्थक परिवर्तन लाया जाए। हिंदू लोग जाति प्रथा के इसलिए कायल नहीं हैं कि वे अमानुष्य और विकृत मस्तिष्क वाले हैं किंतु उसके इसलिए समर्थक हैं कि वे रुढिग्रस्त गहरे धार्मिक हैं। इसका यह अभिप्राय समझना चाहिए कि व्यक्ति अथवा समाज को इस प्रथा ने अपने चंगुल में नहीं जकड़ा है, अपितु शास्त्र ग्रंथों ने ही जाति प्रथा के परिचालन की शिक्षा दी है। ऐसी स्थिति में यही उचित है कि यदि शास्त्रों के प्रति बनी हुई हमारी आस्था ही मिटा दी जाए तो इस समस्या का सही समाधान निकाला जा सकता है। हमारा कत्र्तव्य है कि प्रत्येक स्त्री और पुरुष को इन शास्त्रों की गुलामी से मुक्त किया जाए। वेदों और स्मृतियों में जो भी विधि-विधान नियम अथवा अधिनियम लिखे गए हैं, इस दृष्टि से अनीतिमूलक हैं कि वे सभी वर्गों अथवा श्रेणियों के लिए समरूपता का निर्वहन नहीं करते। इस प्रकार की असमानता की सृष्टि शास्त्रों के द्वारा की गई है। जाति प्रथा को विनिष्ट करने के लिए यह जरूरी है कि लोगों के मन में धार्मिक मान्यताओं के प्रति सही विवेक उत्पन्न किया जाए ताकि वे जाति और वर्ण के निम्नोन्नत वर्णभेदों को नष्ट कर सकें। डॉ. अंबेडकर ने इस बात पर विशेष बल देते हुए लिखा है, 'वर्ण भेद उत्पन्न करने वाले धर्म को विनष्ट ही ठीक कर देना चाहिए क्योंकि ऐसा करने में किसी भी प्रकार की अधार्मिकता नहीं है।' बाबा साहब अंबेडकर भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के प्रमुख थे। संविधान निर्मात्री सभा में उनकी भूमिका को देखते हुए उन्हें आधुनिक भारत का 'मनु' कहा जाता है। उनकी इस बात के लिए प्रशंसा की जाती है कि उन्होंने सुदृढ़ निष्ठा और अत्यधिक परिश्रम के साथ संविधान सभा में स्वतंत्र भारत के संविधान को पारित करवाया। इस संबंध में एस. सहाय ने कहा था, 'स्वाधीनता का श्रेय महात्मा गांधी को दिया जाएगा और इसको संहिताबद्ध करने का सेहरा बंधेगा उनके कटुतम आलोचक के सिर अर्थात हमारे महान संविधान के महान शिल्पी डॉक्टर अंबेडकर के सिर पर।' उन्होंने आगे कहा, 'उन्हें न केवल इस सदन से आभार पाने का सौभाग्य प्राप्त है अपितु पूरा राष्ट्र उनका आभारी है। जिस खूबी से उन्होंने संविधान के प्रारूप विभिन्न प्रावधानों का संचालन किया वह न केवल स्मरणीय है बल्कि आगे आने वाली पीढियां भी उन्हें याद रखेंगी।' भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अप्रतिम प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने देश की तन्मयता से सेवा की। वे भारतीय संविधान के शिल्पी ही नहीं थे बल्कि आधुनिक भारत के निर्माताओं में से भी एक थे। वे सर्व गुणों के धनी थे। वे एक साथ ही विचारक, लेखक, वक्ता, पत्रकार, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक, विधिवेता, शिक्षक और सांसद थे। बाबा साहब ने नारी मुक्ति के लिए भी सर्वाधिक प्रयास किए। वे प्रायः कहा करते थे कि हिंदू शास्त्रों में निहित आदेशों के अनुसार शुद्र एवं अछूतों के साथ-साथ समग्र स्त्री जाति पर चाहे वह किसी भी वरण की हो, बहुत जुल्म ढाया गया है। मैं हिंदू कोड पर विचार होने वाले दिनों में अनेक सवर्ण जाति से संबंध रखने वाली और पतियों द्वारा परित्यक्ता अनेक युवतियों और प्रौढ़ महिलाओं को देख चुका हूं, जिन्हें पतियों ने त्याग कर उनके जीवन निर्वाह के लिए नाम मात्र का चार-पांच रुपए मासिक गुजारा भत्ता बांधा था और वे दयनीय दशा के दिन अपने माता-पिता या भाई बंधुओं के साथ केवल स्वयं रो-रोकर व्यतीत कर रही थी। उनके अभिभावकों के हृदय भी ऐसे ही दुर्भाग्या बहनों तथा पुत्रियों को देख-देख कर शोक संतप्त रहते थे। बाबा साहब का करुणामय हृदय ऐसी देवियों की करुणा गाथा सुनकर पिघल जाता था। बाबा साहब ने नारी शिक्षा के महत्व को समझा। उनका मानना था कि समाज का कोई भी अंग चाहे वह नारी हो, दलित हो, पिछड़ा वर्ग हो या अन्य कोई हो, उसमें जागृति लाने के लिए शिक्षा की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने नारी शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा था, 'शिक्षा शेरनी का दूध है। शिक्षा के बिना जीवन व्यर्थ है। कुछ सोचने, समझने या चिंतन करने की ताकत शिक्षा से ही संभव है।' नागपुर में महिलाओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, 'विवाह एक दायित्व है। उसे बोझ न समझें। बच्चों के विवाह में जल्दी न करें, उन्हें शिक्षित बनाएं, अपने पैरों पर खड़ा होने दें। इस दायित्व को तब तक अपने बच्चों पर न लादें, जब तक वे विवाह के दायित्वों को निभाने के लिए मानसिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम न हो जाएं। यह बात भी ध्यान में रखें कि अधिक बच्चों को जन्म देना अपराध है। हर लडक़ी जो विवाह करे, वह घर के हर कार्य में, परिवार की उन्नति में सहयोग दे।

नागरिक बोध

एक देश में दो दुनिया

हमारी न्यायपीठ के मुखिया को इस देश में एक साथ दो दुनिया बसती नजर आयी हैं। एक वह दुनिया जिसमें सात बीस का सौ होता है, और दूसरी वह दुनिया जिससे आठ बीस का पचास भी नहीं होता। गलत नतीजा बता क्या हम ऐसी दुनिया की बात कर रह हैं, जिससे गणित पढना गुनाह है या किसी उस दुनिया की बात जिसमें इतिहास के नाम पर भूगोल पढ़ा दिया जाता है। उसके बाद किसी फर्जी विश्वविद्यालय की उच्च डिग्री का दुमछल्ला लगा लो। भाषण करने लगो तो अपनी वक्तृता में दस बार अपने नाम का प्रयोग करने के बाद कहो कि 'मैं तो बेचारा एक कार्यकत्र्ता हूं, आपकी ज़िन्दगी सफल करने के लिए इस धरती पर आया हूं।' जी हां, जो ऊंचे प्रासादों से अवतरित होते हैं, उनके लिए कानूनों की आचार संहिता कुछ और, और इधर बेचारे फुटपाथियों के लिए कानून की सख्ती का कोई अन्त नहीं। न्यायपीठ ने तो कहा इस देश में हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग कानून नहीं हो सकता। साब, हम आह भी भरें तो हो जाते हैं बदनाम, वह कत्ल भी करें तो शिकवा नहीं होता। लगता है ये कानून सदा से दो रुख वाले ही चलते आये हैं। आज उनका संज्ञान ले लिया गया तो कहने लगे, 'आह कितनी बेबाक टिप्पणी है। इस साहस के लिए ज़िन्दाबाद।' लेकिन क्या ज़िन्दाबाद का नारा लगाने के बाद दो अलग वर्गों के लिए एक ही कानून हो जाएगा। यह कानून बड़े-छोटे का, ऊंचे-नीचे का फर्क नहीं करेगा। सबकी धान पसेटी एक ही भाव बिकेगी। लेकिन ऐसा कभी होना नहीं। ऐसी समता की मात्र उम्मीद की जा सकती है, ऐसी उम्मीद जो करने वाले भी अपने ऊंचे मंच पर खड़े होकर जनता जनार्दन को समझा सकें। लेकिन मंच से बोलता हुआ आदमी ऊंचे स्वर में बोलता रहता है और धरती पर छिटके हुए लोग गिड़गिड़ाते तक एक अंदाज़ से हैं। मंच से उतरे आदमी के पांव पखारते हैं वह भी एक अंदाज़ से। उन्होंने कहा कि बड़े और छोटे का फर्क तो सदा से रहा है। महामारी आयी तो लाखों लोग अस्पताल में बैड न मिलने से चल बसे और चन्द लोग अपनी ऊंची मंज़िलों से गुरु गम्भीर वाणी में हमदर्दी प्रकट करते हुए जनसेवक कहलाये। भुखमरी सूचकांक आ गया, लेकिन विज्ञ पुरुषों ने बताया, 'देखो-देखो अपने यहां भुखमरी से इतने नहीं मरे, जितनी उम्मीद थी।' आंकड़ों का खेल है इसकी कल मरोड़ दो, तो लगता है जब इतने लोग मरे ही नहीं, तो कैसे कह सकते हो देश बदहाल है, असमाजवादी है। अब इन टिप्पणियों का क्या करें? टिप्पणी करने वाले टिप्पणी करते रहते हैं और फुटपाथ पर बरसों से पड़े आदमी ज़िन्दाबाद का जयघोष करते हुए देश की तरक्की के ज़ामिन हो जाते हैं।

देश दुनीया से

संयोग, समझ और संयम

हमारा अज्ञान हमसे कैसे-कैसे अन्याय करवा लेता है इसकी कहानी बहुत अजीब है। अभी हाल ही में मुझे समझ आया कि खुद मैं कितना अज्ञानी था और इस अज्ञान से प्रभावित मेरी सोच कितनी दूषित थी। हम सफलता की कहानियां पढ़ते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। हम असफलता की कहानियां पढ़ते हैं और असफल लोगों द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण करते हैं तथा उन गलतियों से बचने की कोशिश करते हैं। जो आदमी सफल हो जाता है उसके बारे में हम मान लेते हैं कि उसने अनुभव से या प्रशिक्षण के माध्यम से सही फैसला लेने की तकनीक सीख ली है और जो व्यक्ति असफल हो जाता है उसके बारे में हम धारणा बना लेते हैं कि उसमें अनुशासन की कमी थी, लोगों से व्यवहार सही नहीं था, और उसने अहंकारवश गलत फैसले लिए, वगैरह, वगैरह। लेकिन अगर और बारीकी में जाएं तो हमें समझ आ जाता है कि हमारी धारणा पूर्वाग्रह ग्रसित थी। दरअसल हर सफलता और असफलता में मेहनत, कौशल, अनुशासन, निरंतरता और भाग्य की भूमिका होती है। समस्या यह है कि यह सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं है कि इसमें भाग्य की भूमिका कितनी बड़ी है। कभी-कभी तो यह लगता है कि एक विशेष संयोग ही किसी खास सफलता या असफलता का कारण बना। आइए, इसे कुछ उदाहरणों से समझने की कोशिश करते हैं। हम बिल गेट्स की सफलता की कहानियां पढ़ते हैं, उनकी समृद्धि के चर्चे सुनते हैं और सुनाते हैं। पर क्या हमने उनके जीवन वृत्त को समग्रता में समझने की कोशिश की है? संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के मुताबिक सन 1968 में विश्व भर में हाई स्कूल की उम्र के बच्चों की संख्या सवा तीस करोड़ के आसपास थी। इनमें से लगभग एक करोड़ अस्सी लाख बच्चे अमेरिका में रहते थे। इनमें से भी लगभग पौने तीन लाख बच्चे वाशिंगटन राज्य में रहते थे। इन बच्चों में से एक लाख बच्चे सियेटल क्षेत्र के निवासी थे। इन एक लाख बच्चों में से 300 बच्चों लेकसाइड स्कूल के विद्यार्थी थे। लेकसाइड स्कूल उस समय विश्व का अकेला ऐसा स्कूल था जिसके पास कंप्यूटर भी था और लेकसाइड स्कूल के विद्यार्थी के रूप में बिल गेट्स को कंप्यूटर चलाना सीखने और कंप्यूटर का प्रयोग करने की सुविधा उपलब्ध थी। यह सुविधा हाई स्कूल जाने की उम्र के सवा तीस करोड़ बच्चों में से केवल 300 बच्चों को उपलब्ध थी और बिल गेट्स उनमें से एक थे। क्या यह भाग्य नहीं है? सन् 2005 में अपने स्कूल के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खुद बिल गेट्स ने स्वीकार किया कि अगर लेकसाइड स्कूल न होता तो माइक्रोसॉफ्ट भी न होती। माइक्रोसॉफ्ट की स्थापना में ही नहीं, उसके सह-संस्थापकों के चुनाव में भी भाग्य की भूमिका रही है। स्कूल में केंट इवान्स और बिल गेट्स पक्के दोस्त थे। दोनों को स्कूल का कंप्यूटर उपलब्ध था। दोनों दोस्त कंप्यूटर के दीवाने थे और कंप्यूटर के प्रयोग में सिद्धहस्त थे। केंट इवान्स और बिल गेट्स में गहरी छनती थी और दोनों घंटो बतियाते रहते थे। दुर्भाग्यवश पर्वतारोहण के एक कार्यक्रम में केंट इवान्स की मृत्यु हो गई वरना माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापकों में बिल गेट्स और पॉल एलेन के अलावा केंट इवान्स का भी नाम होता। भाग्य ने केंट से यह अवसर छीन लिया। सत्ताइस साल लंबे वैवाहिक जीवन के बाद दो वर्ष पूर्व बिल गेट्स और मेलिंडा गेट्स ने अलगाव की घोषणा की।

> जो आदमी सफल हो जाता है उसके बारे में हम मान लेते हैं कि उसने अनुभव से या प्रशिक्षण के माध्यम से सही फैसला लेने की तकनीक सीख ली है और जो व्यक्ति असफल हो जाता है उसके बारे में हम धारणा बना लेते हैं कि उसमें अनुशासन की कमी थी, लोगों से व्यवहार सही नहीं था, और उसने अहंकारवश गलत फैसले लिए, वगैरह, वगैरह। लेकिन अगर और बारीकी में जाएं तो हमें समझ आ जाता है कि हमारी धारणा पूर्वाग्रह ग्रसित थी। दरअसल हर सफलता और असफलता में मेहनत, कौशल, अनुशासन, निरंतरता और भाग्य की भूमिका होती है। समस्या यह है कि यह सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं है कि इसमें भाग्य की भूमिका कितनी बड़ी है। कभी-कभी तो यह लगता है कि एक विशेष संयोग ही किसी खास सफलता या असफलता का कारण बना। आइए, इसे कुछ उदाहरणों से समझने की कोशिश करते हैं। हम बिल गेट्स की सफलता की कहानियां पढ़ते हैं, उनकी समृद्धि के चर्चे सुनते हैं और सुनाते हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों बोले- हम अमेरिका की जागीर नहीं : कहा- हमें फैसले लेने का हक; ताइवान पर वन चाइना पॉलिसी का समर्थन किया

एम्सटर्डम।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों नीदरलैंड्स दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वो चीन दौरे के वक्त दिए गए अपने बयान पर कायम हैं। मैक्रों ने कहा- अमेरिका के सहयोगी होने का मतलब उनका जागीरदार होना नहीं है। इसका मतलब ये नहीं है कि हम अपने बारे में नहीं सोच सकते। फ्रेंच प्रेसिडेंट ने आगे कहा- ताइवान में यथास्थित को लेकर फ्रांस का पूरा समर्थन है। हम चीन की वन चाइना पॉलिसी के साथ हैं और चाहते हैं कि समस्या का समाधान शांतिपूर्ण तरह से निकाला जाए। मैक्रों के बयान पर व्हाइट हाउस ने कहा कि हमें फ्रांस के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों पर पूरा भरोसा है।

मैक्रों बोले- यूरोप को अमेरिका पर निर्भर नहीं होना चाहिए - 5 अप्रैल को 3 दिन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड और इकोनॉमी सहित ताइवान विवाद पर भी चर्चा हुई थी। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए फ्रांस ने कहा था कि यूरोप को अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए। हमें ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच टकराव में घसीटे जाने से बचना चाहिए।

यूरोप हमेशा उन लड़ाइयों में फंसता है जहां उसे नहीं होना चाहिए - पॉलिटिको को दिए एक बयान में फ्रेंच राष्ट्रपति ने कहा- यूरोप हमेशा उन लड़ाइयों में फंस जाता है जो उसकी है भी नहीं। इस वजह से हम कभी भी अपने रणनीतिक हितों को देखते हुए फैसले नहीं ले पाते हैं। यूरोप के लीडर्स को ये सोचना चाहिए कि ताइवान से जुड़े विवाद को और बढ़ाना हमारे हित में नहीं है। हम यूक्रेन में भी समस्या का समाधान नहीं कर सकते। ऐसे में हम ताइवान से ये किस बुनियाद पर कहेंगे कि अगर कुछ गलत होता है तो हम उनके लिए मौजूद रहेंगे। ये सिर्फ तनाव बढ़ाने का तरीका है।

यूक्रेन बोला- फ्रांस अपने सिद्धांतों को भूल गया है - वहीं मैक्रों के बयान पर ताइवान की संसद के स्पीकर यू सी-कुन ने कहा- क्या फ्रांस अब अपने 3 सबसे जरूरी सिद्धांत स्वाधीनता, बराबरी और भाईचारे को भूल गया है क्या संविधान का हिस्सा होने के बाद इसे अनदेखा करना ठीक है या क्या लोकतांत्रिक देश दूसरे देशों में लोगों के जीवन और मृत्यु को नजरअंदाज कर सकते हैं एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मैक्रों ने अपने बयान के जरिए ताइवान की स्थिति के लिए चीन और अमेरिका दोनों को जिम्मेदार ठहराया है।

न्यूज़ ब्रीफ

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व वकील के खिलाफ दायर किया मुकदमा, मांगा 50 करोड़ डॉलर का हर्जाना

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप किसी ना किसी वजह से चर्चा में बने रहते हैं। अब वह अपने पूर्व वकील के खिलाफ मुकदमा दायर कर चर्चा में आए हैं। खबर के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व वकील माइकल कोहेने के खिलाफ मुकदमा दायर कर 50 करोड़ डॉलर के हर्जाने की मांग की है। ट्रंप ने यह मुकदमा फ्लोरिडा के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर किया है। ट्रंप का आरोप है कि कोहेन ने अटॉर्नी और क्लाइंट के बीच के गुप्त समझौते का उल्लंघन किया है। ट्रंप ने मुकदमे में माइकल कोहेन पर आरोप लगाए हैं कि वह उनके खिलाफ भ्रामक बातें फैला रहे हैं, जिससे उनकी छवि को भारी नुकसान हुआ है। मुकदमे में आरोप है कि माइकल कोहेन ने अपने गलत आचरण से सारी सीमा लांघ दी है और उन्होंने ट्रंप के पास उनके खिलाफ मुकदमा दायर करने के अलावा कोई चारा नहीं छोड़ा है। बता दें कि हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप पर एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को करोड़ों रुपए भुगतान करने के मामले में ट्रंप को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में माइकल कोहेन ही ट्रंप के खिलाफ चश्मदीद गवाह है। कोहेन की गवाही के बाद ही ग्रैंड ज्यूरी ने डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। जिसके बाद अमेरिकी इतिहास में डोनाल्ड ट्रंप पहले मौजूदा या पूर्व राष्टपति बन गए थे, जिनके खिलाफ मुकदमा चलेगा। कोहेन ने दावा किया था कि उसी ने ही ट्रंप की तरफ से स्टॉर्मी डेनियल्स को एक लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था। यह भुगतान ट्रंप और स्टॉर्मी के बीच की निजी बातचीत को गुप्त रखने के एवज में दिया गया था।

ईरान ने 2022 में 582 लोगों को दी सजा-ए-मौतः मानवाधिकार संगठन का दावा, एक साल में 75प्रतिशत तक बढ़ी मौत की सजा

तेहरान। हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के बीच ईरान ने साल 2022 में 582 लोगों को फांसी की सजा दी। ये खुलासा गुरुवार को दो मानवाधिकार संगठनों ने एक रिपोर्ट जारी कर किया है। जो ईरान और पेरिस के हैं। इतनी बड़ी तादाद में लोगों को सजा ए मौत देने पर ईरान को फांसी देने की मशीन कहा जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान में 2022 से पहले साल 2015 में सबसे ज्यादा 333 लोगों को मौत की सजा दी गई थी। पिछले एक साल में इस तरह से सजा देने का आंकड़ा 75प्रतिशत तक बढ़ा है। इसे ईरान में जारी हिजाब प्रदर्शनों से जोड़ा जा रहा है। मानावाधिकार संगठन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान लोगों को प्रदर्शनों में हिस्सा लेने से रोकने के लिए उनमें फांसी की सजा का डर पैदा कर रहा है। 4 लोगों को केवल हिजाब विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आधार पर फांसी दे दी गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले एक साल में ड्रग से जुड़े अपराधों में भी काफी लोगों को फांसी दी गई है। अंतर्राष्टीय संस्थाओं को डर है कि कहीं ईरान ड्रग्स की आड़ में प्रदर्शनकारियों को तो सजा नहीं दे रहा है। इसकी वजह ये है कि 2022 में फांसी पर चढ़ाए गए 582 लोगों में 44प्रतिशत लोग ड्रग्स से जुड़े अपराधों के दोषी थे।

आयरलैंड में बाइडेन की सुरक्षा में बड़ी चूकः सड़क पर मिले सिक्योरिटी स्टाफ की तैनाती के डॉक्यूमेंट्स, इनमें फोन नंबर और रूट भी लिखा था

बेलफास्ट। नॉर्थ आयरलैंड में अमेरिकी राष्टपति जो बाइडेन की सुरक्षा में चूक हो गई। उनकी सुरक्षा में तैनात किए गए पुलिसकर्मियों से जुड़े कुछ अहम दस्तावेज सड़क पर पड़े मिले। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस पर बयान देते हुए नॉर्थ आयरलैंड पुलिस डिपार्टमेंट ने कहा- हम देश में आने वाले लीडर्स और पब्लिक फिगर्स की सिक्योरिटी को लेकर बेहद गंभीर हैं। इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इन डॉक्यूमेंट्स में बाइडेन की आयरलैंड यात्रा के लिए उनकी सुरक्षा से जुड़ी पूरी जानकारी थी। इसमें बाइडेन के ट्रैवल रूट पर कितने पुलिसवाले तैनात होंगे, उनके साथ कितने सुरक्षाकर्मी मौजूद होंगे, इन पुलिसकर्मियों के नाम लिखे हुए थे। गड़बड़ी या शक होने पर क्या एक्शन लिया जाएगा, ये भी लिखा था। बाइडेन तीन दिवसीय दौरे पर 12 अप्रैल को नॉर्थ आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट पहुंचे थे। जिस होटल में अमेरिकी प्रेसिडेंट रुके थे, उसी के पास एक शख्स- बिल को ये दस्तावेज मिले। बीबीसी रेडियो अल्स्टर से बात करते हुए बिल ने कहा- ये सुनने में बहुत अजीब लगता है कि मुझे किसी देश के प्रेसिडेंट की सुरक्षा से जुड़े डॉक्यूमेंट्स सड़क पर पड़े मिले, लेकिन ये बिलकुल सच है।

ताइवान का उत्तरी एयर स्पेस बंद करेगा चीन

अमेरिका-जापान की 70प्रतिशत फ्लाइट्स पर असर होगा; यहीं चीन ने 172 फाइटर जेट्स से मिलिट्री ड्रिल की थी

बीजिंग।

चीन ने नॉर्थ ताइवान के एक खास हिस्से में 16 से 18 अप्रैल के बीच एयर स्पेस बंद रखने का फैसला कर लिया है। इस दौरान इस हिस्से में सिविलियन फ्लाइट्स ऑपरेट नहीं कर सकेंगी। एक ताइवानी अफसर के मुताबिक- फ्लाइट बैन से इस इलाके का करीब 70प्रतिशत एयर ट्रैफिक डिस्टर्ब होगा। इसका असर साउथ कोरिया, जापान और नॉर्थ अमेरिका जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ेगा।

खास बात यह है कि इतने बड़े मामले के बावजूद अब तक चीन और ताइवान ने ऑफिशियली कोई कमेंट नहीं किया है। पिछले दिनों चीन के 172 फाइटर जेट्स ने इसी इलाके में मिलिट्री ड्रिल की थी। इसके बाद अमेरिका और साउथ कोरिया ने भी ड्रिल की। इसमें ताइवान की एयरफोर्स के कमांडोज को खासतौर पर शामिल किया गया था।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में आशंका जताई गई है कि चीन दबाव डालने के लिए ताइवान के खिलाफ कोई छोटा ऑपरेशन कर सकता है। दूसरी तरफ, ताइवान के आर्मी चीफ पिछले हफ्ते ही कह चुके हैं कि चीन की किसी भी हरकत पर उसे जबरदस्त सरप्राइज मिलेगा।

पहले इस डेवलपमेंट को समझिए - चीन कई महीनों से ताइवान के एयर और मरीन स्पेस में घुसपैठ कर रहा है। इसके बावजूद ताइवान ने कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि, उसके पास जवाब देने के तमाम इक्युपमेंट्स और फाइटर जेट्स मौजूद हैं। 'रॉयटर्स' से बातचीत में चीन के कुछ अफसरों ने माना कि कुछ होने वाला है, लेकिन इससे ज्यादा कुछ बताना फिलहाल ठीक नहीं होगा। इसके दो मायने हो सकते हैं। पहला- हमेशा की तरह चीन की कोशिश ताइवान पर दबाव बनाने की हो सकती है। दूसरी- हो सकता है चीन की आर्मी और खासतौर पर ये देखना चाहती हो कि ताइवान किसी छोटे हमले या ऑपरेशन का जवाब किस तरह देता है। चीन इस बात से सख्त नाराज है कि ताइवान की प्रेसिडेंट साइ इंग विन अमेरिका क्यों गईं और वहां पार्लियामेंट स्पीकर केविन मैक्कार्थी से करीब 2 घंटे की मुलाकात क्यों की।

अमेरिका चुप, लेकिन तैयारी पूरी - करीब एक साल से अमेरिकी नेवी के एयरक्राफ्ट कैरियर और वॉरशिप इस इलाके में तैनात हैं। चीन ने पहली बार पिछले हफ्ते अपना एक वॉरशिप यहां भेजा था। वो महज 24 घंटे में लौट गया। ताइवान के पास अमेरिकी पैट्रयट मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैनात है। इसके अलावा उसके पास एफ-16 और टाईकून जैसे जबरदस्त फाइटर जेट्स की पूरी फ्लीट यानी बेड़ा है। पिछले दिनों जारी रिपोर्ट में कहा गया था- ताइवान के पास एक एलीट कमांडो फोर्स है। इसे अमेरिकी स्पेशलिस्ट ने ताइवान में ही महीनों तक ट्रेनिंग दी है। ये कमांडो फोर्स किसी भी हमले का सरप्राइज फैक्टर साबित हो सकती है। इसके पास जर्मनी और इजराइल में बने लेटेस्ट ऑटोमैटिक वेपन हैं। इस फोर्स में नेवी, एयरफोर्स और आर्मी के सैनिक हैं।

वादा निभाएगा अमेरिका - पिछले साल अगस्त में अमेरिका की तब की हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान के दौरे पर गईं थीं। तब चीन ने उनके एयरक्राफ्ट को उड़ाने की धमकी दी थी। हालांकि, वो कुछ नहीं कर पाया। 1940 के दशक में जब चीन का शासन कम्युनिस्ट पार्टी के हाथ में आया तो बचे हुए राष्ट्रवादी देश छोड़ ताइवान द्वीप पर जा बसे थे। इन राष्ट्रवादियों ने ताइवान में लोकतांत्रिक शासन लागू किया था। आज चीन ताइवान को अपना हिस्सा बनाता है, मगर अमेरिका के समर्थन की वजह से वहां की लोकतांत्रिक सरकार स्वतंत्र शासन चलाती है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इस बात की आशंका बहुत ज्यादा बढ़ गई थी कि ताइवान को अपना हिस्सा बता चीन उस पर हमला कर सकता है। मगर अमेरिका खुले मंच पर यह कह चुका है कि अगर ताइवान पर हमला होता है तो वह उसकी मदद के लिए सेना भेजेगा। अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैंसी पलोसी 2 अगस्त, 2022 को ताइवान की यात्रा पर गईं थीं। इसे गैर-जरूरी कदम मानते हुए चीन ने उसी समय लड़ाकू विमान वहां भेज दिए थे। इतने तनाव के बावजूद ये माना जा रहा है कि ताइवान पर सीधे हमले से चीन बचना चाहेगा। इसकी वजह साफ है कि ऐसे किसी भी कदम से अमेरिका सीधे जंग में उतर सकता है और चीन ऐसा नहीं चाहेगा। क्योंकि, अमेरिका से टकराव का मतलब चीन की तबाही भी हो सकती है।

क्या हकीकत में हमला कर सकता है चीन - यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के प्रो. स्टीव त्सांग के मुताबिक- चीन बड़ा बिजनेस टाईकून तो बन गया है, लेकिन उसके पास डॉलर और पश्चिमी बॉन्ड नहीं हैं। चीन की आबादी की एवरेज एज भी तेजी से बढ़ रही है। वहां के राष्ट्रपति जिनपिंग को जिस दिन लगेगा कि वह अमेरिका को हरा सकते हैं, तब ही हमला होगा। प्रोफेसर स्टीव कहते हैं- रूसी हमले के यूक्रेनी जवाब को देखकर हालात बदल रहे हैं। चीन पर निर्भर देश अब अपनी निर्भरता कम कर रहे हैं। जिनपिंग का कार्यकाल 2035 तक है। युद्ध 2030 से 2035 के बीच कभी हो सकता है। अमेरिका सिर्फ चीन को रोकना चाहता है।

सुप्रीम कोर्ट की आठ सदस्यीय पीठ को सरकार ने किया खारिज, कहा- अदालत का फैसला तानाशाही

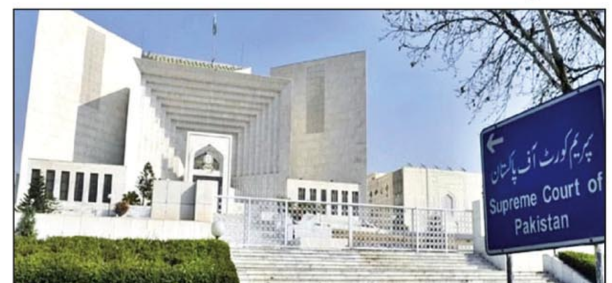

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के सत्ता पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के आठ जस्टिस की एक पीठ को खारिज कर दिया है। पीठ चीफ जस्टिस की शक्तियों को कम करने वाले लंबित कानून के खिलाफ याचिकाओं की सुनवाई के लिए बनाया गया था। सत्ता दल ने इसे अस्वीकार्य करार किया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने एक संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही पीठ का गठन करना सर्वोच्च न्यायालय के इतिहास में कभी नहीं देखा गया। सीजेपी के कार्यकाल को खुद से संज्ञान लेने की शक्तियों से वंचित करने के उद्देश्य से सर्वोच्च न्यायालय विधेयक 2023 लाया जा रहा है।

विधेयक को राष्ट्रपति ने लौटाया

शुरू में विधेयक को संसद में पारित किया गया था। लेकिन विधेयक पर पीटीआई सांसदों के शोर-शराबा किया। इसके बाद कुछ संशोधनों के साथ विधेयक को दोबारा संसद की संयुक्त बैठक में पारित किया था। सदन में विधेयक पास होने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा गया। लेकिन राष्ट्रपति ने विधेयक वापस भेजते हुए कहा कि यह कानून संसद की क्षमता से परे है।

सत्ता पक्ष ने कहा असंवैधानिक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली आठ जस्टिस की एक बेंच विधेयक को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं की सुनवाई करेंगी। इस पीठ को पीडीएम ने खारिज कर दिया और कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का यह कदम देश की सर्वोच्च अदालत की विश्वसनीयता को नष्ट करता है। फैसला संवैधानिक प्रक्रिया को अर्थहीन बनाने के समान है।

बेंच में यह जस्टिस शामिल

विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की आठ सदस्यीय पीठ की अध्यक्षता सीजेपी उमर अता बंदियाल कर रहे थे। सीजेपी के अलावा बें जस्टिस इजाजुल अहसन, जस्टिस मुनीब अख्तर, जस्टिस सैयद मजहर अली अकबर नकवी, जस्टिस मोहम्मद अली मजहर, जस्टिस आयशा ए मलिक, जस्टिस सैयद हसन अजहर रिजवी और जस्टिस शाहिद वहीद शामिल हैं।

रूसी सेना में बड़ी भर्ती की तैयारीः युवाओं के देश छोड़ने पर लगेगी पाबंदी, सैनिक भर्ती से जुड़े नए कानून को संसद के निचले सदन में मंजूरी

मॉस्को।

यूक्रेन पर रूस के हमले जारी हैं। इस बीच, रूस में सेना बड़ी भर्ती की तैयारी कर रही है। इसी कारण देश की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा ने सेना में सेवा से जुड़े कानून को मंजूरी दी है। इसमें प्रावधान है कि सेना में बुलाए गए किसी भी व्यक्ति को देश से बाहर जाने की मंजूरी नहीं होगी। इसे सेना में अनिवार्य भर्ती योजना का हिस्सा माना जा रहा है।

दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने सितंबर में घोषणा की थी कि सेना में लगभग 3 लाख और सैनिकों की भर्ती की जाएगी। इसी के बाद रूस से पलायन बढ़ गया था। खासकर युवा तेजी से अन्य देशों की ओर जाने लगे थे। नए कानून ने रूसियों की चिंता बढ़ा दी है कि यूक्रेन युद्ध के लिए उन्हें सेना में जबरन भर्ती किया जा सकता है। हालांकि, इस कानून को उच्च सदन को मंजूरी की जरूरत है। रूसी सरकार के प्रवक्ता दमित्री एस पेसकोव ने कहा कि यूक्रेन में लड़ने के लिए और अधिक पुरुषों को जुटाने की कोई योजना नहीं है।

नए कानून में डिजिटल समन (ई-मेल, टेलीग्राम या सोशल मीडिया अकाउंट) देने का प्रावधान किया गया है। इसे भेजे जाने के एक हफ्ते के भीतर ही पाने वाले के लिए स्वीकार्य माना जाएगा। समन जारी होने के 20 दिनों में संबंधित नागरिक को सेना के स्थानीय भर्ती कार्यालय में उपस्थित होना होगा। अगर वह उपस्थित नहीं होता है, तो सजा का प्रावधान किया गया है। इसमें ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करना, अचल संपत्ति और अन्य संपत्ति के रजिस्ट्रेशन पर रोक और बैंक कर्ज के लिए अयोग्य घोषित किया जाना शामिल है। इससे पहले रूस ने अमीरों को देश छोड़ने से रोकने के लिए कई पाबंदियां लगाई थीं।

रूसी सैनिक ने काटा यूक्रेन के जवान का गला! कथित वीडियो वायरल, जेलेंस्की बोले- ये जानवर

कीव।

रूस- यूक्रेन युद्ध को एक साल से ज्यादा हो गया है। इसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी हैं। दोनों ही देशों के बड़ी संख्या में सैनिक मारे जा चुके हैं। इस बीच, यूक्रेनी सैनिक का सिर काटने का कथित वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा सिर कलम करने वाला सैनिक रूस का है। इससे यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की वोलोदिमीर बौखला गए हैं। उन्होंने पहले वीडियो की सत्यता की जांच कराए जाने की बात कही है, बाद में प्रतिक्रिया देने की। हालांकि उन्होंने रूस की सैना को जानवर बताते हुए कहा कि वह आसानी से यह कर सकते हैं। फिलहाल जानकारी नहीं मिली है कि यह घटना कब की है। वीडियो के वायरल होने के बाद यूक्रेन के अधिकारियों में नाराजगी है। जबकि रूसी सरकार ने फुटेज को 'भयावह' करार देते हुए कहा कि इसकी सत्यता की जांच करने की जरूरत है।

जल्दी करो, काट दो सिर

वीडियो में देखा जा सकता है कि एक

नकाबपोश व्यक्ति बर्बरतापूर्ण तरीके से एक यूक्रेनी सैनिक का गला काट रहा है। जिस शख्स की गर्दन काटी जा रही, उसने हरे रंग की पोशाक और बाजू पर पीले रंग की पट्टी पहनी हुई है, जो आमतौर पर यूक्रेनी लड़ाकों द्वारा पहना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह सैनिक बार-बार उसे जिंदा छोड़ने की भीख मांगता रहा। कथित तौर पर एक अन्य रूसी सैनिक ने अपने साथी से उसकी गर्दन को धड़ से अलग करने के लिए कहा। उसने कहा, इसे यूक्रेन की राजधानी कीव में भेजो। जल्दी करो, काट दो। इस वीडियो में हत्यारे ने एक सफेद रिबन पहना था जो अक्सर कब्जे वाले यूक्रेन में रूसी सेना की पहचान के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हमलावर का चेहरा देख कर लगता है कि वह एशियाई मूल का है। दरअसल, पुतिन की सेना में उराल, साइबेरिया और रूसी सुदूर पूर्व में कई जातीय समूहों के साथ-साथ एथनिक रूसी शामिल हैं।

जेलेंस्की ने बदला लेने की खाई कसम

युद्ध के दौरान अगर कोई सैनिक दुश्मन सेना की ओर से पकड़ा जाता है तो वह युद्धबंदी होता है। उसे मारना या प्रताड़ित करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादीमिर जेलेंस्की ने कसम खाई है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नवीनतम वीडियो में दिखी हिंसा को भूला नहीं जा सकता और ऐसे कृत्यों के लिए रूसी सेना जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि इस घटना पर प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक नेता को प्रतिक्रिया देनी चाहिए। यह उम्मीद न करें कि इन घटनाओं को भुला दिया जाएगा। इस युद्ध में कुछ ऐसा है, जिसे दुनिया नकार नहीं सकती। वह यह कि ये जानवर कितनी आसानी से हत्या कर सकते हैं। हम कुछ भी भूलने वाले नहीं हैं और न ही हम हत्यारों को माफ करेंगे।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी में प्रिंस की फैमिली नहीं रहेगी

पत्नी मेगन-बच्चों के बिना लंदन जाएंगे हैरी, रॉयल बालकनी में नहीं मिलेगी जगह

लंदन।

ब्रिटेन में 6 मई को किंग चार्ल्स की ताजपोशी के समारोह में उनके बेटे और ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी शामिल होंगे। हालांकि, प्रिंस के साथ उनकी पत्नी और डचेस ऑफ ससेक्स मेगन मार्केल शामिल नहीं होंगी। बकिंघम पैलेस ने बताया कि प्रिंस पत्नी और बच्चों के बिना अकेले ही समारोह में शिरकत करेंगे।

उन्हें सेरेमनी में रॉयल बालकनी में खड़े होने के लिए नहीं चुना गया है। सिर्फ वर्किंग रॉयल्स ही किंग और क्वीन कंसोर्ट के साथ बालकनी में मौजूद रहेंगे। प्रिंस हैरी और मेगन को मार्च में रॉयल फैमिली की तरफ से मेल के जरिए ताजपोशी सेरेमनी में शामिल होने का न्योता मिला था। तब कपल ने कहा था कि वो पहले ये जानना चाहते हैं कि सेरेमनी में उनके बच्चों का क्या रोल होगा और उन्हें रॉयल बालकनी में कहां जगह मिलेगी।

ताजपोशी के दिन ही बेटे आर्ची का जन्मदिन - बकिंघम पैलेस के साथ ही हैरी और मेगन ने बयान जारी कर ताजपोशी सेरेमनी में शामिल होने को लेकर अपने प्लान की घोषणा की। हालांकि, इस दौरान उन्होंने मेगन के शामिल न होने के पीछे की वजह नहीं बताई। वहीं किंग चार्ल्स की ताजपोशी के दिन ही हैरी के बेटे प्रिंस आर्ची का चौथा जन्मदिन है। इस दौरान वो अपनी मां के साथ अमेरिका में होंगे। प्रिंस हैरी की विवादित किताब स्पेयर पब्लिश होने के बाद ये पहला मौका होगा जब वो रॉयल फैमिली के साथ नजर आएंगे।

डॉक्यूमेंट्री और किताब के बाद बिगड़े रिश्ते - प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल के 2020 में राजशाही छोड़ते ही ब्रिटेन के राजपरिवार से रिश्ते खराब हो गए थे। मार्च में किंग चार्ल्स ने ड्यूक और डचेस से रॉयल घर भी खाली करने को कहा था। घर खाली करने के बाद पूरा सामान अमेरिका के कैलिफोर्निया भेज दिया गया था। दरअसल, नेटफलिक्स पर आई प्रिंस हैरी की डॉक्यूमेंट्री और उसके बाद उनकी किताब स्पेयर ने दोनों पक्षों के बीच विवाद को बढ़ा दिया था।

किताब और डॉक्यूमेंट्री में प्रिंस हैरी ने कई तरह से राज परिवार की आलोचना की है। डॉक्यूमेंट्री में शाही कपल ने बताया था कि क्यों उन्होंने राजपरिवार छोड़ा और कैलिफोर्निया जाकर घर बसाया। मेगन ने आरोप लगाया था कि ब्रिटेन में उनके साथ रंग के आधार पर भेदभाव किया जाता था। उन्हें बार-बार एहसास करवाया जाता था कि वो अश्वेत हैं। प्रिंस हैरी ने लिखा है कि जब प्रिंसेस डायना यानी उनकी मां की मौत हुई तो किंग चार्ल्स ने उन्हें गले तक नहीं लगाया। किताब में यह भी लिखा है कि प्रिंस हैरी और प्रिंस विलियम को कैमिला पसंद नहीं थीं। दोनों भाईयों ने अपने पिता यानी किंग चार्ल्स से कहा था कि वो उनसे शादी न करें। उन्हें डर था कि कैमिला सौतेली मां बनने के बाद उन्हें परेशान करेंगी। उन्होंने अपनी पत्नी मेगन मार्केल को ताजमहल के सामने फोटो खिंचवाने से मना किया था क्योंकि प्रिंसेस डायना ऐसी एक फोटो खिंचवा चुकी थीं। हैरी नहीं चाहते थे कि मेगन की तुलना उनकी मां डायना से की जाए। हैरी ने बताया है कि जब वो पहली बार एटोन कॉलेज गए थे तो पहले से वहां पढ़ रहे प्रिंस विलियम को यह अच्छा नहीं लगा था। उन्होंने हैरी से बात करने से भी मना कर दिया था। हैरी ने लिखा- 2019 में एक बहस के दौरान विलियम ने उनका कॉलर पकड़ा और फिर जमीन पर पटक दिया था। हैरी कुत्ते के खाने के लिए रखे एक कटोरे पर गिर गए थे। टूटे कटोरे के टुकड़े हैरी की पीठ में घुस गए थे जिससे उन्हें पीठ पर घाव हो गए थे। हैरी के अलावा प्रिंस एंड्रयू को भी रॉयल बालकनी में जगह नहीं मिलेगी। दरअसल, किंग चार्ल्स ने प्रिंस एंड्रयू को सेक्स स्कैंडल के मामले में बकिंघम पैलेस से बेदखल कर दिया था।

पंजाब के मोस्ट वांटेड अमृतपाल के करीब पहुंची राजस्थान पुलिस, जल्द होगा गिरफ्त में

जयपुर (हिंस)। पंजाब पुलिस के मोस्ट वांटेड और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के राजस्थान में होने के इनपुट मिलने के बाद राज्य की पुलिस भी सक्रिय हो गई है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा का दावा है कि हम सफलता के करीब हैं। बस अभी इतनी ही जानकारी दी जा सकती है। बाकी अमृतपाल की तलाश जारी है। देश की सुरक्षा एजेंसियां, पंजाब पुलिस और अन्य राज्यों की पुलिस भी लगातार उसकी खोज में हैं। सेंट्रल एजेंसियों ने उसके राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में छिपे होने की आशंका जताई है। हालांकि, आज सवेरे तक किसी पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की थी, लेकिन दोपहर बाद राजस्थान के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि पंजाब के मोस्ट वांटेड अमृतपाल के करीब तक राजस्थान पुलिस पहुंच चुकी है, लेकिन उसकी तलाश जारी है। बस अभी इतनी ही जानकारी दी जा सकती है। डीजीपी उमेश मिश्रा ने बताया कि अमृतपाल सिंह के पंजाब से राजस्थान में भागने का सेंट्रल एजेंसियों से इनपुट मिला है। इसी को लेकर प्रदेश के पांच जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अनुमान है कि वह इन बॉर्डर इलाकों से होते हुए पाकिस्तान भाग सकता है। राजस्थान पुलिस के साथ अन्य एजेंसियां भी अमृतपाल सिंह को पकड़ने के लिए पूरा प्रयास कर रही हैं। जब तक सर्च पूरा नहीं हो जाता, ऑपरेशन को गोपनीय रखा जाएगा। पंजाब पुलिस के साथ मिलकर राजस्थान पुलिस श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर से सटे बॉर्डर इलाकों में सर्च कर रही है। इसके अलावा राजस्थान पुलिस के साथ सेन्ट्रल एजेंसियां भी अमृतपाल के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय से एक सीनियर आईपीएस अधिकारी को भी इन जिलों में ऑपरेशन की मॉनिटरिंग के लिए भेजा गया है। वारिस पंजाब का प्रमुख अमृतपाल सिंह करीब 27 दिनों से फरार है। पंजाब पुलिस के लिए अमृतपाल एक चुनौती बनता जा रहा है। अब अमृतपाल को पकड़ने के लिए पुलिस ने आम जनता से सहयोग मांगा है। पंजाब के रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के इलाके और राजस्थान के कई जिलों में अमृतपाल की तलाश के पोस्टर पुलिस की तरफ से कहा गया है कि अमृतपाल सिंह के बारे में सूचना देने वाले को उचित इनाम देने के साथ ही उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। दरअसल, बुधवार देर रात पंजाब से सटे राजस्थान के गंगानगर जिले के नजदीक संगरिया इलाके में एक गांव में अमृतपाल के होने की सूचना मिली थी। देर रात अचानक पंजाब, हरियाणा और राजस्थान पुलिस की एक दर्जन से भी ज्यादा गाड़ियां संगरिया के संतपुरा की ढाणियों के आसपास देखी गई। पुलिस ने इस बारे में स्थानीय ग्रामीणों को कोई जानकारी नहीं दी। बताया जा रहा है कि छिन्दा सिंह नामक व्यक्ति के बेटे हरदीप सिंह की फोटो अमृतपाल सिंह के साथ वायरल हुई है। छानबीन में पता चला कि हरदीप संतपुरा के पास ढाणी में रहता है। इससे कुछ समय पहले ही अमृतपाल के पोस्टर भी यहां लगाए गए थे। हनुमानगढ़ एसपी सुधीर चौधरी, एएसपी जस्साराम बोस सहित पुलिस के अन्य अधिकारी संगरिया थाना में डेरा डाले हुए हैं। पुलिस चौकी ढाबा व मालारामपुरा में पुलिस की टीमें नाकाबंदी कर रही हैं।

बठिंडा सैन्य क्षेत्र में तैनात सैनिक की राइफल से चली गोली, आत्महत्या की आशंका

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के बठिंडा सैन्य क्षेत्र में बुधवार की रात तैनात एक सैनिक की खुद की ही राइफल से गोली चलने से मौत हो गई है। बुधवार को तड़के यहां फायरिंग होने से चार जवानों की मौत हो गई थी। गुरुवार को दूसरे दिन भी बठिंडा में समूचा सैन्य क्षेत्र बंद रहा और आज भी सैन्य क्षेत्र के स्कूल आदि नहीं खुले। बठिंडा सैन्य क्षेत्र में बुधवार अल सुबह हुई फायरिंग में चार जवानों की मौत हो गई थी। इस बीच देर रात यूनिट ऑफिस के नजदीक तैनात सैनिक गुरतेजस लहुराज खुद की ही राइफल से गोली चलने पर घायल हो गया। सिर में गोली लगने के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। सैन्य पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि सैनिक ने आत्महत्या की है। इस बीच, बीती रात बुधवार अल सुबह मारे गए चारों सैनिकों का पोस्टमार्टम कर दिया गया और गुरुवार को उनके शव परिजनों के हवाले कर दिए गए। इस बीच सेना तथा पुलिस की टीमें पूरे घटनाक्रम की लगातार जांच कर रही हैं।

भिवानी में कोरोना के छह मामले आने के बाद स्वास्थय विभाग अलर्ट

भिवानी (हिंस)। कोविड के बढ़ते हुए संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग हरियाणा एक बार फिर से सक्रिय हो गया है। कोविड की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आपात स्थिति से निपटने के लिए 18 टीमों का गठन कर उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप अस्पताल स्टाफ को अलर्ट पर रख दिया है। जिले में अब तक कोविड के छह: मामले आ चुके है तथा सभी छह मामले फिलहाल होम आईसोलेशन पर है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रघुबीर शांडिल्य ने बताया कि कोविड की संभावित चौथी लहर को देखते हुए भिवानी में वॉर रूम की स्थापना की गई है। इसके अलावा दवाई, पीपीपी किट, ट्रांसपोर्टेशन, ह्यूमन रिर्सोस सहित विभिन्न चिकित्सकीय बिंदुओं पर नजर रखने के लिए 18 टीमों का गठन किया गया है। भिवानी के सामान्य अस्पताल में 89 चिकित्सक हैं तथा 26 बेड अकेले मुख्य अस्पताल में वैलंटीलेटर युक्त है। उन्होंने बताया कि कोविड के डिटेक्शन के लिए जो प्रतिदिन 200 लोगों के टेस्ट होते थे, उन्हें 500 कर दिया है। स्थानीय सामान्य अस्पताल में प्रतिदिन 1500 कोविड टेस्ट करने की क्षमता है। जिला में पाए गए छह कोरोना पॉजिटीव को सात दिन के होम आईसोलेशन पर रखा गया है। जिनमें तीन गांव व तीन शहरों में है। कोरोना ड्यूटी में लगे नोडल अधिकारी डॉ. दीपक व स्टाफ नर्स सरला ने बताया कि उनका पूरा स्टाफ कोविड की स्थिति से निपटने लिए तैयार है तथा स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का समय-समय पर पालन कर रहा है। वे आम जनता से भी अपील करते है कि कोरोना संबंधी हिदायतों का पालन करते हुए मास्क का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि होम आईसोलेशन में रखे गए मरीजों पर निरंतर नजर रखी जा रही है। डॉक्टर की विजिट के अलावा वीडियो कॉलिंग के माध्यम से मरीजों का हालचाल जाना जाता रहा है तथा उन्हें सात दिन बाद डिस्चार्ज भी किया जा रहा है।

नगर परिषद की जमीन पर फिर हुआ हंगामा

भिवानी (हिंस)। भिवानी के हनुमान ढाणी क्षेत्र में खाली पड़ी नगर परिषद की जमीन पर एक बार फिर हंगामा हुआ है। यह हंगामा तब हुआ जब नगर परिषद की टीम पीला पंजा लेकर इस जमीन पर बने होलिका दहन चबूतरे को तोड़ने के लिए पहुंची। इस दौरान इन बस्तियों की महिलाएं एवं पुरूष काफी संख्या में महिलाएं, युवा व बुजुर्ग अधिकारियों का विरोध करने पहुंचे। गौरतलब है कि कई बार इस जमीन पर कब्जे को लेकर हंगामा हो चुका है। एक बार फिर इस खाली पड़ी जमीन को लेकर बस्ती के लोगों में तनाव बना तथा खाली पड़ी जमीन में होलिका दहन स्थल के चबूतरे को तोड़ने पहुंचे पीले पंजे को वापस बैरंग लौटना पड़ा, क्योंकि वहां पर महिलाओं ने अधिकारियों का विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान नगर परिषद प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस मौके पर पहुंचे बस्ती वासियों ने कहा कि काफी समय से नगर परिषद की खाली पड़ी जमीन पर विवाद चलता आ रहा है। उन्होंने कहा कि जमीन पर एक लंबे समय से हनुमान ढाणी, अमर नगर टीबा बस्ती, नई बस्ती के लोग यहां पर होलिका दहन करते हैं और कोई सार्वजनिक कार्यक्रम होता है तो वह भी इस खाली पड़ी जमीन पर होता है। इस जमीन पर कई भूमाफिया की नजर है और वे नगर परिषद के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर जमीन को समय-समय पर विवाद में खड़ा करते आए हैं।

राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला का तलवंडी राणा धरने को समर्थन

हिसार (हिंस)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं कर्नाटक के चुनाव प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने जिले के तलवंडी राणा के बाइपास पर ग्रामीणों द्वारा दिए जा रहे धरने को समर्थन दिया है। उन्होंने फोन के माध्यम से धरनारत कमेटी से बात करते हुए अपना समर्थन दिया। एआईसीसी के मैंबर राजेश संदलाना के माध्यम से गुरुवार को रणदीप सुरजेवाला ने रोड बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ओपी कोहली से फोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से ग्रामीणों के साथ हैं और यदि वर्तमान गठबंधन की सरकार आप लोगों को रास्ता नहीं देती तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही आप लोगों को हर हाल में स्थायी सड़क मार्ग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण चिंतित न हों जिस प्रकार से सरकार ने रातों-रात रोड उखाड़कर ग्रामीणों को उजाड़ने व तानाशाही करने का काम किया है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हवाई जहाज से पहले ग्रामीणों के लिए सड़क मार्ग बनाया जाना जरूरी है। सदियों पुराने हिसार-बरवाला मार्ग को बंद करके सरकार ने ग्रामीणों के विकास के मार्ग को बंद करने काम किया है। कांग्रेस पार्टी की सरकार बनते ही तलवंडी राणा व आसपास के ग्रामीणों के लिए सड़क मार्ग देकर पुन: उनके चेहरे पर मुस्कुराहट लाने का काम किया जाएगा। धरने पर रणदीप सिंह सुरजेवाला का संदेश लेकर पहुंचे राजेश संदलाना ने बताया कि सुरजेवाला कर्नाटक में चुनाव के चलते धरने पर निजी तौर पर नहीं पहुंच पाए इसलिए उन्होंने फोन के माध्यम से संदेश भिजवाया है। संदलाना ने कहा कि सरकार ने यह सड़क मार्ग बंद करके बहुत गलत किया है। इससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं और लोग बेहद परेशानी के दौर से गुजर रहे हैं।

हिसार में ग्रामीणों का फैसला, एक माह की पेंशन सीएम कोष में जमा करवाएंगे

सरकार की ओर से वन विभाग की राशि की अदायगी में देरी पर उग्र होकर लिया फैसला

हिसार (हिंस)। रोड बचाओ संघर्ष समिति व ग्रामीणों द्वारा तलवंडी राणा बाइपास पर दिए जा रहे धरने के 66वें दिन गुरुवार को ग्रामीणों ने बड़ा फैसला लिया। ग्रामीणों के अनुसार वन विभाग में स्थायी सड़क मार्ग की फाइल इसलिए लटकी हुई है क्योंकि वन विभाग द्वारा दी जा रही जमीन में खड़े पेड़ों की जो राशि बनती है उसे देने में सरकार देरी और नुकताचीनी कर रही है। इसी वजह से फाइल वहां इतने दिनों से अटकी हुई है। रोड बचाओ संघर्ष समिति के प्रधान एडवोकेट ओमप्रकाश कोहली के अनुसार धरने पर ग्रामीणों ने फैसला लिया कि यदि सरकार के पैसे नहीं हैं तो वन विभाग को पेड़ों के बदले में जो राशि दी जानी है उसे ग्रामीण अपनी एक महीने की बुढ़ापा, विधवा, विकलांग पेंशन देकर व चंदा एकत्रित करके अदा कर देंगे और यह राशि मुख्यमंत्री कोष में जमा करवा दी जाएगी। कोहली ने बताया कि क्योंकि यह मामला उनके बच्चों के भविष्य व रोड से जुड़े दर्जनों गांवों की तरक्की से जुड़ा हुआ है इसलिए ग्रामीण किसी भी कीमत पर यह रास्ता लेकर रहेंगे। सरकार चाहे इसमें कितनी ही बाधाएं खड़ी कर ले लेकिन जब तक हमें स्थायी सड़क मार्ग नहीं मिल जाता हम पीछे नहीं हटेंगे और न ही धरने से एक ईंच भी हिलेंगे। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम सरकार को वर्तमान अस्थायी सड़क मार्ग बंद करने से पहले ही हमें स्थायी मार्ग उपलब्ध करवाना चाहिए था लेकिन ग्रामीणों द्वारा दो माह से भी अधिक धरने पर बैठे होने के बावजूद भी सरकार स्थायी सड़क मार्ग देने में देरी कर रही है जिससे आस-पास के सभी गांवों में भारी रोष है। ग्रामीण अब आर-पार की लड़ाई लडने् के मूड में हैं चाहे जो भी हो अब हम सड़क मार्ग बनने के बाद ही धरने से उठेंगे। कोहली ने बताया कि खुद सरकार के अनेक नेता धरने पर आकर और विधानसभा तक में आवाज उठाकर कह चुके हैं कि ग्रामीणों की मांग जायज है और बिना किसी देरी के ग्रामीणों को सड़क दी जानी चाहिए। इसके बावजूद भी सरकार मूक दर्शक बनी बैठी है और ग्रामीणों की दु:ख तकलीफों से उसे कोई लेना-देना नहीं है। एयरपोर्ट से जुड़ी हर फाइल और कार्य को तो द्रुत गति से दौड़ाया जा रहा है लेकिन स्थायी सड़क मार्ग की बात आते ही सरकार व अफसरों के हाथ सुन्न पड़ जाते हैं और फाइल आगे ही नहीं बढ़ाई जाती। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं व सत्ता में बैठे नेता, मंत्री व अफसर यहां आकर ग्रामीणों की हालत खुद देखेंगे तो उन्हें पता चलेगा कि ग्रामीणों के लिए बिना सड़क के एक-एक दिन कैसे दूभर होकर गुजर रहा है।

हरियाणा के 124 विद्यालय बनेंगे पीएमश्री स्कूल

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में 124 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को पीएमश्री स्कूल का दर्जा दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने बुधवार रात प्रदेश सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। जिसके बाद हरियाणा ने तत्काल प्रभाव से नए शिक्षा सत्र को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। अब सबसे पहले इन विद्यालयों का नाम बदलते हुए नया नाम रखा जाएगा। मौजूदा शिक्षा सत्र से ही बच्चों के दाखिले शुरू कर दिए जाएंगे। पीएमश्री स्कूलों के शुभारंभ के लिए शिक्षा निदेशक ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए हैं। सभी स्कूलों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी) से मान्यता दिलाई जाएगी। चार वर्ष की विद्यालय विकास योजना बनेगी, जिसके अनुसार ढांचागत विस्तार किया जाएगा। स्कूलों में स्टाफ भी विशेष स्क्रीनिंग एवं प्रशिक्षण के जरिए लगाया जाएगा। तीनों संकाय कला, विज्ञान तथा वाणिज्य की कक्षाएं संचालित की जाएंगी। यह विद्यालय जहां उत्कृष्टता के केंद्र होंगे, वहीं इनमें 21वीं सदी के कौशल प्रदान किए जाएंगे। पठन-पाठन गतिविधि आधारित एवं खोज आधारित होगा जिसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण बनाने पर बल दिया जाएगा। खेल और कला की दक्षताओं के विकास की ढांचागत सुविधा होगी। पीएमश्री स्कूल हरित विद्यालय होंगे, जिन्हें कॉलेज और विश्वविद्यालय से जोड़ा जाएगा।

लिपिकों से सिर्फ मूल कार्य करवाए जाने की मांग की

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा रोडवेज में कार्यरत लिपिकों से उनके मूल कार्य के अलावा अन्य विभिन्न प्रकार के कार्य लेने का रोडवेज कर्मचारियों ने विरोध किया है। इस मामले को लेकर रोडवेज कर्मचारी यूनियन के बैनर तले लिपिकों ने गुरुवार को रोडवेज महा-प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा और वित्त विभाग के आदेश अनुसार लिपिकों से उनका मूल कार्य ही लिए जाने की मांग की है। जीएम से रोडवेज कर्मचारी यूनियन के राज्य सचिव शिव कुमार श्योराण के नेतृत्व में मिलने पहुंचे लिपिकों ने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशों के जवाब में वित्त विभाग द्वारा प्रदेश सरकार के विभिन्न विभाग, बोर्ड, निगमों में कार्यरत लिपिकों के कार्यों को दैनिक रोजनामा व डायरी डिस्पैच तक सीमित बताया गया है, जबकि रोडवेज में कार्यरत लिपिकों से अनेक तरह के कार्य करवाए जा रहे हैं। इन कर्मचारियों ने जीएम को बताया कि सरकार ने लिपिक का कार्य डायरी डिस्पैच तक ही सीमित है। इससे उच्च स्तर के कार्य एक सामान्य लिपिक द्वारा करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। उन्होंने मांग की कि वित्त विभाग के आदेश अनुसार लिपिकों से उनका मूल कार्य ही लिया जाए। इस मौके पर लिपिक सुनील कुमार, दीपक, महा सिंह, पवन, हर्ष मेहता, मंगल सिंह, शिव कुमार, अनिल भाटिया, बाबूलाल, जगदीश, सुशील कुमार, प्रदीप कुमार, रोहित, इन्द्रपाल, कुलदीप, बिरेन्द्र, मुनीष, संजय कुमार, अमित, साहिल, त्रिवेणी, प्रेम कुमार, राजेश, सुरेश, संदीप, गुरदेव, मनजीत, विनोद, सतबीर आदि मौजूद रहे।

लाठीचार्ज के बाद शहर विधायक संजय शर्मा की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

अलवर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की बुधवार को जन आक्रोश रैली के बाद जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने जा रहे भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसमें शहर विधायक संजय शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं व पत्रकारों को चोट लगी। मामले में शहर विधायक संजय शर्मा की बिगड़ती हालात को देखते हुए उन्हें राजीव गांधी सामान्य अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया है। इस दौरान डॉक्टरों की टीम विधायक की जांच पड़ताल में जुटी है। उनकी एमआरआई सहित कई प्रमुख जांच कराई जा रही हैं। चिकित्सक योगेश उपाध्याय ने गुरुवार को बताया कि विधायक को चलने में परेशानी हो रही है। उनकी कमर व शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द हो रहा है। जिस कारण उन्हें चलने में परेशानी हो रही है, इसलिए उनको आईसीयू में भर्ती किया गया है। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर उनकी जांच पड़ताल कर रहे हैं व उनका इलाज भी शुरू हो चुका है। लाठीचार्ज के विरोध में धरने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सांसद बालकनाथ, विधायक मनजीत चौधरी, पूर्व विधायक जयराम जाटव, रामहेत यादव, बनवारी लाल सिंघल, पूर्व सभापति संदीप दायमा सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हमारी नाव के रक्षक सुदर्शन चक्रधारी हैं : वसुंधरा राजे

डूंगरपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा है कि हमारी नाव के रक्षक सुदर्शन चक्रधारी हैं। जाको राखे साईंयां, मार सके न कोय। बाल न बांका कर सके जो जग बैरी होय। वे गुरुवार को डूंगरपुर के म्याला गांव में भाजपा विधायक गोपीचंद मीणा की ओर से आयोजित भागवत कथा में उद्बोधन दे रही थीं। भले ही वे भागवत कथा में थीं, लेकिन उनका उद्बोधन इशारों ही इशारों में राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। वे बोलीं कि भगवान ने भी कहा है कि विकट परिस्थितियों में चट्टान की तरह डटे रहो। कई अपने पराये हो सकते हैं। ईश्वर में आस्था और खुद में लड़ने की क्षमता रखो, फिर तुम्हारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। सब मिलकर भी तुम्हें परास्त नहीं कर सकते। चाहे वे कितना ही दुष्प्रचार करलें। कितना ही षड्यन्त्र रच लें। उनकी हर साजिश नाकाम होगी। बाल ना बांका होगा जिसका रक्षक कृपा निधान। पूर्व सीएम ने हनुमानजी का स्मरण करते हुए कहा कि सब सुख लहैं तुम्हारी सरना, तुम रक्षक काहू को डरना। एक दृष्टांत सुनाते हुए उन्होंने कहा कि एक गांव में एक भगवान का सच्चा भक्त और एक अधर्मी रहते थे। दोनों में लड़ाई थी पर दोनों मंदिर जाते थे। एक दिन अधर्मी ने पुजारी के कान में कहा कि पिछले दिनों मंदिर से जो गहने चोरी हुए थे, वह उस व्यक्ति ने चुराये थे। पुजारी ने मान लिया और दूसरे दिन भगवान की भक्ति में लीन उस व्यक्ति को चोर समझ मंदिर में नहीं घुसने दिया। पर वह रोज आता और भगवान की सीढ़ियों पर ही ढोक लगा कर चला जाता। एक दिन वह भगवान की सीढ़ियों पर ढोक लगा कर घर जा रहा था कि कार से टकरा गया। घर आकर वह भगवान की तस्वीर के सामने बैठ कर कहने लगा, भगवान धर्म की राह पर चलने वालों पर इतने संकट। भगवान बोले, जिस दिन तू गाड़ी से टकराया, वो तेरा आखिरी दिन था, पर तेरी भक्ति से तेरी मौत छोटी से चोट में बदल गई। मेरी भक्ति के कारण तुझे एक दिन बहुत ऊंचा मुकाम मिलेगा। भगवान ने उसे उस अधर्मी के बारे में भी बताया कि उसके भाग्य में राजयोग था, मगर उसने मेरे भक्त पर झूठा आरोप लगा कर उसका दिल दुखाया। मेरे गहने भी उसी ने चुराये थे, इसलिये भाग्य में होने के बावजूद उसे राजयोग कभी प्राप्त नहीं होगा। वह चाहे कितने ही झूठे आरोपों का सहारा ले, कितना ही षड्यंत्र रचे, लेकिन कामयाबी अंत में तुम्हारी ही होगी। इस अवसर पर कथा व्यास उत्तम स्वामी महाराज व अच्युतानंदन महाराज ने पूर्व सीएम को आशीर्वाद दिया और कहा कि आप सत्य के मार्ग पर चल रही हैं, जीत सत्य की ही होगी। इससे पूर्व, उदयपुर के महाराणा प्रतापएयरपोर्ट व म्याला गांव के रास्ते में करीब 30 जगह राजे का जोरदार स्वागत हुआ।

प्रदेश में संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में लागू करवाने की उठी मांग

भिवानी (हिंस)। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को बल देने के उद्देश्य से हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति की त्रिभाषा के प्रावधान के अंतर्गत प्रदेश में संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में लागू करवाने हेतु हरियाणा राजकीय संस्कृत अध्यापक संघ राज्य कार्यकारिणी द्वारा गुरुवार को स्थानीय महम गेट स्थित परशुराम भवन में वीरवार को एक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पंजाबी एवं संस्कृत भाषा से जुड़े हुए विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. वीपी यादव, सचिव कृष्ण कुमार, संयुक्त सचिव पवन शर्मा, हरियाणा संस्कृत अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. दिनेश शास्त्री, प्रधान रामप्रसाद, संरक्षक, रोशनलाल एवं उनकी समस्त कार्यकारिणी के अलावा हरियाणा संस्कृत जिला प्रधान राजेंद्र शास्त्री, सुभाष, संजय, सुनील शास्त्री, विजय सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव ने कहा कि संस्कृत हमारी राष्ट्र भाषा है, जिसका प्रचार-प्रसार करना बहुत जरूरी है। इसीलिए शिक्षा बोर्ड द्वारा एकेडमिक काउंसिल द्वारा त्रिभाषा फार्मूला लागू होने से संस्कृत पढने् व पढ़ाने वालों को लाभ मिलेगा। इस मौके पर बोर्ड सचिव कृष्ण कुमार ने कहा कि संस्कृत भाषा वैज्ञानिक भाषा है, शिक्षा बोर्ड इसको पूर्णता लागू करने में अपना विचार रखता है तथा इस ओर भरसक प्रयास भी शिक्षा बोर्ड द्वारा किए जाएंगे। इस मौके पर संयुक्त सचिव पवन शर्मा ने कहा की संस्कृत में देश की सभी समस्याओं का समाधान है। संस्कृत ज्ञान-विज्ञान की भाषा है। उन्होंने कहा कि गीता की धरती हरियाणा में संस्कृत को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, जिसको बोर्ड ने पारित करके निदेशक एजुकेशन चंडीगढ़ को प्रेषित कर दिया गया है। इस अवसर पर पूरे हरियाणा से सभी पदाधिकारी एवं संस्कृत विशेषज्ञ शामिल हुए आने वालों ने सभी का आभार व्यक्त किया। संस्कृत आयाम प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता मुरलीधर शास्त्री ने अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड के इतिहास में त्रिभाषा फार्मूला लागू करना हरियाणा के लिए गौरव का विषय रहेगा, इससे संस्कृत समाज के लोग सभी लोगों का उत्साह बढ़ेगा तथा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को भी बल मिलेगा।

भरतपुर में मूर्ति लगाने को लेकर आगजनी, पुलिस पर पथराव

भरतपुर (हिंस)। जिले के नदबई इलाके में महाराजा सूरजमल और डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर बबाल हो गया है। इस मामले को लेकर बुधवार रात ग्रामीण सड़कों पर उतर आए। आगजनी की। पुलिस मौके पर पहुंची तो उस पर भी पथराव शुरू कर दिया। रात करीब 8 बजे शुरू हुआ बवाल देर रात 2 बजे तक चलता रहा। लोगों को हटाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। गुरुवार सुबह भी माहौल तनावपूर्ण है। नगर पालिका नदबई इलाके में 3 जगह मूर्तियां लगा रही है। संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा की अध्यक्षता में कमेटी ने तय किया कि कुम्हेर चौराहे पर महाराजा सूरजमल, बैलारा चौराहे पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और नगर चौराहे पर भगवान परशुराम की मूर्ति लगाई जाएगी। पर स्थानीय लोगों की मांग है कि नदबई का मुख्य चौराहा बैलारा है। ऐसे में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा बैलारा चौराहे पर लगनी चाहिए। इसी मांग को लेकर लोगों ने धरना भी दिया। पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने बयान दिया था कि आप जो चाहते हैं, वही होगा आप धरना खत्म कीजिए। इस बीच मंत्री ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि बैलारा चौराहे पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और डेहरा मोड चौराहे पर महाराजा सूरजमल की मूर्ति लगाई जाए। बस इसी को लेकर विरोध शुरू हो गया। मंत्री की प्रेस कांफ्रेंस के बाद एक लेटर जारी किया गया। इसमें डेहरा मोड पर महाराजा सूरजमल और बैलारा चौराहे पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की बात कही गई। जैसे ही यह लेटर और मंत्री का बयान गांव के लोगों तक पहुंचा तो नदबई में इसका विरोध शुरू हो गया। लोग मांग करने लगे कि बैलारा चौराहे पर महाराजा सूरजमल की मूर्ति लगनी चाहिए। इसके बाद आसपास के गांव के लोग बैलारा चौराहे की तरफ बढ़ने लगे। प्रशासन को आशंका थी कि कहीं मूर्ति लगाने वाले गुम्बद को न तोड़ दिया जाए, इसलिए बैलारा चौराहे पर पुलिस तैनात कर दी गई। पूरे इलाके में पुलिस फोर्स तैनात की गई थी, लेकिन रात 8 बजे बाद से हालात बिगढ़ने शुरू हो गए। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने पहले जाम लगा दिया और पेट्रोल डाल सड़कों पर आगजनी शुरू कर दी। लोगों ने नदबई की ओर जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया। पुलिस और मीडिया को भी बैलारा चौराहे की तरफ जाने से रोक दिया गया। नदबई से पहले बूढ़ावरी गांव, नगला खटोटि गांव की मुख्य सड़कों पर भी आगजनी की गई। यहां भी जाम लगाने का प्रयास किया गया। पुलिस जिन-जिन रास्तों पर गश्त कर रही थी, लोग वहां पथराव करने लगे। रात 12 बजे बाद हालात बेकाबू हो गए। अंधेरे का फायदा उठा ग्रामीण पुलिस पर पथराव करते रहे। रात करीब एक बजे पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह भी बैलारा चौराहे पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। गुरुवार सुबह तक माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन पर ईडी ने कसा शिकंजा, बिहार–झारखंड के ठिकानों पर की छापेमारी

रांची।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आजकल घोटालेबाजों पर शिंकजा कसने के लिए कमर कसी हुई है। वह एक के बाद एक छापेमारी की कार्रवाई कर रही है। अब ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त और आईएएस अधिकारी छवि रंजन के घर पर छापा मारा है।

बताया जा रहा, जमीन घोटाला मामले में ईडी की टीम उनके कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने रंजन के पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में स्थित कई ठिकानों पर छापा मारा है।

बता दें कि छवि रंजन रांची के उपायुक्त रह चुके हैं। एजेंसी के मुताबिक, ईडी अधिकारी पश्चिम बंगाल में दो, जबकि बिहार में एक ठिकाने पर छानबीन कर रही है। रांची और जमशेदपुर में स्थित ठिकानों की भी तलाशी ली जा रही है।

गौरतलब है, नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में सीबीआई राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से भी पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा ईडी ने राजद प्रमुख के परिवार के परिसरों में छापे मारे थे। ईडी ने छापेमारी के बाद कहा था कि उसने एक करोड़ रुपये की आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक नकदी बरामद की और अपराध में इस्तेमाल 600 करोड़ रुपये के लेनदेन का पता लगाया है। लालू प्रसाद के परिवार और उनके सहयोगियों की तरफ से रियल एस्टेट समेत विभिन्न क्षेत्रों में किए गए और निवेश का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

क्या है नौकरी के बदले जमीन घोटाला

यह कथित घोटाला उस समय हुआ जब लालू प्रसाद कांग्रेस नीत केंद्र की यूपीए–1 सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि 2004–09 की अवधि के दौरान भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में समूह 'डी' पदों पर विभिन्न व्यक्तियों को नियुक्त किया गया था और इसके बदले में संबंधित व्यक्तियों ने तत्कालीन रेल मंत्री प्रसाद के परिवार के सदस्यों को और इस मामले में लाभार्थी कंपनी 'एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड' को अपनी जमीन हस्तांतरित की थी।

न्यूज ब्रीफ

977 दिन बाद चांदी फिर 75 हजार के पार: पहली बार 75,365 रु. किलो तक पहुंचा भाव, फिर 74,940 रु. पर बंद हुई

नई दिल्ली। चांदी की फिर चांदी हो गई है। पहली बार इसका भाव 75,365 रु./किलो तक पहुंचा। हालांकि, यह 74,940 रु. पर बंद हुई। इससे पहले 7 अगस्त 20 को कीमतें 75,013 रु. तक पहुंची थीं, यानी 977 दिन बाद चांदी फिर 75 हजारी हुई थी। इससे पहले 5 अप्रैल 23 को सोना भी 60,781 रु./दस ग्राम का रिकॉर्ड स्तर छू चुका है। इस साल अब तक चांदी 6,591 रु./किलो और सोना 5,450 रु./दस ग्राम तक महंगा हो चुका है। अप्रैल के पिछले 10 दिनों (3–12 अप्रैल) में चांदी 3,240 रु./किलो और सोना 898 रु./दस ग्राम तक उछला है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सोना 60,613 रु. पर बंद हुआ। देशभर के 14 सेंटरों से सोने–चांदी का करंट रेट लेकर उसके औसत के आधार पर भाव निकाले गए हैं। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का अनुमान है कि इस साल चांदी 90 हजार रु./किलो तक जा सकती है। इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने और सोने की कीमतें ज्यादा होने से भी चांदी की कीमतों में उछाल आ रहा है। खाने–पीने की चीजों के दाम घटने से मार्च में खुदरा महंगाई दर 5.66प्रतिशत पर आ गई।

ईवी बिक्री बढ़ाने को प्रोत्साहन व सब्सिडी जरूरी, मूडीज ने कहा- जीएसटी दरों में करनी होगी कटौती

नई दिल्ली । दुनिया के चौथे सबसे बड़े कार बाजार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की पैठ बढ़ाने के लिए सरकार के प्रोत्साहन, स्थानीय स्तर पर बैटरी विनिर्माण, राज्यों के स्तर पर सब्सिडी और जीएसटी दरों में कटौती करनी होगी। देश में ईवी की पहुंच अभी सिर्फ एक फीसदी है। मूडीज इन्वेस्टर सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में कहा कि सरकार ने 2030 तक बिकने वाले कुल निजी वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी बढ़ाकर 30 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए यह लक्ष्य 80 फीसदी है। इसे हासिल करने के लिए चार्जिंग ढांचे को बेहतर बनाना होगा। साथ ही, उपभोक्ताओं को भी परंपरागत पेट्रोल–डीजल (आईसीई) वाहनों की जगह ई–वाहनों को अपनाना होगा। मूडीज ने कहा, हमारा मानना है कि सरकार की विभिन्न पहल से देश में ईवी की पहुंच बढ़ेगी। इनमें उपभोक्ताओं को दिया जाने वाला प्रोत्साहन भी शामिल है। इसके अलावा, एडवांस बैटरी स्टोरेज के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन, जीएसटी में कटौती और राज्यों से मिलने वाली सब्सिडी जैसे कारक भी इसमें मददगार बनेंगे। भारत 2022 में जापान को पीछे छोड़कर चीन और अमेरिका के बाद तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बन गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले महीने कहा था कि अगर भारत हाल में जम्मू–कश्मीर में मिले लिथियम भंडार का उपयोग कर सकता है तो वह ई–वाहन श्रेणी में दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच सकता है।

अपने पिन की सुरक्षा करें: पीओएस मशीन के ऊपर ही लगा था कैमरा! गृह मंत्रालय ने फोटो जारी कर ग्राहकों को चेताया

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में एक तस्वीर साझा कर डेबिट–क्रेडिट और यूपीआई के जरिए भुगतान करने वालों को चेताया है। बताया गया है कि मंत्रालय ने जो फोटो शेयर की है, वह दिल्ली के वसंत कुंज में स्थित डीएलएफ मॉल के एडिडास स्टोर की है। इस फोटो में लेनदेन के लिए इस्तेमाल होने वाली पीओएस मशीन के ऊपर कैमरा लगा दिखाया गया है। गृह मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि लोग अपना पिन सुरक्षित रखें और इसे छिपा कर ही इस्तेमाल करें। गृह मंत्रालय की ओर से जो तस्वीर जारी की गई है, उससे साफ है कि कैमरा उस पीओएस मशीन के ठीक ऊपर लगा है, जिसमें ग्राहक खरीदारी के बाद अपना पिन डालने वाला है। ऐसे में ग्राहक की वित्तीय जानकारी के भी चोरी होने का खतरा हो सकता है। मंत्रालय ने अपने ट्वीट के साथ लिखा- अपने पैसे को बचाने के लिए अपने पिन की सुरक्षा करें।

मोदी पर बीबीसी –डॉक्युमेंटरी से जुड़े पोस्ट हटाने पर बोले मस्क

मुझे मामले की जानकारी नहीं, भारत में सोशल मीडिया को लेकर काफी सख्त कानून

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बनी बीबीसी की डॉक्युमेंटरी और उससे जुड़े पोस्ट को ट्विटर से हटाए जाने को लेकर मस्क का बयान सामने आया है। बीबीसी से मस्क ने कहा कि मुझे इस मामले की जानकारी नहीं है... भारत में सोशल मीडिया के बहुत सख्त कानून हैं।

मस्क ने किसी देश के कानून का पालन करने और जेल जाने के ऑप्शन वाले सवाल पर कहा कि, यदि चुनाव कानूनों का पालन करने या जेल जाने के बीच है, तो मैं जेल जाने के बजाय कानूनों का पालन करना पसंद करूंगा। बीबीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रारंभिक राजनीतिक जीवन पर बेस्ड दो पार्ट में डॉक्युमेंटरी बनाई थी। इसका पहला पार्ट जनवरी में रिलीज किया गया था। ।बाद में भारत सरकार ने इसे बैन कर दिया था।

जनवरी में बीबीसी ने रिलीज की थी 'द मोदी क्वेश्चन'

बीबीसी ने 17 जनवरी को 'द मोदी क्वेश्चन' डॉक्यूमेंट्री का पहला एपिसोड यूट्यूब पर रिलीज किया था। दूसरा एपिसोड 24 जनवरी को रिलीज होना था। इससे पहले ही केंद्र सरकार ने पहले एपिसोड को यूट्यूब से हटावा दिया। पहले एपिसोड के डिस्क्रिप्शन में लिखा था कि ये डॉक्यूमेंट्री भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के बीच तनाव पर नजर डालती है। गुजरात में 2002 में हुए दंगों में नरेंद्र मोदी की भूमिका के दावों की जांच करती है।

गुजरात दंगों पर सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी का गठन किया था। कमेटी को दंगों में नरेंद्र मोदी के खिलाफ कुछ नहीं मिला। एसआईटी ने कहा था कि मोदी के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। जून 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी की तरफ से मोदी को मिली क्लीन चिट को सही माना था।

विदेश मंत्रालय ने भारत के खिलाफ प्रोपेगैंडा बताया था

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि हम नहीं जानते कि डॉक्यूमेंट्री के पीछे क्या एजेंडा है, लेकिन यह निष्पक्ष नहीं है। यह प्रधानमंत्री के खिलाफ दुष्प्रचार है। बागची ने कहा, यह डॉक्यूमेंट्री भारत के खिलाफ एक खास किस्म के दुष्प्रचार का नरेटिव चलाने की कोशिश है। डॉक्यूमेंट्री में फैक्ट ही नहीं हैं। यह गुलामी की मानसिकता को दर्शाती है। हम नहीं जानते कि इसके पीछे का एजेंडा क्या है

ब्रिटिश पीएम ने भी किया था विरोध

बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर ब्रिटिश संसद में भी चर्चा हुई थी। पाकिस्तानी मूल के सांसद इमरान हुसैन ने कहा था कि– गुजरात दंगों के लिए सीधे तौर पर नरेंद्र मोदी जिम्मेदार थे। अब भी दंगा पीड़ितों को इंसाफ नहीं मिला। उन्होंने ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक से सवाल किया– दंगे में मोदी की भूमिका पर आपका क्या कहना है इस पर सुनक ने कहा, बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री में जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी को दिखाया गया है, मैं उससे कतई सहमत नहीं हूं। उन्होंने कहा– ब्रिटेन सरकार की स्थिति स्पष्ट है। हम दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाली हिंसा को बर्दाश्त नहीं करते, लेकिन डॉक्यूमेंट्री में पीएम मोदी की जो इमेज पेश की गई है, मैं उससे बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं। मस्क ने आखिरी समय पर हामी भरी थी। लाखों यूजर्स ने इसे ट्विटर पर लाइव देखा। इस दौरान उन्होंने ट्विटर और अमेरिकी चुनावों से लेकर डीप फेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात की। जेम्स क्लेटन ने मस्क से पूछा कि वो क्यों राजी हुए तो उन्होंने कहा, फिलहाल बहुत कुछ चल रहा है। असल में मैं बीबीसी का बहुत ज्यादा सम्मान करता हूं। कुछ सवाल पूछने, कुछ फीडबैक पाने और क्या अलग किया जा सकता है, ये जानने का अच्छा मौका है।

बीबीसी के टैग को बदलकर पब्लिक फंडेड कहना सही होगा

हाल ही में ट्विटर ने बीबीसी के अकाउंट को गवर्नमेंट फंडेड मीडिया का टेग दिया था। इस पर बीबीसी ने एतराज जताया था। इस विवाद पर मस्क ने हंसते हुए कहा कि, बीबीसी को स्टेट फ़ंडेड मीडिया का टैग पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि इस टैग को बदलकर पब्लिक फंडेड कहना सही होगा। इस पर अधिक आपत्ति नहीं होगी। हम सटीक होने की कोशिश कर रहे हैं। बीबीसी ने मस्क को ई–मेल कर ट्विटर अकाउंट से टैग को जल्द से जल्द हटाने को कहा था।

बहुत से उतार-चढ़ाव के बाद अब चीजें ठीक जा रही हैं

ट्विटर में समय कैसा गुजर रहा है इस सवाल पर मस्क ने कहा, ये उबाऊ नहीं है। ये बहुत से उतार–चढ़ावों से भरा है। कुछ तकनीकी समस्याएं आईं, कई बार ट्विटर ठप भी हुआ। हालांकि, ये उतने लंबे समय के लिए नहीं था और अब चीजें ठीक जा रही हैं। ब्लू टिक को हटाने के बारे में मस्क ने कहा कि, इस मामले में वो सभी को बराबर मानेंगे। ये एक छोटी रकम है। मुझे नहीं पता उनकी क्या समस्या है।

वित्त मंत्री और आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता में हुई एफएमसीबीजी की बैठक

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के साथ वाशिंगटन डीसी में आईएमएफ-डब्ल्यूबी स्प्रिंग मीटिंग के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था और अतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना पर आयोजित जी20एफएमसीबीजी के बैठक के पहले दिन की सह अध्यक्षता की। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है। एफएमसीबीजी (वित्त मंत्रियों और केन्द्रीय बैंक के गवर्नरों) की बैठक जी20 लीडर्स समिट 2023 के हिस्से के रूप में आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठकों में से एक है।

बैठक के दौरान इन मुद्रों पर हुई चर्चा बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मजबूती के साथ अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वैश्विक ऋण संकट का समाधान वैश्विक गरीबी की चुनौती को जल्द से जल्द निपटाने में निहित है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने से ऋणग्रस्त देशों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है क्योंकि दुनिया के सबसे गरीब लोग इन्हीं देशों में रहते हैं।

जी20एफएमसीबीजी की बैठक के दौरान समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा की गई और वैश्विक मुद्दों पर नीति समन्वय के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने की कोशिश की गई। इसके अलावा भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान परिकल्पित कार्यों पर प्रगति में तेजी लाने पर विचारों का आदान–प्रदान किया गया।

वैश्विक संप्रभु ऋण गोलमेज बैठक के बारे में बोलते हुए वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने बढ़ती ऋण कमजोरियों को दूर करने के लिए जी20 अध्यक्षता के हिस्से के रूप में भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और आईएमएफ व वर्ल्ड बैंक से इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी का स्वागत किया।

200 करोड़ रुपये के ऋण मामले में राणा कपूर को जमानत , फिर भी क्यों जेल में ही रहना होगा बंद

मुंबई ।

विशेष पीएमएलए अदालत ने 200 करोड़ रुपये के ऋण के मामले में यस बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी राणा कपूर को जमानत दे दी। अदालत ने जमानत देते हुए कहा कि बिना मुकदमे के आगे कैद की अनुमति केवल सीबीआई के इन शब्दों के आधार पर नहीं दी जा सकती है कि जांच लंबित है। अदालत ने कहा, क्या सीबीआई को बिना किसी प्रगति रिपोर्ट के अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने में सात साल का समय लेने की अनुमति देना और तब तक एक त्वरित सुनवाई के लिए विचाराधीन कैदी के अधिकार को निलंबित करना कानूनी रूप से स्वीकार्य है विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने अपने आदेश में कहा, यह गंभीर है। हालांकि, कपूर अभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे, क्योंकि उनके खिलाफ दर्ज कुछ अन्य मामलों में उन्हें अभी जमानत नहीं मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) द्वारा दर्ज एक निर्दिष्ट अपराध के आधार पर कपूर के खिलाफ 200 करोड़ रुपये के छह ऋणों के संबंध में धनशोधन के आरोपों की जांच कर रहा है, जो यस बैंक ने

2011 और 2016 के बीच मेसर्स मैक स्टार मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के जरिए एचडीआईएल को दिया था। वकील विजय अग्रवाल और राहुल अग्रवाल के जरिए दायर अपनी जमानत याचिका में कपूर ने दावा किया कि कथित ऋण धोखाधड़ी के लिए सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी में उनका नाम नहीं है। उन्होंने कहा कि इसलिए उनके खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं है। अदालत ने मैक स्टार मार्केटिंग को दिए गए ऋण में कथित अनियमितताओं की जांच की स्थिति पर सीबीआई से एक रिपोर्ट मांगी थी। हालांकि, केंद्रीय एजेंसी ने अपने जवाब में केवल इतना कहा कि उनकी जांच अभी भी प्रगति पर है।

भारत का स्मार्टफोन निर्यात पहुंचा 11 अरब डॉलर से अधिक, वैष्णव बोले– हम ग्लोबल लीडर बनने की राह पर

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार स्मार्टफोन निर्यात को लेकर अक्सर अपनी पीठ थमथपाती है। वहीं भारत ने स्मार्टफोन निर्यात में काफी ऊंचाई को छू लिया है। इसको लेकर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि भारत से स्मार्टफोन का निर्यात दोगुना होकर 11 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि देश मोबाइल डिवाइस सेगमेंट में ग्लोबल लीडर बनने की राह पर है। उद्योग निकाय आईसीईए और उद्योग के सूत्रों के अनुमान के अनुसार, भारत से मोबाइल फोन का निर्यात 11.12 बिलियन अमेरीकी डॉलर के करीब पहुंच गया, जिसमें आईफोन निर्माता एपल का कुल निर्यात का लगभग आधा हिस्सा है। वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के मेक इन इंडिया कार्यक्रम के लिए यह एक बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने कहा कि वित्त वर्ष 2022–23 में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात दोगुना बढ़कर 90,000 करोड़ रुपये, लगभग 11.12 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है, जो वित्त वर्ष 22 में 45,000 करोड़ रुपये था। सरकार ने देश से 10 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात का लक्ष्य रखा है। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज महेंद्रू ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात भी 58 प्रतिशत बढ़कर 1,85,000 करोड़ रुपये हो गया है। अर्थव्यवस्था में कोई भी अर्थव्यवस्था या क्षेत्र बड़े निर्यात के बिना एक महान और जीवंत वैश्विक अर्थव्यवस्था नहीं बन सकती है। भारत मोबाइल फोन निर्यात में 100 प्रतिशत की वृद्धि पर सवार है, जो वित्त वर्ष 2022–23 के लिए 90,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

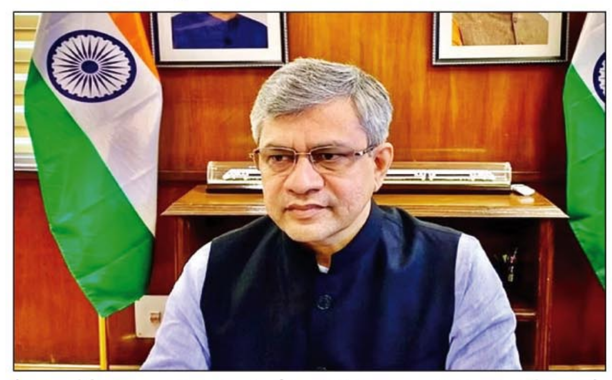

उद्योग के सूत्रों के मुताबिक, अनुमान है कि 5.5 अरब डॉलर मूल्य के मेड इन इंडिया आईफोन के निर्यात में एपल की 50 फीसदी हिस्सेदारी है, जो करीब 45,000 करोड़ रुपये है। सूत्रों का अनुमान है कि 36,000 करोड़ रुपये के निर्यात के साथ सैमसंग का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। एपल और सैमसंग को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं आया। सूत्र ने कहा कि कुल निर्यात में तीसरे पक्ष के निर्यात का योगदान करीब 1.1 अरब डॉलर का है।

गूगल में एक बार फिर हो सकती है छंटनी

सीईओ सुंदर पिचाई ने दिया हिंट, जनवरी में 12,000 एम्प्लॉइज को निकालने की अनाउंसमेंट की थी

नई दिल्ली।

आईटी दिग्गज कंपनी गूगल में एक बार फिर छंटनी हो सकती है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने हाल ही में अपने स्टेटमेंट में कंपनी में एक और राउंड की छंटनी करने का हिंट दिया है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर छंटनी को लेकर कमेंट नहीं किया है।

जनवरी में 12,000 एम्प्लॉइज को निकालने की अनाउंसमेंट की थी

इस साल जनवरी में गूगल ने अपनी टोटल वर्कफोर्स में से 6प्रतिशत यानी 12,000 एम्प्लॉइज की छंटनी करने की अनाउंसमेंट की थी। सुंदर पिचाई ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डोमेन में गूगल के काम पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए गूगल के चैटबॉट बार्ड को जीमेल और गूगल डॉक्स जैसे प्रोडक्ट्स में ऐड किया जा रहा है।

हम अपॉर्चुनिटीज पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं

सुंदर पिचाई ने कहा, हम अपॉर्चुनिटीज पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं और मुझे लगता है कि अभी बहुत काम बाकी है। एआई को लेकर भी हम कई जरूरी फैसले ले रहे हैं। इसके लिए हम जरूरी एरियाज में लोगों को काम पर लगा रहे हैं और यह काम लगातार जारी है।

पिचाई ने कहा, हम कई अलग–अलग रास्तों से इस टारगेट को पाने की कोशिश कर रहे हैं। हम वाकई उस हर काम को बारीकी से देख रहे हैं, जो हम करते हैं। हम अपनी कॉस्ट को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हम स्थाई बचत बनाने की दिशा में फोकस हैं। हमने अब तक जो भी किया है, उससे खुश हैं लेकिन अभी काफी काम बाकी है।

गूगल का टारगेट एफिशिएंसी को 20प्रतिशत तक बढ़ाना है

सुंदर पिचाई ने कहा कि गूगल का टारगेट अपनी एफिशिएंसी को 20प्रतिशत तक बढ़ाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गूगल को हाल के दिनों में किए गए सुधारों पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विचार करने के बाद ही छंटनी की गई है। पिचाई ने कहा, हमने अपने वर्कफोर्स में से लगभग 12,000 एम्प्लॉइज की छंटनी करने का फैसला किया है। हमने पहले ही अमेरिका में छंटनी से प्रभावित एम्प्लॉइज को एक अलग ईमेल भेजा है। इसके अलावा अन्य देशों में स्थानीय कानूनों और प्रथाओं के कारण इस प्रोसेस में ज्यादा समय लगेगा। अल्फाबेट के पास लगभग 1,87,000 कर्मचारी हैं।

फरवरी में इंडिया ऑफिसों में से 450 एम्प्लॉइज को निकाला था

वहीं फरवरी में गूगल ने अपने इंडिया ऑफिसों में से लगभग 450 एम्प्लॉइज को निकाल दिया था। आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की टेक कंपनियां अपने ऑपरेशन को रेशनालाइज बनाने, कॉस्ट कटिंग करने और एफिशिएंसी लाने के लिए नौकरियों में कटौती कर रही हैं। यही वजह है कि गूगल के अलावा अमेजन, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कई टेक कंपनियों ने बड़ी संख्या में नौकरियों में कटौती की है। अमेजन ने अपनी टोटल वर्कफोर्स में से 2 राउंड में 27,000 एम्प्लॉइज की छंटनी करने की अनाउंसमेंट की थी। नवंबर 2022 में फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा ने 11,000 एम्प्लॉइज की छंटनी की थी। वहीं इस साल मार्च में माइक्रोसॉफ्ट ने 10,000 एम्प्लॉइज की छंटनी करने की अनाउंसमेंट की थी।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली । तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

प्रियंका ने अपने इंस्टा हैंडल पर शेयर की कई तस्वीरें

-बेटी मालती की तस्वीर की प्रशंसकों ने की तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। ईस्टर के मौके पर अंतरराष्ट्रिय अभिनेत्री प्रियंका चोपडा ने अपने इंस्टा हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनके साथ उनकी बेटी मालती की झलक भी देखने को मिल रही है। शेयर की गई तस्वीरों में प्रियंका अपनी बेटी के साथ ट्विनिंग करते हुए नजर आ रही हैं। प्रियंका ने कुल 5 फोटोज शेयर की हैं। पहली फोटो में प्रियंका और मालती साथ में नजर आ रही हैं। दूसरी फोटो में मां-बेटी एक जैसे आउटफिट में ट्विनिंग करती नजर आ रही हैं। तीसरी और चौथी फोटो में मालती मस्ती में खेलती दिख रही हैं। वहीं आखिरी फोटो में मालती को घर के गार्डन में देखा जा सकता है, जिसमें उनके दो पेट डॉग भी नजर आ रहे हैं।कैप्शन में प्रियंका ने लिखा- ईस्टर संडे। सोशल मीडिया पर फैंस मां-बेटी की इन तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक फैन ने कैप्शन में लिखा- हमें बेबी मालती का पूरा चेहरा देखना है। दूसरे फैन ने लिखा- मैरी मालती को ईस्टर की बधाइयां। तीसरे फैन ने लिखा- वाह मलती दिन प्रति दिन बड़ी होती जा रही हैं। बता दें कि हाल ही में भारतीय व हॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी वेब सीरीज सिटाडेल के प्रमोशन के सिलसिले में मुम्बई आई थीं। मुम्बई प्रवास के दौरान उन्होंने अंबानी परिवार के फंक्शन में शिरकत करने के साथ ही मुम्बई के सिद्धि विनायक मंदिर में माथा टेका और अपनी सीरीज की सफलता की कामना की। प्रियंका चोपड़ा बेटी और पति निक के साथ यूएस वापस लौट गई हैं।

श्रीमती चटर्जी बनाम नॉर्वे की आलिया ने की तारीफ

-अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा भावनात्मक नोट

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भटट ने बीते दिनों अपने परिवार के साथ फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे देखी और फिल्म की जमकर तारीफ की। फिल्म देखने के बाद आलिया ने सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक नोट भी लिखा। नोट में आलिया ने खुलासा किया कि वह अपनी मां सोनी राजदान और बहन के साथ फिल्म देखने के दौरान कैसे रोई थीं। उन्होंने रानी के काम की भी तारीफ की। आलिया ने कहा कि नई मां होने के नाते इस फिल्म ने उन्हें ज्यादा प्रभावित किया। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर एक बच्ची राहा के माता-पिता हैं। मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे आशिमा छिब्बर द्वारा निर्देशित एक माँ की सच्ची कहानी है, जो अपने बच्चों को उससे दूर ले जाने के बाद पूरे देश से लडऩे के लिए छोड़ दी जाती है।श्रीमती चटर्जी बनाम नॉर्वे ने 17 मार्च को प्रदर्शित हुई थी। यह फिल्म एक भारतीय जोड़े की कहानी से प्रेरित है, जिनके बच्चों को 2011 में नॉर्वेजियन अधिकारियों ने ले लिया था। आलिया भट्ट ने फिल्म की सराहना की है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आलिया ने फिल्म को लेकर पोस्ट किया और एक नोट लिखा, जहां उन्होंने बात की कि इसने उन्हें कैसे छुआ। आलिया की पोस्ट में लिखा है- शनिवार की रात मेरी मां और बहन के साथ आंसू में गुजरी जब हमने अपनी पसंदीदा - शानदार रानी

मुखर्जी को देखा। श्रीमती चटर्जी बनाम नॉर्वे बताने के लिए एक महत्वपूर्ण कहानी है। मेरे लिए, विशेष रूप से एक नई मां के रूप में, और घर के इतने करीब। रानी मैम - आपके जैसा कोई नहीं है! आपने मुझे ट्रांसफिक्स किया था और मुझे आपकी तरफ से नॉर्वे से भारत पहुँचाया गया था! इस अविश्वसनीय फिल्म के लिए पूरी टीम को बधाई। मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे एक इमोशनल ड्रामा है, जो एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने बच्चों की कस्टडी हासिल करने के लिए पूरे देश से भिड़ जाती है। फिल्म के कलाकारों में अनिर्बन भट्टाचार्य और जिम सर्भ भी शामिल हैं। आशिमा छिब्बर द्वारा निर्देशित, यह 17 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

डॉ. अरूणा महान्ती ने अपने नृत्य में दशार्या है 'श्रीमद्भगवद्गीता' का दर्शन

-ओडिसी नृत्यागंना पद्मश्री डॉ. अरूणा महान्ती से हिन्दुस्थान समाचार से की खास बातचीत

लखनऊ, (हि.स.)। शास्त्रीय नृत्यों में नृत्यांगनाओं ने अमूमन श्रीमद्रामायण के विभिन्न प्रसंगों या शिवताण्डव या फिर श्रीदुर्गासप्शती की ही कथाओं को मंच पर उतारा है, लेकिन ओडिसी नृत्यांगना एवं गुरू डॉ. अरूणा महान्ती ऐसी कलाकार हैं, जिन्होंने श्रीमद्भगवत गीता के दर्शन को अपने नृत्य में दशार्या। केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी सहित अन्य पुरस्कारों से विभूषित डॉ.अरूणा महान्ती ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि श्रीमद्भगवद्गीता गीता पर एक 'नृत्य' तैयार की हूं, जो 70 मिनट की है। चाहती हूं कि लखनऊ में भी इसका शो हो। उन्होंने बताया कि 'गीता' को उपदेशों को अपने नृत्य में दशार्ने की कोशिश की है। इसके लिए पूरी श्रीमद्भगवद्गीता का अध्यन किया और इसके भावों को समझने का प्रयास किया। बताया कि अपने नृत्य में सभी श्लोकों को तो नहीं, लेकिन जो खास-खास है और जो बहुत ही लोकप्रिय है, उनको नृत्य में दिखाया है। उन्होंने बताया कि 'गीता' का दर्शन बहुत ही अच्छा लगा है। मैंने अपने नृत्य में मनोरंजन के साथ अध्यात्म को समेटने की पूरी कोशिश की है। 'श्रीगीता' जी में कहा गया कि कर्म करो,फल की इच्छा न करो, यह सही क्योंकि कर्म करना ही मेरे अधिकार में है, फल तो विधाता देगा। ओडिसी नृत्यागंना पद्मश्री डॉ.अरूणा महान्ती एक अप्रैल को लखनऊ आई थीं। यहां पर आयोजित उड़ीसा दिवस समारोह में उन्होंने रामायण के प्रसंगों पर अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से खास बातचीत में बताया कि ओडिसी शास्त्रीय नृत्य ईश्वर की वंदना से शुरू होता है और उन्हीं को समर्पित करते हुए समाप्त भी किया जाता है। भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में यह एक बड़ी ही खूबसूरत नृत्य कला है।

कन्नड़ फिल्म 'केडी-द डेविल' की शूटिंग के दौरान घायल हुए संजय दत्त

संजय दत्त कई सालों से अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। वह पिछले कुछ दिनों से अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। अब पता चला है कि ऐसी ही एक बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग के दौरान वह घायल हो गए। इस घटना के बाद फिल्म की शूटिंग रोक दी गई। संजय दत्त इन दिनों अपनी अपकमिंग कन्नड़ फिल्म 'केडी-द डेविल' की शूटिंग कर रहे हैं। बम ब्लास्ट सीक्वेंस की शूटिंग आज से बेंगलुरु के पास शुरू हुई है। एक्शन डायरेक्टर डॉ. रवि वर्मा की 'केडीः द डेविल' के लिए एक एक्शन सीन शूट किया जा रहा था। इसी बीच बम धमाके की शूटिंग के दौरान संजय घायल हुए हैं। संजय की कोहनी, हाथ और चेहरे पर काफी चोटें आईं। इस घटना के बाद फिल्म की शूटिंग रोक दी गई। इसके तुरंत बाद संजय दत्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनकी हालत में सुधार है। उनके चोटिल होने की खबर सुनकर उनके फैंस चिंता जता रहे हैं। वह फिल्म में एक खलनायक की भूमिका निभाते हैं, जबकि अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

सलमान खान की नई बुलेटप्रूफ गाड़ी की नंबर प्लेट से है भाईजान का खास कनेक्शन

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को पिछले कुछ दिनों से लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है। कुछ दिन पहले वाई प्लस सुरक्षा भी मुहैया कराई गई है। उसके बाद सलमान खान ने अपनी सुरक्षा के लिए एक महंगी बुलेटप्रूफ कार खरीदी। इस कार की कीमत के बाद कार की नंबर प्लेट की भी चर्चा हो रही है। सलमान खान ने बुलेटप्रूफ निसान पेट्रोल एसयूवी को विदेश से इम्पोर्ट किया है। यह एक हाई एंड बुलेट प्रूफ एसयूवी कार है। इस कार को अभी भारत में लॉन्च किया जाना बाकी है। सलमान खान की नई एसयूवी कार की नंबर प्लेट बेहद खास है। इसके लिए सलमान खान ने 2 से 3 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उनकी कार का नंबर 2727 है। इस संख्या के पीछे एक खास वजह है। सलमान खान का जन्म 27 दिसंबर 1965 को हुआ था। इसे उनका लकी नंबर बताया जाता है। इसलिए उन्हें अपनी नई कार के लिए अपना लकी नंबर मिल गया है।

सारा अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में

-उनके साथ विक्की कौशल आने वाले हैं नजर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान अपनी अगली फिल्म को लेकर चचाओं में हैं। इस फिल्म का अभी तक कोई नाम तय नहीं किया गया है। अनाम फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल नजर आने वाले हैं, जिन्होंने हाल ही में अपनी फिल्म सैम बहादुर को पूरा किया है। सैम मॉनेक शा की इस बायोपिक का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। यह फिल्म इस वर्ष 1 दिसम्बर को प्रदर्शित होने जा रही है। मैडॉक बैनर की अनटाइटल फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि इसे सम्भवतः जरा हट-के जरा बचके या फिर घर घर की बात शीर्षक में से एक मिलेगा। हालांकि इनमें से कौन सा टाइटल फाइनल होगा यह तय नहीं है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे जरा हटके जरा बचके नाम से प्रदर्शित किया जाएगा।दिनेश विजान का बैनर मैडॉक फिल्म्स अपनी सारा अली खान और विक्की कौशल की फिल्म की प्रदर्शन तिथि को लेकर अब तक कोई घोषणा नहीं की गई है। यह फिल्म मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में शूट की गई है। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि यह एक सोशल इश्यू पर आधारित पारिवारिक फिल्म है। इसमें विक्की इंदौर के युवा के रूप में हैं। इस फिल्म के लिए हिन्दी को इंदौरी टोन में बोलने का लहजा भी सीखा है। इस फिल्म में इंदौरी टोन में संवादों को बोलते नजर आएंगे विक्की। विक्की ने इसके लिए सेट पर उसी टोन में बोलना शुरू किया व बकायदा इस टोन की कोचिंग ली। फिल्म में सारा का किरदार इंदौर से नहीं है। र-किेश बेदी ने उनके पिता की भूमिका निभाई है। यह साल 2021 में इंदौर में शूट की गई थी। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि यह किसी फिल्म का रीमेक नहीं है। यह अपनी मूल कहानी पर आधारित है। सारा इसमें ग्लैमरस लुक में नहीं दिखाई देंगी। ट्रेड पंडितों का कहना है कि विक्की और सारा की इस फिल्म को सिनेमाघरों में ही प्रदर्शित किये जाने की पूरी तैयारी है। यह इसलिए कहा जा रहा है कि मैडॉक फिम्ल्स की अधिकांश फिल्में आजकल सीधे ओटीटी प्लेटफार्म पर आती हैं। बताया जा रहा है कि इसी साल मई या जून में क्लियर विंडो मिलने पर फिल्म को सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने का विचार विमर्श चल रहा है। हाल ही में बीती 24 मार्च को इस बैनर की यामी गौतम अभिनीत फिल्म चोर निकल के भागा नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई थी, जिसमें विक्की के भाई सनी कौशल मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

अध्ययन सुमन ने कहा, पिता के कारण बर्बाद हो गया मेरा पूरा फिल्मी करियर

बॉलीवुड की गंदी राजनीति का किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री कंगना रनोट, प्रियंका चोपड़ा और अब अध्ययन सुमन ने बॉलीवुड की गंदी राजनीति को सामने ला दिया है। अध्ययन ने अपने इंटरव्यू में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में होने वाली घटिया राजनीति के बारे में बताया। अध्ययन ने खुलासा किया कि कैसे उनके पिता शेखर सुमन का बदला उनका करियर खत्म करके लिया गया। शेखर एक वक्त पर इंडस्ट्री के उभरते सितारों में से एक थे, लेकिन धीरे-धीरे वहां कहीं गायब हो गए। इंटरव्यू में अध्ययन ने कहा कि उनके हाथ से 14 फिल्में निकल गईं। इसके अलावा उन्हें कई और बड़े प्रोजेक्ट्स से बाहर किया गया।अध्ययन ने कहा कि उन्होंने इंडस्ट्री में कभी भी किसी के साथ बुरा नहीं किया, लेकिन उनके साथ हुई लॉबिंग और राजनीति के पीछे का असल कारण उनके पिता शेखर सुमन हैं। लोगों ने उनके पिता का बदला उनसे लिया। अध्ययन ने कहा, मुझे बहुत ज्यादा काम अपने पिता शेखर सुमन के शो मूवर्स एंड शेखर के कारण नहीं मिल पाया। हालांकि, इस शो में हर एपिसोड के लिए उन्हें स्क्रिप्ट दी जाती थी। फिर भी शो के कारण कुछ लोगों ने उनके खिलाफ अपने मन में नफरत पाल ली कि शेखर ने हमारे बारे में इसतरह कैसे बात करी। पिता शेखर के शो के बारे में अध्ययन ने कहा, उन्होंने कभी भी किसी के ऊपर पर्सनल अटैक नहीं किया और नहीं गंदी भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने बस अपना काम किया और वहां सिर्फ एक शो था, लेकिन उनके ईगो को इतनी ठेस पहुंची कि उन्होंने इस पर्सनली ले लिया और सोचा कि इसका बदला इसके बेटे से लिया जाएं। अध्ययन सुमन ने खुलासा किया कि कुछ लोगों ने उन्हें बताया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग हैं जिन्हें उनके पिता से परेशानी है और वहां उन्हें कभी फिल्में नहीं बनने देने वाले हैं। अध्ययन ने कहा कि वहां आजतक इस भेदभाव को झेल रहे हैं। तीन महीने पहले की घटना को शेयर करते हुए अध्ययन ने कहा, मुझे एक बड़े सुपरस्टार वाली फिल्म के लिए अप्रोच किया गया था। इस फिल्म में मुझे विलेन का रोल ऑफर किया गया। पैसे से लेकर हर चीज पर बात हो चुकी थी और मैं उनके फोन का इंतजार कर रहा था ताकि अपने कॉन्ट्रैक्ट के बारे में बात कर सकूं, लेकिन वे अचानक पीछे हट गए। मैंने उनसे पूछा कि आखिर हुआ क्या है, ये बहुत आसान है कि कोई भी फोन करेगा और मुझे प्रोजेक्ट से निकाल दिया जाएगा। मेरे सामने एक प्रोड्यूसर ने दूसरे प्रोड्यूसर को फोन कर कहा कि हम अध्ययन को कास्ट करने की सोच रहे हैं और सामने से जवाब आया कि इस मत लो, ये लापरवाह है, ड्रग्स लेता है।

मुंबई मेट्रो में एक्ट्रेस हेमा मालिनी को देख पैसेंजर हुए हैरान

जब कोई सेलिब्रिटी पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करता है तो चर्चा का विषय बन जाता है। बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' यानी एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने हाल ही में मुंबई मेट्रो में सफर किया। मेट्रो में उन्हें देखकर आम यात्री हैरान रह गए। इस यात्रा की तस्वीरें खुद बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने ट्विटर पर पोस्ट की हैं। इस ट्वीट में उन्होंने लिखा कि मुंबई उपनगर से दहिसर पहुंचने में उन्हें कार से दो घंटे लगे। यह सफर भी काफी थका देने वाला था। इसलिए उन्होंने कार की जगह मेट्रो से सफर करने का फैसला किया। मेट्रो होने के कारण वे आधे घंटे में पहुंच गई। इस सफर के दौरान का वीडियो उन्होंने ट्विटर पर भी पोस्ट किया है। सोशल मीडिया पर आए इस वीडियो में हेमा मालिनी मेट्रो में यात्रियों के साथ सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। मेट्रो के बाद बाकी का सफर उन्होंने ऑटोरिक्शा से पूरा किया। उन्होंने डीएन नगर से जुहू तक का सफर तय किया था। हेमा मालिनी ने लिखा कि जब वह अपने घर पर ऑटोरिक्शा से उतरीं तो सुरक्षा गार्ड हैरान रह गए। हेमा मालिनी राजनीति में सक्रिय हैं।

आकांक्षा दुबे मौत मामलाः गायक समर सिंह की पुलिस को मिली रिमांड

- पूछताछ में खुलेगा मौत का रहस्य, अभिनेत्री की मां ने लगाया था हत्या का आरोप

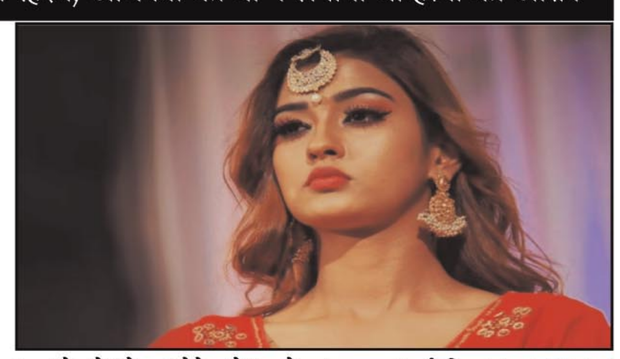

वाराणसी, (हि.स.)। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत मामले में पुलिस आरोपी गायक समर सिंह यादव से पूछताछ करेगी। बुधवार को सिविल जज जूनियर डिवीजन व फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय तान्या गुप्ता की अदालत ने पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर कर ली। समर सिंह की 13 अप्रैल की सुबह 10 बजे से 17 अप्रैल की शाम पांच बजे तक की पुलिस रिमांड अदालत से स्वीकृत हुई है। इसके पहले चौकाघाट स्थित जिला कारागार से समर सिंह वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश हुआ। अदालत ने सुनवाई में दोनों पक्षों को सुनने के बाद समर सिंह का कस्टडी रिमांड मंजूर कर ली। सारनाथ पुलिस ने गायक समर सिंह की सात दिन की रिमांड अदालत से मांगी थी। उल्लेखनीय है कि सारनाथ थाना क्षेत्र के होटल सोमेन्द्र के कमरे में बीते 26 मार्च को आकांक्षा दुबे का शव फंदे के सहारे बेड पर बैठी मुद्रा में मिला था। 27 मार्च को आकांक्षा दुबे की मां मधु दुबे की तहरीर पर सारनाथ थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में भोजपुरी गायक समर सिंह यादव और उसके दोस्त संजय सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। छह अप्रैल की रात गाजियाबाद से समर सिंह को वाराणसी पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे गाजियाबाद की अदालत में पेश कर पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर वाराणसी लेकर आई। पूछताछ के बाद पुलिस ने समर सिंह को रिमांड मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया था।

सूडोकु नवताल- 6400

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6399 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्दजाल - 7147

स	म	र	यु	दा	प	र	तू	ग	झ	दो
ज	अ	ल	प	मु	रिं	शो	ना	दि	शा	आं
अं	इ	नु	म	ल	दा	ल	ध	र	ला	खें
ती	कु	दा	रा	धा	ब	क	प	रि	श	बा
स	ति	श	न	धा	क	ब	री	ग	वी	र
री	रं	ल	प	व	लि	र्त	ऐ	ती	प	ह
क	गा	ल	श	गा	प	म	क्रां	कौ	या	हा
स	बा	अ	र्जा	त	क	छ	प्प	ग	श	थ
म	स	मि	तें	व	न	ज	मृ	शा	जू	द
द	र	ल	श	ह	र	औ	र	स	प	ना
थो	ड़	सा	रु	बा	घ	ब	हा	दु	र	क

शब्द जाल में नेशनल अवार्ड विजेता 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीच एवं तिरछे भी हैं.

मिर्जा गालिब, दो आंखें बारह हाथ, अनुराधा, शहर और सपना, तीसरी कसम, मृगया, शोध, दामुल, बाघ बहादुर, समर.

शब्दजाल - 7146 का हल

बं	म	स	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6100

	7	2		3		1
3	31		23	6	32	
6		4	1		7	5
1	30		33	4	36	
2		7			6	3
	35		35	7	37	
	6	5	3		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6099 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	36	6	29	2	30	1
2	7	5	1	3	4	6
4	33	4	29	4	34	4
1	7	3	4	5	6	2
7	34	2	32	6	36	7
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंतिम पंघाल ने जीता रजत, अंशु और सोनम को कांस्य से करना पड़ा संतोष

अस्ताना।

महिला पहलवान एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में फिर स्वर्ण पदक नहीं जीत पाईं। 53 भार वर्ग में हरियाणा की अंतिम पंघाल ने फाइनल में जगह बनाई, लेकिन यहां उन्हें 2021 की विश्व चैंपियन अकारी फुजीनामी के हाथों 0-10 से हार का सामना कर रजत से संतोष करना पड़ा।

भारतीय कुश्ती संघ के खिलाफ धरने पर बैठने के बाद पहला अंतरराष्ट्रीय कंपटीशन खेल रहीं अंशु मलिक (57) और सोनम मलिक (62 भार वर्ग) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

फाइनल तक आसानी से पहुंचीं अंतिम

देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन अंतिम ने चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहले सिंगापुर की अलवीना लिम को चित किया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की ली डेंग को 6-0 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उन्होंने आक्टेन क्यूनिमजाएवा को 8-1 से हराया। इस दौरान उन्होंने एक भी अंक कुश्ती के दौरान नहीं गंवाया। उजबेकी पहलवान के खिलाफ उन्हें एक अंक कॉशन का मिला। फाइनल में लेकिन अंतिम रंग में नहीं दिखीं। फुजीनामी ने उन्हें तकनीकि दक्षता के आधार पर आसानी से हरा दिया।

कांस्य के मुकाबले में अंशु, सोनम को मिली आसान जीत

अंशु ने पहली बाउट में सिंगापुर की डेनियल चिंग लिन को 11-0 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने चीन की क्वी झांग पर 5-4 से संघर्षपूर्ण जीत पाई। सेमीफाइनल में उन्हें अंडर-23 विश्व चैंपियन जापान की साए नांजो ने 1-5 से पराजित किया। इस बाउट में अंशु को चोट भी आई, लेकिन कांस्य पदक के मुकाबले में उन्होंने मंगोलिया की एरडेनेसुव्ड बाट एरडेन को तकनीकि दक्षता पर 10-0 से हराया। सोनम ने कांस्य पदक के मुकाबले में चीन की जियाओजुआन लुओ को 5-1 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

ग्रोइन की चोट के कारण कुछ मैचों से बाहर रहेंगे रैशफोर्ड : टेन हैग

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कोच एरिक टैन हैग ने पुष्टि की है कि इंग्लैंड के फॉरवर्ड खिलाड़ी मार्कस रैशफोर्ड ग्रोइन की चोट के कारण अगले कुछ मैचों से बाहर रहेंगे, हालांकि वह सीजन खत्म होने से पहले मैदान पर लौट आयेंगे। गौरतलब है कि रैशफोर्ड पिछले सप्ताहांत एवरटन के खिलाफ खेले गये मैच के समाप्त होने से 10 मिनट पहले लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गये थे। सेविला के विरुद्ध होने वाले यूनाइटेड के यूएफा यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले चरण से पूर्व बुधवार को जब टेन हैग से रैशफोर्ड के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, (उसे ठीक होने में) कुछ मैच लगेंगे। मैं ज्यादा जानकारी नहीं दे सकता क्योंकि हमें नहीं पता। हमें देखना होगा कि चोट आने वाले समय में किस स्थिति में होगी। रिपोर्ट के अनुसार, रैशफोर्ड ने इस सीजन अपने क्लब के लिये कुल 28 गोल किये हैं। यह यूनाइटेड के लिये उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और आगामी महत्वपूर्ण मैचों में उनकी कमी टीम के लिये चुभने वाली होगी। यूनाइटेड सेविला का सामना करने के बाद नॉटिंघम फॉरेस्ट से भिड़ेगी, जो हाल के समय में संघर्ष कर रही है। अगले हफ्ते यूरोपा लीग के क्वार्टरफाइनल के दूसरे चरण के लिये सेविला लौटने के बाद यूनाइटेड का सामना 22 अप्रैल को एफए कप के सेमीफाइनल में ब्राइटन से होगा। टेन हैग ने कहा, यह निश्चित ही हमारे लिये एक झटका है और वह (रैशफोर्ड) भी इसे लेकर निराश है, लेकिन वह पूरी तरह दुखी नहीं है क्योंकि वह जानता है कि वह जल्द ही वापसी करेगा। इसलिये वह सकारात्मक है।

डीसी के डायरेक्टर ने टीम का किया बचावः गांगुली बोले- टीम में ज्यादा खिलाड़ी युवा, हमें एक अच्छी टीम बनने में समय लगेगा

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर सौरव गांगुली ने खराब प्रदर्शन पर टीम का बचाव किया है। आईपीएल के 16वें सीजन में दिल्ली को अब तक जीत नहीं मिली है। दिल्ली को लीग में खेले अब तक चारों मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसमें अपने होमग्राउंड में खेले दो मैच भी है। गांगुली ने खराब प्रदर्शन के बाद भी खिलाड़ियों का बचाव किया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में ज्यादा खिलाड़ी युवा हैं। उनके पास इंटरनेशनल मैच का अनुभव नहीं है। ऐसे में हमें एक अच्छी टीम बनने में समय लगेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें खिलाड़ियों पर भरोसा जताना होगा और उन्हें आगे भी मौका देना होगा। इसके साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को भी सलाह दी। और कहा कि खिलाड़ियों को भी अपने खेल की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्हें सोचना होगा कि उन्होंने ग्राउंड पर क्या गलती की और उसमें उन्हें क्या सुधार करने की जरूरत है।

मोंटे कार्लो मास्टर्स : थिएम को हराकर तीसरे चरण में पहुंचे रूने

मोंटे कार्लो। पिछले सीजन लाल बजरी पर शानदार प्रदर्शन करने वाले डेनमार्क के होल्गर रूने ने मोंटे

कार्लो मास्टर्स 2023 के अपने पहले मुकाबले में डॉमिनिक थिएम को सीधे सेटों में हराकर एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। पिछले साल म्यूनिख में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने के बाद रोलां गैरो में पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाले होल्गर ने थिएम को 6-4, 6-2 से परास्त किया। मोनाको में तीसरी बार खेल रहे होल्गर पहली बार तीसरे दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले 2021 में पदार्पण करते हुए पहले दौर में और 2022 में दूसरे दौर में उन्हें कैस्पर रूड के हाथों हार मिली थी। डेनमार्क के 19 वर्षीय खिलाड़ी का सामना इटली के मैटियो बेरेटिनी से होगा, जो दूसरे दौर में अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को करीबी मुकाबले में 5-7, 7-6(1), 6-4 से हराकर आ रहे हैं। बेरेटिनी पिछले साल इंडियन वेल्स में चौथे दौर तक सफर करने के बाद पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स प्रतियोगिता के तीसरे दौर में पहुंचे हैं। अगर वह होल्गर को हरा देते हैं तो यह नवंबर 2022 में पेरिस मास्टर्स के बाद उनका पहला और कुल दूसरा एटीपी 1000 क्वार्टरफाइनल होगा।

शूटिंग फिर पुराने फॉर्मेट में, आईएसएसएफ ने नियम वापस लिए

2020 ओलिंपिक के बाद बदले थे नियम, टॉप-2 शूटर्स के बीच होता था फाइनल्स

नई दिल्ली।

शूटिंग की सबसे बड़ी संस्था इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन ने नए नियमों को वापस ले लिया है। अब पेरिस ओलिंपिक-2024 पुराने नियमों के तहत खेला जाएगा। इन्हीं नियमों के तहत 2021 में टोक्यो ओलिंपिक खेला गया था।

दरअसल, टोक्यो ओलिंपिक के बाद आईएसएसएफ ने नियमों में बदलाव किए थे। आईएसएसएफ ने 2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों के बाद पिस्टल और राइफल निशानेबाजी में विजेता का फैसला करने के लिए फाइनल में अतिरिक्त चरण की शुरुआत की थी। इसमें टॉप-2 शूटर्स के बीच मुकाबला होता था। ब्रॉन्ज के लिए अलग मुकाबला होता था। बदले हुए नियम 8 से 15 मई के बीच आयोजित होने जा रहे बाकू वर्ल्ड कप से लागू होंगे।

नए नियम के तहत निशानेबाजों को पांच शॉट की दो सीरीज मिलेंगी

नए नियम के अनुसार फाइनल में सभी आठ निशानेबाजों को पांच शॉट की दो सीरीज मिलेंगी। इसके बाद 14 एकल मैच शॉट होंगे जहां आठ फाइनलिस्टों में सबसे कम अंक प्राप्त करने वाला निशानेबाज 12वें शॉट के बाद बाहर हो जाएगा और यह प्रक्रिया हर दो शॉट पर तब तक जारी रहेगी जब तक कि पदक विजेताओं का फैसला नहीं हो जाता। विजेता का फैसला करने के लिए फाइनल में कुल 24 शॉट दागे जाएंगे।

क्या था पुराना फॉर्मेट

शूटिंग के पुराने नियम के अनुसार सभी निशानेबाजों के बीच क्वालिफिकेशन राउंड होता था। इस राउंड के टॉप-8 निशानेबाज फाइनल राउंड में हिस्सा लेते थे। इस राउंड में निर्धारित शॉट के बाद खिलाड़ी एलिमिनेट होते थे। आखिरी में टॉप-3 में रहने वाले वाले को ब्रॉन्ज और दूसरे नंबर के निशानेबाज को सिल्वर और पहले स्थान वाले को गोल्ड दिया जाता था।

क्या बदलाव हुए थे

खेल को दर्शकों के लिए आसान बनाने के लिए फाइनल में एक अलग स्टेज जोड़ी गई थी। जहां पहले की एलिमिनेशन प्रोसिस की जगह टॉप-2 शूटर के बीच गोल्ड मेडल मैच होता था। पहले 16 अंक तक पहुंचने वाला खिलाड़ी गोल्ड जीतता था। जबकि इस मुकाबले के दूसरे खिलाड़ी को सिल्वर से संतोष करना पड़ता था। यह नियम भोपाल वर्ल्ड कप तक लागू रहा।

रिंकू सिंह पर बीसीसीआई ने आखिर क्यों लगाया था बैन कोलकाता नाइटराइडर्स के स्टार खिलाड़ी के करियर पर लगा था ब्रेक

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 25 साल के रिंकू सिंह ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी ओवर में लगातार पांच छक्के जड़कर केकेआर को जीत दिलाई और मीडिया में छा गए। रिंकू सिंह का क्रिकेटर बनने तक सफर काफी संघर्षभरा रहा, लेकिन अब वो युवाओं की प्रेरणा बन गए हैं। रिंकू सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रहने वाले हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने काफी कठिनाइयां झेली, लेकिन कभी हार नहीं मानी। आखिरकार, रिंकू को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और वो इस कदर चमके कि हर कोई उनका दीवाना हो चुका है। रिंकू सिंह की निजी जिंदगी के बारे में काफी लोग जान चुके हैं कि उन्हें स्वीपर की नौकरी मिलने वाली थी। उनके पिता सिलेंडर बांटने का काम करते हैं। बेहद गरीबी में रिंकू सिंह का बचपन गुजरा, लेकिन वो अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहे। अब रिंकू सिंह से फैंस को उम्मीदें हैं कि यह हीरा जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकेगा। बीसीसीआई ने लगाया था बैन हालांकि, कम ही लोग जानते हैं कि रिंकू सिंह पर बीसीसीआई ने प्रतिबंध लगा दिया था। उनके करियर पर ब्रेक लग गया था। दरअसल, रिंकू सिंह ने बोर्ड को बिना जानकारी दिए अबुधाबी में एक टी20 लीग में हिस्सा लिया था। जब बीसीसीआई को इसकी भनक लगी तब उन्होंने क्रिकेटर पर कड़ा एक्शन लेते हुए तीन महीने का प्रतिबंध लगा दिया। रिंकू सिंह को इससे सबक मिला और उन्होंने भविष्य में कभी ऐसी गलती नहीं दोहराने का प्रण लिया। फिर रिंकू ने कड़ी मेहनत की और आईपीएल में उन्हें इसका इनाम भी मिला।

सिसांडा मगाला दो सप्ताह के लिए बाहर; राजस्थान के खिलाफ फील्डिंग के दौरान लगी चोट

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के 17वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। चेन्नई के तेज गेंदबाज सिसांडा मगाला चोटिल हो गए हैं। वह कम से कम दो सप्ताह के लिए बाहर हो गए हैं। वहीं टीम के कप्तान एमएस धोनी भी इस दिनों घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। यह जानकारी चेन्नई के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी। फ्लेमिंग ने कहा, धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं जो कि आप उनके कुछ मूवमेंट में देख सकते हो। इससे उन्हें थोड़ा परेशानी हो रही है। वहीं मगाला एमए चिदंबरम स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लेमिंग ने कहा, मगाला अब दो सप्ताह तक टीम में चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। साउथ अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने केवल दो ओवर की गेंदबाजी की और बिना कोई विकेट लिए 14 रन दिए। कोच ने आगे कहा कि बेन स्टोक्स पर रोजाना अपडेट ली जा रही है और वह जल्द ही खेलने के लिए फिट हो जाएंगे।

चेन्नई का पीछा नहीं छोड़ रही चोट

मगाला को चेन्नई ने न्यूजीलैंड के काइल जैमिसन के रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया था। जैमिसन भी चोट के चलते लीग के पूरे सीजन से बाहर हो चुके हैं। वहीं बाएं हाथ के पेसर मुकेश चौधरी भी लीग शुरू होने से पहले ही पूरे सीजन से बाहर हैं। मगाला से पहले तेज गेंदबाज दीपक चाहर और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स पहले से ही बाहर चल रहे हैं। दीपक चाहर को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए थे। फ्लेमिंग के मुताबिक उन्हें मैदान पर लौटने में दो-तीन सप्ताह का समय लगेगा।

आईपीएल में थम नहीं रहा चोट का सिलसिला

आईपीएल 2023 को शुरू हुए अभी कुछ समय ही हुआ है, लेकिन खिलाड़ियों का चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। कुछ खिलाड़ी मुकाबले के दौरान ही इंजरी का शिकार हो गए। वहीं कुछ खिलाड़ियों को लीग शुरू होने के पहले ही चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर होना पड़ गया।

क्रिकेटर रवि बिश्नोई और विजय दहिया ने रामलला के दर्शन किये

अयोध्या।

क्रिकेटर रवि बिश्नोई और पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया ने अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन किये हैं। बिश्नोई अभी आईपीएल में लखनऊ सुपरजाइंट्स की ओर से खेल रहे हैं। इन दोनो ही क्रिकेटरों ने मंदिर दर्शन के साथ ही निर्माण के काम को भी देखा। इस दौरान इन क्रिकेटरों को अपने सामने देख पुजारी से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक हैरान हो गये और उन्होंने इसके बाद इन दोनो ही खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचाने के साथ ही सेल्फी भी ली। ये दोनो ही खिलाड़ी निर्माणाधीन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर देखकर बेहद खुश नजर आये।

बिश्नोई और दहिया पहले अयोध्या हनुमानगढ़ी पहुंचे और दर्शन पूजन किया। इस दौरान उनके साथ पुलिस और निजी सुरक्षा गार्डों के कारण भी थे। ये दोनो ही इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर में रामलला के दरबार में पहुंचे। रामलला का दर्शन करने के बाद उन्हें रामलला का विशेष प्रसाद और तुलसीजल दिया गया, इसके साथ ही सहायक पुजारी प्रदीप दास ने उन्हें तिलक लगाया और उनसे साथ सेल्फी ली। इसके बाद वह निर्माणाधीन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भी देखने गए और देखने के बाद अपनी खुशी भी जाहिर की।

संजू सैमसन पर स्लो ओवररेट की वजह से लगा जुर्माना: मैच फीस में से 12 लाख कटेंगे, फिर दोहराई गलती तो लगेगा बैन

मुंबई।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। उन पर यह फाइन निर्धारित समय में 20 ओवर पूरा नहीं करने की वजह से लगा है।

दूसरी बार गलती करने पर लगाया जा सकता है बैन

नियम के अनुसार 20 ओवर के मैच में 19 ओवर 85 मिनट के अंदर पूरा हो और 20वां ओवर शुरू हो जाना चाहिए। अगर 85 मिनट के अंदर 20वां फील्डिंग टीम शुरू नहीं कर पाती है तो इसे स्लो ओवर रेट का दोषी माना जाएगा। वहीं आखिरी ओवर में पांच की जगह केवल चार फील्डर को ही 30 यार्ड के सर्कल के बाहर रखने की इजाजत है। स्लो रेट के दोषी पाए जाने पर मैच फीस की कटौती का प्रावधान है। वहीं दोबारा ऐसी गलती करने पर एक मैच का बैन भी किया जा सकता है।

दो मैचों में जीरो पर हुए हैं आउट

संजू सैमसन लगातार दो मैच में बिना रन बनाए आउट हुए हैं। उन्होंने पहले मैच में अर्धशतक लगाया था। उसके बाद खेले गए दो मैचों में जीरो पर आउट हुए हैं। राजस्थान रॉयल्स ने अब तक खेले तीन मैचों में से दो मैच जीते हैं, जबकि एक मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा।

कोहली ने बेटी को रेप-थ्रेट देने वाले को किया माफ

बॉम्बे हाईकोर्ट से केस खारिज; पाक से हार पर आईआईटी ग्रेजुएट ने दी थी धमकी

मुंबई।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की बेटी को दुष्कर्म की धमकी देने वाले आरोपी पर लगे मामले खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कोहली और अनुष्का ने आरोपी को माफ कर दिया है। आरोपी आईआईटी ग्रेजुएट है।

बॉम्बे हाईकोर्ट में एएस गडकरी और पीडी नायक की बेंच ने कम्प्लेन खारिज की। कोहली की मैनेजर अकील डिसूजा ने कोर्ट में हैदराबाद के रामनागेश अकुबथिनी नाम के आरोपी पर से केस वापस लेने की सहमति दी थी।

पाकिस्तान से हार के बाद गुस्से में था आरोपी

24 अक्टूबर 2021 को टी-20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया को पाकिस्तान ने 10 विकेट से हरा दिया था। इस हार के बाद आईआईटी हैदराबाद से ग्रेजुएशन करने वाले रामनागेश ने सोशल मीडिया पर कोहली की बेटी से दुष्कर्म करने की धमकी दी थी।

नवंबर में आरोपी की गिरफ्तारी हुई

सोशल मीडिया पर धमकी के बाद 8 नवंबर 2021 को आरोपी के खिलाफ कई मामलों में केस दर्ज किया गया। 11 नवंबर को मुंबई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 9 दिन बाद ही आरोपी को जमानत भी मिल गई।

आरोपी ने केस वापस लेने की अपील की

आरोपी रामनागेश ने फरवरी 2022 में अपने ऊपर लगे मामले को खारिज करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दर्ज कराई। आरोपी ने कहा कि वह एडवांस (आईआईटी की एंट्रेंस एग्जाम) का टॉपर है। उसे अपने करिअर की चिंता है और अब विदेश में जॉब करना चाहता है, लेकिन केस के कारण उसे दिक्कतें हो रही हैं।

इस अपील के बाद कोहली और अनुष्का ने भी आरोपी को माफ कर दिया। उनकी वकील ने बॉम्बे हाई कोर्ट में इस बात की कन्फर्मेशन दी और अब मामला खारिज किया जा चुका है।

कैस्पर रुड ने तीसरे दौर में जगह बनाई, क्ले कोर्ट पर लगातार नौवां मैच जीता

मोनाको। नॉर्वे के टेनिस खिलाड़ी चौथे वरीय कास्पर रुड ने क्ले कोर्ट पर लगातार नौवां मैच जीतकर मोंटे कार्लो मास्टर्स के तीसरे दौर में जगह बनाई। पिछले साल के फ्रेंच ओपन के उप विजेता रुड ने बोटिक वैन को 7-5, 7-6 (1) से सीधे सेटों में हरा दिया। रुड का क्ले कोर्ट पर प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने पिछले साल जुलाई में गस्टाड और पिछले सप्ताह एस्टोरिल में खिताब जीता था। रुड ने कहा कि कभी भी नए टूर्नामेंट में शुरुआत मुश्किल रहती है। मैच जीतकर खुश हूं और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा। रुड ने दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट बचाया और अब उनका अगले दौर में मुकाबला जॉन लेनार्ड के खिलाफ होगा जिन्होंने 14वें वरीय एलेक्स डि मिनौर को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

रंगाली बिहू के साथ असम में नया साल शुरू

पूरी दुनिया भले ही नए साल की खुशियां 31 दिसंबर और 1 जनवरी के दिन नए साल का जश्न मनाते हैं। लेकिन असम (असम) समेत पूर्वोत्तर के राज्य में नए साल की छठा अप्रैल में बिखरती है। असमिया नया साल 14 या 15 अप्रैल को मनाया जाता है। आमतौर पर अप्रैल का दूसरा सप्ताह पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों में नए साल के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। जिसे आम बोलचाल की भाषा में बोहाग या रंगाली बिहू भी कहा जाता है। इस बार ये पर्व इसलिए खास है क्योंकि इस बार बिहू के दौरान एक विश्व रिकॉर्ड भी कायम होने जा रहा है। बिहू असम और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों का खास त्योहार है, जो साल में तीन बार मनाया जाता है। इन तीन बीहू के नाम होते हैं रंगाली, भोगली और कंगाली बिहू। जिसमें से रंगाली बिहू का महत्व सबसे ज्यादा माना जाता है। जो 14 और 15 अप्रैल को सेलिब्रेट किया जाएगा। जिस तरह दूसरे प्रांतों में फसल कटाई के वक्त को किसी पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। उसी तरह बिहू भी फसल कटाई की खुशी का ही एक पर्व है। इस खास दिन को और खास बनाने के लिए गायों को नई रस्सी से बांधी जाती है। उन्हें इस दिन खुला नहीं छोड़ते बल्कि टोकरी में ही खाने का सामान सजा कर देते है। जिसमें लौकी, बैंगन जैसी सब्जियां शामिल होती हैं। इसके अलावा बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक कार्यक्रम कर, पर्व की खुशियां मनाई जाती हैं। जिसमें बिहू डांस खास माना जाता है। बिहू के मौके पर असम, मणिपुर और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में बिहू डांस भी होता है। इस बार असम में ये पर्व जोर शोर से मनने वाला है। इस डांस में इस बार 11 हजार कलाकार शिरकत करेंगे। असम के के सरुसजाई इंडोर स्टेडियम में होने से इस पर्व से नया विश्व रिकॉर्ड भी कायम होगा।

रंगाली बिहू असम का रंगीन त्योहार

रंगाली बिहू, असम में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा त्योहार है। यह त्योहार असम में साल में तीन बार मनाया जाता है। माघ बिहू (मध्य जनवरी), रंगाली बिहू (मध्य अप्रैल) और काति बिहू (मध्य अक्तूबर)। आज से असम में रंगाली बिहू प्रारंभ हुआ हैं। बिहू शब्द बिहू नृत्य और बिहू लोक गीत दोनों की ओर संकेत करते है। रंगाली बिहू या बोहाग बिहू असम का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह त्योहार मस्ती के साथ मनाया जाता है बिना उनके जाति, धर्म और विश्वास में भेद किए। बिहू शब्द दिमासा लोगों की भाषा से लिया गया है जो की प्राचीन काल से एक कृषि समुदाय है। उनकी सर्वोच्च देवता ब्राई शिबराई या पिता शिबराई हैं। मौसम की पहली फसल अपनी शांति और समृद्धि की कामना करते हुए ब्राई शिबराई के नाम पर अर्पित किया जाता हैं। तो *बि* मतलब *पुछ्ना* और *शु* मतलब पृथ्वी में *शांति और समृद्धि* हैं। अतः शब्द बिशु धीरे-धीरे भाषाई तहजीह को समायोजित करने के लिए बिहू बन गया। अन्य सुझाव यह हैं कि *बि* मतलब *पुछ्ना* और *हु* मतलब *देना* और वही से बिहू नाम उत्पन्न हुआ। यह *कलागुरु* विष्णु प्रसाद राभा द्वारा कहा गया था। असम में रंगाली बिहू बहुत सारे परंपराओं से ली जाती हैं जैसे की-बर्मी-चीन, ऑस्ट्रो - एशियाटिक, हिंद-आर्यन-और बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता हैं। त्योहार अप्रैल के मध्य में शुरू होता हैं और आम तौर पर एक महीने के लिए जारी रहता है। यह पारंपरिक नव वर्ष है। असमी इस खूबसूरत त्योहार को रंग बिरंगे कपड़े पहन कर मनाते हैं। वे इस अवसर पर अपने पड़ोसियों, शुभचिंतकों और रिश्तेदारों के यहां मिठाइयां और अन्य व्यंजन ले कर जाते हैं और उन्हें बधाई देते हैं। इस खास अवसर पर वे अपने घरों में विशेष पीठा बनाते हैं, जो कि खास इसी दिन बनाया जाता है। इसके अलावा तिल के लड्डू और नारियल के लड्डू भी बनाए जाते हैं। बिहू पर लोग गाय-भैंस आदि को भी पूजते हैं और उन्हें घर का भोजन भी खिलाते हैं। यह एक रंगीन त्योहार है इसलिए गांव के लड़के और लड़कियां पारंपरिक धोती, गमोसा और अन्य रंगीन कपड़े पहन कर टोली बना कर नृत्य करते हैं। बिहू के त्योहार में लोग अपने प्रियजनों को फूल और गमछा भी भेंट करते हैं। नव युवक एक महीने पहले से ही ढोल, पेपा, गगना (बिहू के वाद्ध यन्त्र) आदि कि तैयारी करते हैं और नव युवतियां उनकी ताल और सुर पर थिरकती हुई बिहू नृत्य करती हैं। यह बिहू इतने उल्लास और उत्साह वर्धक होता हैं कि गांव हो या शहर बच्चे हो या बूढ़े सभी आनंद का उपभोग करते हैं।